आर.एन.आई. नं. 45080/85, पी.ओ.
रजि.नं. मालवा डिवी./04/2024-26

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 40 अंक 78 | इंदौर, रविवार 18 अक्टूबर, 2026 | आश्विन शुक्ल 8 संवत् 2083 | पृष्ठ-12 मूल्य-4.00 | www.awantika.com

देश विदेश

लंदन में भारतीय हाई कमीशन के बाहर प्रदर्शन, बीजेपी के विरोध में लगे नारे

एसएफआई यूके ने स्टैंड इन सॉलिडैरिटी के बैनर तले आयोजित प्रदर्शन में ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और एसआईआर प्रक्रिया को रोकने की मांग उठाई

एजेंसी ▸▸ लंदन

ब्रिटेन की राजधानी लंदन में शुक्रवार, 16 अक्टूबर को भारतीय उच्चायोग के बाहर भारत में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और चुनावी जवाबदेही के मुद्दे पर प्रदर्शन हुआ। एसएफआई यूके ने स्टैंड इन सॉलिडैरिटी के बैनर तले आयोजित प्रदर्शन में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और एसआईआर प्रक्रिया को रोकने की मांग उठाई।

प्रदर्शनकारियों ने आजादी और सारे जहां से अच्छा जैसे नारे लगाए।



प्रदर्शनकारियों का कहना था कि वे भारत में लोकतंत्र और मतदान के अधिकारों की रक्षा के समर्थन में जुटे हैं।

केंद्र सरकार के समर्थन में भी प्रदर्शन

- इसी दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार के समर्थन में एक अन्य समूह ने भी प्रदर्शन किया। इस समूह के लोगों ने भारत माता की जय और मोदी, मोदी के नारे लगाए। दोनों समूहों के बीच टकराव की आशंका को देखते हुए लंदन पुलिस के कई अधिकारी मौके पर मौजूद रहे और प्रदर्शनकारियों को अलग-अलग रखा।
- पीटीआई के मुताबिक, केंद्र सरकार के समर्थन में प्रदर्शन कर रहे राहुल काले ने कहा कि भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते से निर्यात के नए अवसर खुले हैं। उन्होंने यह भी कहा कि लंदन में इस तरह के प्रदर्शनों से निवेशकों का भरोसा प्रभावित हो सकता है।

ट्रंप ने चुनावी रैली में 'मोहम्मद' नाम का उड़ाया मजाक

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चुनावी रैली के दौरान 'मोहम्मद' नाम का मजाक उड़ाया। उन्होंने कहा कि मिडिल ईस्ट में अगर आप किसी का नाम नहीं जानते हैं तो बस उसे मोहम्मद कह दीजिए। हालांकि, 'मोहम्मद' नाम का मजाक उड़ाने के कारण उनकी जमकर आलोचना भी की जा रही है। इस दौरान ट्रंप ने ईरान के राष्ट्रपति पद का भी मजाक उड़ाया और कहा कि वह दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जहां कोई भी राष्ट्रपति बनना नहीं चाहता है।

असहमति के साथ सम्मान जरूरी फैसला देने से पहले सुनें: सीजेआई

नई दिल्ली। भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने शनिवार को लॉ स्टूडेंट से कहा कि आप किसी के साथ असहमत हो सकते हैं लेकिन उसकी गरिमा बनाए रखें। कोई भी फैसला देने से पहले सामने वाले को भी सुनें। सीजेआई नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी बेंगलुरु के 34वें एनुअल दीक्षांत समारोह में शामिल हुए थे। सीजेआई ने कहा कि कानूनी शिक्षा सिर्फ एकेडमिक नॉलेज तक सीमित नहीं होनी चाहिए। छात्रों को अलग-अलग विचारों को समझना जरूरी है। इससे पहले यूनिवर्सिटी के 700 से ज्यादा मौजूदा और पूर्व छात्रों ने सीजेआई सूर्यकांत को दीक्षांत समारोह में आमंत्रित किए जाने पर आपत्ति जताई थी।

नवाज शरीफ की तरह पाकिस्तान छोड़ सकते हैं इमरान खान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में जेल में बंद पूर्व पीएम इमरान खान भी पूर्व प्रधानमंत्रियों की तरह देश छोड़ सकते हैं। विपक्षी नेता महमूद खान अचकजई ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह दावा किया। अचकचई ने कहा- सरकार इमरान पर समझौते के लिए दबाव बना रही है। वे नवाज शरीफ और बेनजीर भुट्टो की तरह देश छोड़कर जा सकते हैं। 73 साल के इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं। उन्हें 5 अगस्त 2023 को तोशाखाना मामले में 3 साल की सजा सुनाए जाने के बाद गिरफ्तार किया गया था। उन पर सिफर, अल-कादिर ट्रस्ट और इद्दत निकाह समेत करीब 200 मामले दर्ज हैं।

मुंबई में अजय देवगन के बंगले का हिस्सा तोड़ा



नोटिस के बाद अवैध निर्माण के चलते बीएमसी की कार्रवाई, एक्टर की टीम ने इनकार किया

मुंबई। मुंबई नगर निगम ने एक्टर अजय देवगन के जुहू स्थित बंगले में कथित तौर पर बिना अनुमति किए गए निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की है। रिपोर्ट के मुताबिक नगर निगम ने बंगले में किए गए निर्माण को तोड़ा है। आरोप है कि काम रोकने का नोटिस जारी होने के बावजूद निर्माण जारी था। अजय देवगन के पीआर पराग देसाई ने इन खबरों का खंडन किया है। उनका कहना है कि अजय देवगन के बंगले में बीमएसी की टीम नहीं आई। ये खबरें पूरी तरह से बेबुनियाद हैं। जिस प्रॉपर्टी को लेकर खबरें आ रही हैं, वह अजय की है और उनके घर से थोड़ी ही दूर है। अजय ने उसे किराए पर दिया हुआ है। संभव है कि बीएमसी को उस प्रॉपर्टी में कुछ अनियमितताएं मिली हों, जिसके चलते कार्रवाई हुई हो। पराग देसाई का कहना है कि आज दोपहर तक इस मामले पर आधिकारिक बयान जारी किया जाएगा। अजय देवगन का एक बंगला मुंबई के जुहू इलाके की कपोल कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी ((जेवीएनपी स्कीम, एन एस रोड नंबर 11, प्लॉट एस-10) में 7,802 वर्ग फीट पर बना है। आरोप है कि बंगले में अंदरूनी बदलाव, पार्टीशन की दीवारें, खिड़कियां और अन्य निर्माण कार्य जरूरी अनुमति के बिना किए जा रहे थे।

नैनो न्यूज

- **झारखंड** : मासूम की मौत, मामा ने खिलौना बताकर थमाई पिस्तौल, ट्रिगर दबते ही सिर में लगी गोली।
- **नई दिल्ली** : केंद्र ने 70 लाख कर्मचारियों को दी राहत, रिटायरमेंट से चार साल पहले ही जांचें जाएंगे वेतन-पेंशन के पेपर।
- **कश्मीर** : कुपवाड़ा में 2 आतंकी मारे गए, एलओसी के पास सुबह साढ़े 3 बजे शुरू हुई मुठभेड़, केरन सेक्टर में सुरक्षाबलों का सर्च ऑपरेशन।
- **वाशिंगटन** : ट्रम्प ने 5 दिन में ही प्रेस सेक्रेटरी को हटायाः वकील होने के दावे पर सवाल उठे, पहली ब्रीफिंग में जुबान लड़खड़ाई थी।
- **मुंबई** : एचडीएफसी बैंक का मुनाफा 4.7% बढ़कर 19,510 करोड़ः दूसरी तिमाही में नेट इंटरेस्ट इनकम 9.7% बढ़ी; एसेट क्वालिटी सुधरी, एडवांस-डिपॉजिट में डबल डिजिट ग्रोथ।
- **केरल** : पूर्व सीएम को ईडी का समन, मनी लॉन्ड्रिंग-भ्रष्टाचार मामले में दो एफआईआर पहले से दर्ज।

कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके सुबह गिरफ्तार, शाम को मिली जमानत

एसआईआर के खिलाफ कांग्रेस की 1 नवंबर को रामलीला ग्राउंड में रैली, पुलिस से मिली इजाजत

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके को शनिवार को जमानत मिल गई। उन्हें 50 हजार रुपए का बॉन्ड भी भरना पड़ा।

दीपके को दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार देर रात गिरफ्तार किया था। उन्हें शुक्रवार को कनॉट प्लेस में लहरा दो तिरंगा रैली से पहले हिरासत में लिया गया था। 8 दिन में दीपके के खिलाफ यह दूसरी बार कार्रवाई है। इससे पहले 10 अक्टूबर को उन्हें दिल्ली एयरपोर्ट पर विमान से हिरासत में लिया गया था। अगले दिन वे रिहा हो गए थे।

उधर एसआईआर के विरोध में कांग्रेस की रामलीला मैदान में 1 नवंबर को रैली होगी। कांग्रेस ने दिल्ली पुलिस से पहले ही इसकी इजाजत ले ली है।

महिला संगठनों ने पुलिस कार्रवाई के खिलाफ मार्च निकाला- ऑल इंडिया महिला सांस्कृतिक संगठन, क्रांतिकारी युवा संगठन और अन्य संगठनों ने दिल्ली में हालिया प्रदर्शनों के दौरान पुलिस की कार्रवाई के विरोध में मार्च निकाला। प्रदर्शनकारी मार्च करते हुए दिल्ली पुलिस मुख्यालय पहुंचे।



आइसा की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा ने कहा, हर संभव तरीके से कानून-व्यवस्था की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। आम नागरिकों के साथ ऐसा व्यवहार किया जाता है, मानो वे कोई खूंखार अपराधी हों। मौजूदा आंदोलन ने साफ तौर पर उजागर कर दिया है कि लोगों को किस तरह हिरासत में लिया जा रहा है। चाहे दिन हो या शाम, उन्हें हिरासत में लेकर पूरी रात थाने में रखा जाता है और अगली सुबह या शाम को रिहा किया जाता है।

सरकार बदलेंगे, लेकिन लोकतांत्रिक तरीके से: प्रकाश राज



अभिनेता प्रकाश राज ने केंद्र सरकार में बदलाव की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि भारत में सत्ता परिवर्तन चुनाव और संवैधानिक तरीकों से होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के पास संविधान, मतदान का अधिकार और शांतिपूर्ण विरोध की ताकत है। उन्होंने 2029 के लोकसभा चुनाव तक लोकतांत्रिक लड़ाई जारी रखने की बात कही। तिरंगा मार्च से पहले प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेने और उनकी आवाज दबाने के आरोपों पर भी सवाल उठाए।

भारत बांग्लादेश-नेपाल नहीं, सत्ता परिवर्तन लोकतंत्र से होगा- अभिनेता प्रकाश राज अपने राजनीतिक बयान को लेकर फिर चर्चा में हैं। उन्होंने सरकार बदलने की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि भारत में सत्ता परिवर्तन लोकतांत्रिक तरीके से होना चाहिए। इंडिया टुडे से बातचीत में उन्होंने बांग्लादेश और नेपाल का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत उन देशों जैसा नहीं है। यहां डॉ. भीमराव आंबेडकर, महात्मा गांधी और भगत सिंह की विरासत के साथ संविधान और मतदान का अधिकार मौजूद है। प्रकाश राज ने कहा कि सरकार बदलने की लड़ाई लोकतांत्रिक तरीके से लड़ी जाएगी। उनके मुताबिक, राजनीतिक बदलाव के लिए चुनाव और संवैधानिक अधिकारों का इस्तेमाल होना चाहिए। उन्होंने उत्तर प्रदेश के चुनावों से 2029 के लोकसभा चुनाव तक यह लड़ाई जारी रखने की बात कही। प्रकाश राज ने कहा कि भारत में लोगों को वोट देने और विरोध करने का अधिकार है।

कोटा में एक्सप्रेसवे से मिनी बस नाले में गिरने से 8 लोगों की मौत

सभी मप्र के रहने वाले, खाटूश्याम मंदिर जा रहे थे



एजेंसी ▸▸ कोटा

राजस्थान के कोटा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर एक ट्रैंपो ट्रैवलर पुलिया से गिर गया। हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई। सभी लोग मध्य प्रदेश के बैतूल के रहने वाले थे।

एक्सीडेंट शनिवार सुबह 6 बजे सिमलिया थाना क्षेत्र में हुआ। एचएसओ नंद सिंह ने बताया कि ट्रैवलर भोपाल से खाटूश्यामजी जा रहा था। कोटा शहर से 35 किलोमीटर दूर कराड़िया टोल के पास ट्रैवलर पुलिया से 15 फीट नीचे गिर गया।

एक्सीडेंट में 17 पैसेंजर्स घायल हुए हैं। अंधेरे के कारण रेस्क्यू में कुछ देरी भी हुई। ग्रामीणों ने बताया कि कई डेडबॉडी सीटों के बीच फंसी थीं। उन्हें बड़ी मुश्किल से बाहर खींचा गया। घायलों को खिड़की तोड़कर निकाला गया। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राजस्थान के कोटा जिले में सड़क हादसे में जान गंवाने वालों के आश्रितों को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। उन्होंने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना जताई।

चुनाव बहाली को लेकर छात्रों का हंगामा, गेट पर चढ़े, कई हिरासत में लिए, भारी पुलिस बल तैनात

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नई दिल्ली

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में छात्र संघ चुनाव बहाली की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों को शनिवार सुबह साढ़े पांच बजे हटाने पर बवाल हो गया। इसको लेकर जामिया कैंपस के बाहर दिनभर हंगामा रहा। इस दौरान शाम को फिर से हंगामा शुरू हो गया। छात्रों ने जामिया के सुरक्षाकर्मियों पर मारपीट और दुर्व्यवहार का आरोप लगाया है। इस दौरान चार-पांच छात्रों को मामूली चोट लगने की भी सूचना है। इस घटनाक्रम से कैंपस में तनाव बढ़ गया है। जिसके चलते कैंपस में पुलिस और अर्द्धसैनिक बल को तैनात कर दिया गया है। दरअसल, जामिया के गुलिस्तान गालिब लॉन के गेट नंबर सात के पास छात्रों द्वारा चुनाव बहाली की मांग को लेकर सोमवार शाम से आंदोलन किया जा रहा था।

घर में पति-पत्नी 3 बच्चों की लाश मिलीं

एजेंसी ▸▸ नोएडा

यूपी में ग्रेटर नोएडा के नंगला श्रीपदम गांव में शनिवार को एक घर में पति-पत्नी और उनके 3 बच्चों की लाश मिली। सुबह काफी देर तक परिवार नहीं उठा तो पड़ोसियों को शक हुआ। दरवाजा अंदर से बंद था। खिड़की से देखा तो पांचों बिस्तर पर पड़े थे। एक के मुंह से झाग निकल रहा था। पुलिस घर पहुंची तो पिता बेटे से लिपटे हुए चारपाई पर मृत मिले। दूसरे बिस्तर पर मां छोटे बेटे और बेटी से लिपटी हुई थीं। मृतकों की पहचान महेश (37), पत्नी ललिता (35), बेटे लड्डू (11), साक्षत (3) और बेटी मिष्टी (7) के रूप में हुई है।

रिजॉर्ट में आग लगने से 10 की मौत

एजेंसी ▸▸ ढाका

बांग्लादेश के कॉक्स बाजार जिले में शनिवार सुबह समुद्र किनारे बने एक रिजॉर्ट में आग लगने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में एक ही परिवार के 6 सदस्य शामिल हैं।

आग सुबह करीब 7.25 बजे टुपटुप रेस्टो एंड रिजॉर्ट में लगी। तीन मंजिला लकड़ी की इमारत आग में पूरी तरह जलकर खाक हो गई। हादसे में कई लोग घायल भी हुए हैं। रिजॉर्ट के पास आग से बचाव के इंतजामों की मंजूरी नहीं थी। जून में चेकिंग के दौरान अधिकारियों ने इसे लेकर चेतावनी भी दी थी।

इंदौर स्मार्ट सिटी से फर्जी बिल घोटाले तक पूर्व कमिश्नरों की भूमिका पर उठे सवाल

फर्जी मस्टर रोल, संदिग्ध भुगतान और कंसलटेंट फर्म को फायदा पहुंचाने के आरोपों की जांच की मांग, स्मार्ट सिटी परियोजना में 1 हजार करोड़ रुपये की अनियमितताओं के दावों ने बढ़ाई हलचल

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर नगर निगम में करोड़ों रुपये के कथित फर्जी बिल घोटाले और स्मार्ट सिटी परियोजनाओं में वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। इन मामलों में पूर्व नगर निगम आयुक्त मनीष सिंह और प्रतिभा पाल के कार्यकाल की भूमिका को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। हालांकि, आरोपों की पुष्टि और संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करने के लिए जांच के निष्कर्ष तथा आधिकारिक दस्तावेज महत्वपूर्ण होंगे।

नगर निगम के कथित फर्जी बिल घोटाले में ठेकेदारों और अधिकारियों की मिलीभगत से फर्जी मस्टर रोल तैयार करने और बिलों का भुगतान किए जाने के आरोप सामने आए। इस मामले को लेकर प्रदेश सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा पूर्व अधिकारियों की भूमिका की जांच कराने की बात कहे जाने का भी उल्लेख किया गया है। सवाल यह है कि भुगतान की प्रक्रिया में किन अधिकारियों ने स्वीकृति दी, किन स्तरों पर सत्यापन हुआ और सरकारी खजाने को कथित नुकसान पहुंचाने वालों की जवाबदेही कैसे तय होगी।

भाजपा पार्षदों ने भी उठाए थे सवाल- मनीष सिंह के नगर निगम आयुक्त रहने के दौरान स्मार्ट सिटी परियोजनाओं को लेकर भाजपा पार्षदों की ओर से भी आपत्तियां उठाए जाने के दावे किए गए। शिकायतों में आरोप लगाया गया कि 'मेहता एंड एसोसिएट्स' नामक कंसलटेंट फर्म को



नियमों की अनदेखी कर परियोजनाओं से संबंधित काम दिए गए। पार्षदों द्वारा संभागायुक्त को ज्ञापन सौंपकर लोकायुक्त जांच की मांग किए जाने की बात भी सामने आई। शिकायतों में आय से अधिक संपत्ति होने का आरोप भी लगाया गया था। हालांकि, ऐसे आरोपों को प्रमाणित तथ्य नहीं माना जा सकता, जब तक संबंधित जांच एजेंसी की रिपोर्ट या सक्षम प्राधिकारी का निष्कर्ष सामने न आए। इस मामले में यह स्पष्ट होना जरूरी है कि शिकायत पर क्या कार्रवाई हुई, जांच शुरू हुई या नहीं और उसका वर्तमान परिणाम क्या है।

जांच का नतीजा ही तय करेगा जवाबदेही

- इस पूरे प्रकरण में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न केवल आरोपों का नहीं, बल्कि उन पर हुई कार्रवाई का है। क्या शिकायतों की स्वतंत्र जांच हुई? क्या संबंधित दस्तावेजों का ऑडिट कराया गया? क्या किसी अधिकारी या ठेकेदार की जिम्मेदारी तय हुई? और यदि अनियमितताएं प्रमाणित हुईं, तो सरकारी धन की वसूली तथा कानूनी कार्रवाई की दिशा में क्या कदम उठाए गए?
- जनता के धन से संचालित परियोजनाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही अनिवार्य है। आरोप चाहे किसी अधिकारी पर हों या किसी ठेकेदार पर, निष्पक्ष जांच और दस्तावेजी प्रमाणों के आधार पर ही सच्चाई सामने आनी चाहिए।

मेयर-इन-काउंसिल के सदस्यों ने भी उठाए थे सवाल

- इंदौर स्मार्ट सिटी परियोजना को लेकर नगर निगम की मेयर-इन-काउंसिल (एमआईसी) के सदस्यों और पार्षदों की ओर से लगभग 1000 करोड़ रुपये की कथित अनियमितताओं के आरोप लगाए जाने का दावा किया गया। शिकायतकर्ताओं का आरोप था कि शहर को आधुनिक बनाने के बड़े वादों के बावजूद कुछ निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और परियोजनाओं पर खर्च की पारदर्शिता सवालों के घेरे में रही।
- इन आरोपों की निष्पक्ष जांच के लिए परियोजनावार स्वीकृत बजट, टेंडर प्रक्रिया, कार्यादेश, भुगतान विवरण, गुणवत्ता परीक्षण और पूर्णता प्रमाणपत्रों का मिलान आवश्यक है। यदि किसी परियोजना में घटिया निर्माण, अनियमित भुगतान या नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होती है, तो जिम्मेदार अधिकारियों, ठेकेदारों और संबंधित एजेंसियों की भूमिका तय की जानी चाहिए।



महाकाल श्रृंगार



ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर का शुक्रवार को आकर्षक श्रृंगार किया गया।

खुसूर-फुसूर

आरती में भी वही जोश और आवाज हो

संयम और साधना का पर्व धर्मनगरी में मनाया जा रहा है। कई आयोजक सांस्कृतिक आयोजनों के तहत गरबों का आयोजन कर रहे हैं। इन पांडालों में जाने पर देखने में तो ऐसा लगता है जैसे पुरे सनातन की परंपरा एवं विधि विधान का ध्यान यहां रखा जा रहा है। बकायदा धूप जलाई जा रही है और माहौल को धर्म और भक्तिमय बनाया जा रहा है। गरबों के पूर्व एक परंपरा का निर्वहन करते हुए आरती की जा रही है। अतिथि आ रहे हैं मां को नमन किया जा रहा है। बालिकाएं आ रही है गरबा कर रही हैं और माता की आराधना का दौर हो रहा है। गरबों के समय तो यहां चलाए जाने वाले लाउड स्पीकरों की आवाज से दूर-दूर तक आवाज पहुंच रही है। आयोजकों की उद्घोषणा भी दूर-दूर तक सुनाई दे रही है। दूर सुनाई देने वाली आवाजों में निर्धारित समय उपरांत भी गरबों के गीत बराबर चलते रहते हैं। आश्चर्य तो तब होता है जब एक दम सन्नाटा छा जाता है। गरबों के अंत में माता की आरती कहीं सुनाई नहीं देती है। गरबा गीतों के बाद सीधे सन्नाटा ही पसरता है। इस दौरान वर्दी के सायरन की आवाजें जरूर सुनाई देती है। खुसूर-फुसूर है कि गरबा गीतों तक ही लाउड स्पीकरों की आवाज ऊंची रखी जाती है जिससे आगंतुकों को आयोजन के चालू रहने का संदेश मिलता रहे। अंत की आरती में मात्र गिनती के कुछ ही लोग रह जाते हैं, ज्यादातर निकल जाते हैं। ऐसे में लाउड स्पीकर की आवाज भी कम हो जाती है और निर्धारित समय के बाद वर्दी लाउड स्पीकर की आवाज को ऊंचा नहीं रहने देती है इसलिए आरती की आवाज सुनाई नहीं देती है। वैसे कई जगह तो परंपरा और सनातन की प्रक्रिया को ही त्यागकर मात्र गरबा ही किया जाता है।

न्यूज कॉलम

विभिन्न चौड़ीकरण कार्यों का निगम आयुक्त ने किया निरीक्षण

उज्जैन। सिंहस्थ महापर्व 2028 को दृष्टिगत रखते हुए शहर में यातायात व्यवस्था को सुगम एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा प्रमुख आंतरिक मार्गों के चौड़ीकरण एवं विकास कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा द्वारा निगम अधिकारियों के साथ खजूर वाली मस्जिद से गणेश चौक, लोटी स्कूल तिराहे से नीलगंगा तक, जयसिंहपुरा से चार धाम पार्किंग एवं नील गंगा चौराहे से शांति नगर तक चल रहे मार्ग चौड़ीकरण कार्यों का निरीक्षण किया। आयुक्त ने निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए शेष कार्यों में तेजी लाने तथा निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। 730 मीटर लंबे मार्ग को 15 मीटर चौड़ा किए जाने की कार्यवाही प्रारंभ की गई है। मार्ग चौड़ीकरण एवं विकास कार्य के लिए राज्य शासन द्वारा प्रदत्त लगभग 9.80 करोड़ रुपए की राशि व्यय की जाएगी यह मार्ग शहर के महत्वपूर्ण एवं व्यस्त संपर्क मार्गों में शामिल है।

नैनो न्यूज

- समाज सेवी नारायण यादव एवं महेश परियानी के मार्गदर्शन में गरबा महोत्सव की धूम, सकल सिंधी समाज के आयोजन में शामिल हुई ह्यतारक मेहताह्ल फेम बबीता, भाजपा नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने बच्चों को किया पुरस्कृत
- महिला बाल विकास ने जोखिम ग्रस्त बालको के सर्वे कराकर सड़क पर रहने वाले बच्चे ओर सड़क पर रहने वाले परिवारो के बच्चों को जिला बाल संरक्षण अधिकारी बृजेश त्रिपाठी के नेतृत्व में विशेष अभियान चलाया गया।
- राष्ट्र निर्माण में मातृशक्ति ही आधारभूत, कथनी से नहीं करनी से आता है बदलाव, राष्ट्र सेविका समिति के विजयादशमी उत्सव में अखिल भारतीय प्रमुख कार्यवाहिका अन्नदानम सीता अक्का ने किया मार्गदर्शित
- संस्कृति संचालनालय मध्य प्रदेश शासन भोपाल के सौजन्य से शासकीय माधव संगीत महाविद्यालय उज्जैन में प्रधान मंत्री नरेंद्र सिंह मोदी जी के जन्म दिवस के उपलक्ष में चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत से महाविद्यालय में तीन दिवसीय दिनांक 13,14एवं 15 अक्टूबर को कार्यशाला का आयोजन हुआ।
- विश्व खाद्य दिवस पर दाऊदी बोहरा समाज ने छतरी चौक पर किया भोजन वितरण, सैयदना साहब की प्रेरणा से प्रोजेक्ट राइज के तहत हुआ आयोजन, बेहतर कल के लिए दिया मानवता का संदेश
- दबंग हिंदू सेना ने कन्या पूजन कर निकाली चुनरी यात्रा, सनातन संस्कृति एवं नारी शक्ति का दिया संदेश, नवरात्रि के पावन अवसर पर दबंग हिंदू सेना द्वारा चामुंडा माता चौराहा स्थित श्री छत्रेश्वरी चामुंडा माता मंदिर में कन्या पूजन एवं चुनरी यात्रा का आयोजन किया गया।
- कालभैरव घाट पर मां महाकाली एवं तारा की साधना कर रहे अघोर संन्यासी, सिंहस्थ-2028 की सफलता एवं जनकल्याण की कामना से हो रही विशेष साधना
- वोट और चंदा चोरी के विरोध में दिग्विजय सिंह 20 अक्टूबर से निकालेंगे सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा, उज्जैन से अयोध्या तक जाएगी 930 किमी लंबी पदयात्रा, असंख्य पार्थिव शिवलिंग निर्माण के लिए पीसी शर्मा ने किया भूमि पूजन
- मणि पार्क वे में तीन दिवसीय गरबा महोत्सव का समापन, कॉलोनीवासियों ने सपरिवार की माता की आराधना, गरबा प्रस्तुतियों ने मोहा मन

उज्जैन में सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के बीच अवैध निर्माण हटाने की चल रही कार्रवाई तेज

महामंडलेश्वर के आश्रम पर बनी 4 मंजिला बिल्डिंग बुलडोजर से तोड़ी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के बीच अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई जारी है। शुक्रवार सुबह नगर निगम ने जूना अखाड़े से जुड़े हरियाणा सेवा आश्रम में बने चार मंजिला होटलनुमा भवन को ढहा दिया। यह आश्रम महामंडलेश्वर ज्योतिगिरी जी महाराज का है।

नगर निगम के मुताबिक, करीब 8 हजार वर्गफीट में बने भवन को हटाने के लिए आश्रम को दो बार नोटिस दिए गए थे, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद चार पोकलेन मशीनों और एक जेसीबी की मदद से भवन को पूरी तरह तोड़ दिया गया। भवन का निर्माण करीब डेढ़ साल से चल रहा था। इसके पहले सीएम मोहन यादव का पैतृक मकान का हिस्सा भी टूट चुका है। शाही मस्जिद का हिस्सा हटाया गया। इसे लेकर पथराव हुआ था। खड़े हनुमान मंदिर का बाहरी ढांचा भी हटाया गया, लेकिन प्रतिमा सुरक्षित रखी गई। मदीना कॉलोनी में मकान-गोदाम, बेगम बाग में निर्माण और आश्रमों पर भी कार्रवाई हो चुकी है।





हाईकोर्ट के निर्देश के बाद कार्रवाई- नगर निगम के भवन अधिकारी राजकुमार राठौर ने बताया- सिंहस्थ भूमि पर अवैध निर्माण का मामला हाईकोर्ट पहुंचा था। सुनवाई के बाद कोर्ट ने नगर निगम को अवैध निर्माण हटाने के निर्देश दिए थे। उन्होंने बताया- इसके बाद निगम की टीम पहले भी दो आश्रमों पर कार्रवाई कर चुकी है। हरियाणा सेवा आश्रम में नई इमारत को तोड़ा गया, जबकि पुराना हिस्सा बरकरार रखा गया। भवन के दूसरी तरफ लगा वॉटर सॉफ्टनर भी तोड़ा गया।

2023 में दायर हुई थी याचिका शिप्रा प्रदूषण का मुद्दा उठा

उज्जैन निवासी सत्यनारायण सोमानी ने वर्ष 2023 में हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इसमें बताया गया था कि शिप्रा नदी के दोनों किनारों पर 100 से 200 मीटर के दायरे में होटल, मठ, आश्रम, स्कूल और कॉलोनियों के अवैध निर्माण हो गए हैं। याचिका में आरोप लगाया गया था कि इन निमार्णों से निकलने वाला सीवरेज सीधे नदी में मिल रहा है, जिससे पानी प्रदूषित हो रहा है। मामले में लगातार सुनवाई के बाद 5 मई को हाईकोर्ट ने नगर निगम को 15 जून तक सभी अतिक्रमणों की सूची तैयार कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे।

गरबा सिर्फ नृत्य नहीं, इसका वैज्ञानिक आधार भी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

शक्ति की आराधना का पावन पर्व नवरात्रि वर्षभर की शक्ति संचय का एक धार्मिक विधान है। श्रद्धालु नौ दिवस तक माता की भक्ति में लीन रहते हैं और मनोकामना करते हैं। नौ दिवस तक साधक कठिन व्रत लेकर उपवास भी करते हैं। साधना का समापन नवमी तिथि पर हवन आदि के द्वारा होता है।

नृत्य व गीत द्वारा माता की भक्ति- नवरात्रि के नौ दिवस तो श्रद्धालु बालिकाएं, युवक, युवतियां व महिलाएं मातारानी की प्रशस्ति मे सुमधुर ढोल की थाप या संगीत की स्वरलहरियों के बीच गरबा रमती हैं। डांडिया रास से पूरे नौ दिन सकारात्मक ऊर्जा का संचरण होता है और आमोद प्रमोद मय भक्ति से सभी स्फूर्तियुक्त हो जाते हैं। ये भक्तिमय आनंद ही वर्षभर ऊर्जा प्रदान करता है व दिमाग तरोताजा बना रहता है।

गरबा का वैज्ञानिक तत्व- गरबा सिर्फ एक नृत्य नहीं है वरन इसमे निहित विज्ञान को समझना बहुत आवश्यक है। गरबा वैसे तो गुजरात का लोकनृत्य है किन्तु इसके महत्व के चलते ये देश विदेश में बहुत लोकप्रिय है और नवरात्रि व गरबा एक दूसरे के पर्याय बन चुके हैं। गरबा मूलरूप से एक समूह नृत्य है। इसमें एक वृताकार गोला बनाकर महिलाएं नृत्य करती हैं। वृत पूरे ब्रह्माण्ड का सूचक है और जीवन का सार इस वृत में छुपा है। जीवन चक्र रूपी गोले मे तीन अवस्थाएं 1 जन्म 2 मरण व 3 पुनर्जन्म विद्यमान है। मनुष्य की पूरी साइकल ही इसके इर्द गिर्द है। नृत्य करती गोले मे घूमती महिलाएं जीवनवृत को इंगित करती हैं।



मध्य में मिट्टी का कलश व ज्योत

गरबा नृत्य के मध्य मातारानी की तस्वीर व कलश स्थापित किया जाता है जिसमे ज्योत जलती रहती है। कलश के अंदर दीपक में ज्योत जलाकर नौ दिवस तक रखा जाता है। ये ज्योत ही दैवीय शक्ति को इंगित करती है और अग्नि की ऊर्जा वातावरण मे उत्सर्जित होती रहती है। आधुनिक विज्ञान के अनुसार दो ही वस्तु पूरे ब्रह्माण्ड मे हैं पहला पदार्थ व दूसरी ऊर्जा। ऊर्जा से परिपूर्ण मां शक्ति का द्योतक प्रज्वलित दीपक है। मां की आराधना जलती हुई ज्योत के आसपास घूमते हुए करने मे निश्चित ही मानव शरीर ऊर्जा से पूर्ण होता है और वातावरण में भी ऊर्जा का संचार होता है।

ताली व डांडिया से गरबा

ताली बजाने से शरीर को होनेवाले लाभ को तो विज्ञान ने भी मान्यता प्रदान कर दी है। जब गरबा में युवतियां आपस में ताली बजाती हैं तो शरीर मे रक्त संचरण अच्छे से होता है और किसी प्रकार के अवरोध धमनियों मे नहीं हो पाते हैं साथ ही हथेली पर दबाव पड़ता है और एक तरह का एक्यूप्रेशर हो जाता है। इसी प्रकार डांडिया खेलने मे भी लकड़ियों को मजबूती से पकड़ करनी होती है जिससे हथेलियों पर एक्यूप्रेशर होता है जो शरीर को स्वस्थ रखता है।
आज के बदलते दौर मे गरबा का पुरातन स्वरूप भी बदला है किन्तु पारंपरिक गरबा आज के सन्दर्भ में भी प्रासंगिकता रखे हुए हैं। समय के साथ थोड़ा परिवर्तन तो वक्त की मांग होती है किन्तु हमारी धार्मिक व सांस्कृतिक विरासत मे निहित वैज्ञानिक तत्वों को जानकर उसका सम्मान करते हुए उसे मूलरूप मे सहेजना भी समझदारी है।

आकाशवाणी उज्जैन ने रचा विश्व कीर्तिमान

वर्ल्ड बुक आफ रिकॉर्ड लन्दन में महाकाल सवारी का प्रसारण दर्ज



दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

आकाशवाणी उज्जैन द्वारा 7 सितंबर 2026 को श्री महाकालेश्वर की राजशाही सवारी का निरंतर 8 घंटे सजीव प्रसारण को लन्दन वर्ल्ड बुक आफ रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। गुरुवार को एक सादे समारोह में श्री महाकालेश्वर राजशाही सवारी के प्रसारण में भागीदारी करने वालों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस महानिरीक्षक राकेश गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा थे। अपने उद्बोधन में राकेश गुप्ता ने कहा कि मेरी और पुलिस विभाग की ओर से आकाशवाणी उज्जैन के प्रसारण कर्ताओं को बधाई।

आप लोगों ने 8 घंटे तक लाखों की भीड़ के बीच दुष्कर कार्य आकाशवाणी के लिए किया है। आकाशवाणी हमारे जीवन का अंग रही है। उज्जैन आकाशवाणी केंद्र आगे और भी रिकॉर्ड बनाएं ऐसी कामना करता हूं। आकाशवाणी के ब्रह्म प्रकाश चतुर्वेदी ने बताया कि श्री महाकालेश्वर राजशाही सवारी का हमने दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे तक भीड़ में सड़क पर रहकर निरंतर 10 घंटे प्रसारण किया। हमारे प्रसारण को मप्र में आकाशवाणी के 19 केंद्रों ने प्रसारित किया। करोड़ों लोगों ने उज्जैन से दूर रहकर श्रीमहाकालेश्वर की राजशाही सवारी के प्रसारण को सुना। विविध भारती के इंदौर, जबलपुर और भोपाल केंद्रों ने भी इसका सीधा प्रसारण किया।

कार्यक्रम में वर्ल्ड बुक आफ रिकॉर्ड लन्दन की प्रतिनिधि शुचिता शुक्ला एवं अपूर्वा मेनन ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन आकाशवाणी इंदौर की उद्घोषक सुधा शर्मा ने किया। आभार आकाशवाणी उज्जैन की कार्यक्रम अधिकारी अनामिका चक्रवर्ती ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में ब्रह्म प्रकाश चतुर्वेदी, अनामिका चक्रवर्ती, सौरभ अवस्थी, अखिलेश बाथम, मुकाम सिंह चौहान, विद्याधर मूले,उदित तिवारी, सुधा शर्मा, पंकज पंडित, मुनेश कुमार ,आनंद पूरंदरे, आशुतोष भगत, मनोज नाहर, द्वारकाधीश चौधरी, शैलेंद्र पाराशर, विजया जैन, गौतम मालवीय, कुबेर मेहरा, महिमा छाबड़ा, मोहित वर्मा, यशवंत बागवान, कृष्णा पंडित, रश्मि बजाज, नीतू जरिया और विनय को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

हिंदुवादी संगठनों ने पकड़ा मसला

1500 रु. में पास बेचकर हो रही थी अवैध कमाई

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

हाल ही में हिंदुवादी संगठन ने एक परिसर में गरबा इवेंट के नाम पर रूपए 1500 में पास बेंचने का मामला पकड़ा है। मनोरंजन कर की चोरी के साथ यह अवैध कमाई का जरिया बन गया है। इसे लेकर संबंधित नगर निगम भी उदासीनता के दौर में हैं। नगर निगम अपनी जिम्मेदारियों से परे होकर इवेंट स्थलों की जांच करने की जहमत भी नहीं उठा रहा है। न तो इवेंट स्थल पर फायर अनुमति देखी गई है और न ही वहां जमा की जा रही भीड़ की क्षमता को भी जांचा जा रहा हैं।

शहर में पिछले 6 दिनों से गरबा आयोजित हो रहा है। इवेंट के नाम पर इसे आयोजित किया जा रहा है। हिंदुवादी संगठनों के दावे को माना जाए तो उनका कहना है कि व्यवसायिक स्तर पर गरबा आयोजन नहीं किया जा सकता है। हिंदु संगठन इसका शुरूआत से ही विरोध कर रहे हैं और प्रशासन ने भी ऐसे किसी व्यवसायिक गरबा आयोजन को अनुमति नहीं दी है।

सामने आया पास, हिंदू जागरण मंच का विरोध- होटल मित्तल में गुरूवार रात पास बेचने का मामला सामने आया था। जानकारी मिलने पर हिंदू जागरण मंच के अर्जुन सिंह भदौरिया के अनुसार वहां पहुंचने पर पास लेकर इंट्री दी जा रही थी। वहां मौजूद एक युवक ने कहा कि मित्तल एवेन्यू में गरबा इवेंट का पास उसने रूपए 1500 में लिया था। भदौरिया ने वहां कार्यकताओं के साथ पहुंचकर इसका विरोध किया और सभी को सामान्य रूप से इंट्री करवाई और अपना विरोध दर्ज करवाया है। श्री भदौरिया के अनुसार पिछले दो माह से वे इसका विरोध कर रहे हैं और पास बेचना फ्राड है। प्रशासन ने पेड इवेंट की ऐसी कोई अनुमति नहीं दी है। पेड इवेंट वाले कोई भी गरबा उज्जैन में नहीं होगा। हम हिंदु उत्सवों में भेदभाव किसी स्तर पर नहीं चाहते हैं। उनका कहना था कि परमेश्वरी एवं आस्था में भी ऐसा होने की जानकारी मिल रही है वहां जाकर भी देखा जाएगा।

नगर निगम ने एक भी इवेंट स्थल नहीं देखा- गरबा उत्सवों के आयोजन स्थलों पर जाकर नगर निगम ने मनोरंजर कर के साथ ही वहां की इलेक्ट्रीक व्यवस्था के साथ ही फायर अनुमति को लेकर एक भी स्थल पर जाकर जांच नहीं की है। गरबा इवेंट स्थलों पर भी जाकर वहां की क्षमताओं के विरूद्ध एकत्रित किए जा रही संख्या को लेकर भी जांच करने की हिम्मत नहीं जुटाई गई है।

विवेकानंद कॉलोनी में आधी सड़क पर खुला पड़ा ड्रेनेज, हादसों को दे रहा न्यौता

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

शहर की विवेकानंद कॉलोनी में सड़क के आधे हिस्से पर खुला पड़ा ड्रेनेज राहगीरों के लिए खतरा बन गया है। खुले ड्रेनेज में गिरकर कई लोग घायल हो चुके हैं, इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने से रहवासियों और यहां से गुजरने वाले लोगों को हादसे का डर बना रहता है। सड़क पर आवागमन के दौरान जरा-सी चूक किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है।

कॉलोनी में खुले पड़े ड्रेनेज के कारण वाहन चालकों और पैदल चलने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क के बड़े हिस्से में खुला ड्रेनेज होने से सुरक्षित रास्ते की जगह सीमित हो गई है। रात के समय या कम रोशनी में यहां से गुजरना और भी जोखिम भरा हो सकता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस स्थान पर पहले भी कई लोग गिरकर घायल हो चुके हैं।

हादसों के बाद भी जिम्मेदारों का ध्यान नहीं - सवाल यह है कि जब खुले ड्रेनेज के कारण लोग घायल हो रहे हैं, तो संबंधित जिम्मेदार विभाग ने अब तक इसे सुरक्षित करने के लिए प्रभावी कदम क्यों नहीं उठाए? क्या किसी बड़ी दुर्घटना के बाद ही प्रशासन की नींद खुलेगी? सार्वजनिक सड़क पर इस तरह खुला ड्रेनेज छोड़ना नागरिकों की सुरक्षा के लिहाज से गंभीर चिंता का विषय है।



तत्काल सुधार की जरूरत- नगर निगम को मौके का निरीक्षण कर खुले ड्रेनेज को तत्काल ढंकने या सुरक्षित बैरिकेडिंग कराने की जरूरत है। साथ ही, जब तक स्थायी समाधान नहीं होता, तब तक दुर्घटना की आशंका वाले स्थान पर स्पष्ट चेतावनी संकेत और पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम किए जाने चाहिए। विवेकानंद कॉलोनी के रहवासियों की मांग है कि संबंधित अधिकारी इस समस्या को गंभीरता से लें और जल्द कार्रवाई करें। सड़कें नागरिकों की सुरक्षित आवाजाही के लिए होती हैं, हादसों का कारण बनने के लिए नहीं।

उठावना

स्व. श्री भागीरथ जी यादव के सुपुत्र व स्व. रामरतन जी यादव, स्व. ताराचंद्र जी यादव के भतीजे, स्व. राम भैया जी यादव, स्व. प्रेमनारायण जी यादव (पूर्व सभापति), मूलचंद जी यादव, प्रकाश जी यादव, स्व. रमेश जी यादव के छोटे भाई, स्व. चंदु जी यादव के बड़े भाई, अजय यादव, चेतन यादव के पूज्य काकाजी व सोनू यादव पहलवान शुभम यादव (लालू) के पूज्य पिताजी



स्व. श्री गोपाल पहलवान जी यादव

का स्वर्गवास दिनांक 15.10.2026, गुरूवार को हो गया है।

जिनका **उठावना** दिनांक 17.10.2026, शनिवार को **शिवांजलि गार्डन**, नीलगंगा चौराहा, उज्जैन पर सायं 04 बजे रखा गया है।

शोकाकुल : किशोर यादव, सत्तु यादव, राजेश यादव, दादू यादव, लीलू यादव, बिजू यादव, मुकेश यादव, डॉ. आनंद यादव, रवि यादव, नानू यादव, आशीष यादव, शेट्टी यादव, यश यादव व ऋषि यादव

आनंदेश्वरी, देवास गेट, उज्जैन एवं समस्त यादव परिवार, उज्जैन

आज का विचार, कल का नवाचार और भविष्य का स्टार्टअप : डॉ. कल्पना वीरेंद्र सिंह



दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

पीएमसीओई शासकीय माधव महाविद्यालय, उज्जैन में संस्था नवाचार परिषद के तत्वावधान में भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान वैज्ञानिक डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती के अवसर पर नवाचार दिवस मनाया गया । कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नवाचार, रचनात्मक सोच एवं उद्यमशीलता की भावना को प्रोत्साहित करना था।

कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य एवं संस्था नवाचार परिषद अध्यक्ष तथा नवाचार को प्रोत्साहित करने हेतु सदैव तत्पर डॉ. कल्पना वीरेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों को नवाचार का अर्थ समझाते हुए कहा कि विद्यार्थियों को अपने विचारों को नवाचार में बदलने और उन्हें स्टार्टअप के रूप में विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

कार्यक्रम में डॉ. चंद्रकांता तेजवानी, डॉ. हुक्का कटारा, डॉ. रफीक नागौरी, प्रो.राय सिंह सोलंकी, डॉ. मोहित पांचाल, प्रो. धीरज सारोठिया प्रो. करोड़ी सिंह, प्रो. पलक शर्मा, प्रो. अर्णिमा जैन, सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।



दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

इंदौर | उज्जैन | रविवार 18 अक्टूबर, 2026 | www.awantika.com

न्यूज ब्रीफ

28 अक्टूबर को आयोजित होगा राज्य स्तरीय अर्बन कॉन्क्लेव

इंदौर। आधुनिक शहरी अधोसंरचना को गति देने के उद्देश्य से आगामी 28 अक्टूबर को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में राज्य स्तरीय 'अर्बन कॉन्क्लेव-2026' का आयोजन किया जाएगा। कॉन्क्लेव में प्रदेश के भावी शहरों की प्राथमिकताओं एवं आवश्यकताओं, डिजिटल गवर्नेंस, ग्रीन सिटी अवधारणा तथा पर्यावरण-अनुकूल सतत विकास जैसे विषयों पर विषय-विशेषज्ञों और नीति-निमार्ताओं द्वारा गहन विचार-विमर्श किया जाएगा। शहरी क्षेत्रों में जल राशि के सुदृढ़ एवं वैज्ञानिक प्रबंधन तथा प्रयुक्त जल के पुनः चक्रण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कॉन्क्लेव में उपचारित प्रयुक्त जल पुनर्चक्रण विजन पर भी चर्चा होगी ।

लापरवाही पर दो शिक्षिकाओं को कारण बताओ नोटिस

इंदौर। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत इंदौर हिमांशु प्रजापति द्वारा जन विश्वास शिविर के दौरान जनपद पंचायत देपालपुर अंतर्गत पी.एम. श्री स्कूल बनेड़िया का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों की कॉपियों के मूल्यांकन में त्रुटियां पाए जाने तथा अध्यापन कार्य में अपेक्षित गुणवत्ता का अभाव सामने आने पर संबंधित दो शिक्षिकाओं को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों की कॉपियों की जांच कर शैक्षणिक कार्यों की गुणवत्ता का जायजा लिया गया। इस दौरान मूल्यांकन में त्रुटियां पाए जाने तथा अध्यापन कार्य निर्धारित अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं होने पर श्री प्रजापति ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने आयशा खान एवं सुशीला डटोतिया को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों से 23 नमूने जांच हेतु संग्रहित

इंदौर। खाद्य सुरक्षा प्रशासन, इंदौर द्वारा खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने, मिलावट पर नियंत्रण रखने तथा आमजन को सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने वाले प्रतिष्ठानों के विरुद्ध कार्रवाई के साथ जनजागरूकता गतिविधियां भी आयोजित की गईं। खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा सांची वीनस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड रेस्टोरेंट, 39 रेस कोर्स रोड, इंदौर का 11 सितंबर 2026 को निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों के संबंध में प्रतिष्ठान को सुधार सूचना पत्र जारी किया गया था। संतोषजनक निराकरण नहीं किए जाने तथा प्रस्तुत जवाब एवं दस्तावेजों में भी खाद्य सुरक्षा संबंधी कमियां पाए जाने पर पंजीयन प्राधिकारी मनोज कुमार रघुवंशी द्वारा 15 अक्टूबर 2026 को आदेश जारी कर प्रतिष्ठान का पंजीयन तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

इंदौर मेट्रो में दो से ढाई हजार यात्री प्रतिदिन कर रहे सफर



इंदौर। मेट्रो प्रोजेक्ट के तहत शहीद बगीचा से पलासिया तक के प्रस्तावित मेट्रो प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए डेडलाइन पूर्व में 2027 रखी गई थी। अब इस हिस्से में शहीद बगीचा से खजराना तक का हिस्सा ही एलिवेटेड बनना है। ऐसे में इस हिस्से का निर्माण कार्य पूर्ण अगले एक साल में पूरा करना होगा। शुक्रवार को मेट्रो के एमडी एस कृष्ण चैतन्य ने इस हिस्से के निरीक्षण के दौरान कार्य को तय समय में पूर्ण करने के निर्देश दिए। गौरतलब है कि इस हिस्से में निर्माण के लिए एजेंसी को मार्च 2024 में ठेका मिला था और जून में निर्माण कार्य शुरू किया गया। हालांकि इस बीच खजराना से पलासिया तक मेट्रो के हिस्से को अंडर ग्राउंड करने का निर्णय लिया गया। ऐसे जिस एजेंसी को काम सौंपा गया। उसे सिर्फ खजराना शहीद बगीचा व खजराना का एलिवेटेड मेट्रो स्टेशन ही तैयार करना है। मेट्रो के एमडी एस कृष्ण चैतन्य से शुक्रवार को एयरपोर्ट स्थित भूमिगत मेट्रो स्टेशन के निमार्णाधीन परिसर में टनल बोरिंग मशीन सरस्वती की शाफ्ट लांचिंग की प्रक्रिया का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। उन्होंने निर्देश दिए कि परियोजना के क्रियान्वयन में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए सभी संबंधित विभागों के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित किया जाए। विभिन्न स्तरों पर लंबित विषयों का समयबद्ध निराकरण करते हुए निर्माण कार्यों को गति प्रदान की जाए तथा निर्धारित लक्ष्यों की नियमित समीक्षा सुनिश्चित की जाए।

नैनो न्यूज

- **देवास – औद्योगिक इकाइयों में उत्पादन पर जोर-** देवास के औद्योगिक क्षेत्र में विनिर्माण इकाइयां उत्पादन व्यवस्था, कच्चे माल की उपलब्धता और समय पर आपूर्ति पर ध्यान दे रही हैं। इससे स्थानीय व्यापारिक गतिविधियों को गति मिलने की उम्मीद है।
- **आगर मालवा – कृषि उपज के कारोबार पर नजर-** आगर मालवा जिले में कृषि उपज के कारोबार से जुड़े व्यापारी मंडियों में आवक, गुणवत्ता और खरीदारों की मांग के अनुसार खरीदी की रणनीति बना रहे हैं।
- **शाजापुर – कृष्णमृगों के संरक्षण का अभियान-** शाजापुर क्षेत्र में कृष्णमृगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का अभियान जारी है। वन्यजीव संरक्षण के इस अभियान में वन विभाग की टीमें लगातार निगरानी और रेस्क्यू कार्य कर रही हैं।
- **सुसनेर – नगर परिषद उपचुनाव में भाजपा जीती-** सुसनेर नगर परिषद अध्यक्ष पद के उपचुनाव में भाजपा के प्रदीप सोनी ने जीत दर्ज की। चुनाव परिणाम के बाद स्थानीय निकाय की राजनीतिक गतिविधियों में तेजी आई है।
- **रतलाम – रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रेन हादसा टला-** रतलाम में बंजली बायपास रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रैक में फंसी कार से ट्रेन टकरा गई। घटना के बाद रेलवे ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

मानव और पशुओं के लिए है बेहद खतरनाक, 70 देशों में पहले से प्रतिबंधित

कीटनाशक पैराक्वेट डाइक्लोराइड के उपयोग पर लगाया प्रतिबंध

मूंग की खेती में किसान फसल को जल्दी निकालने के लिए इसका उपयोग करते रहे, छिड़काव करने से पौधे 24 से 72 घंटों के भीतर पूरी तरह सूख जाती

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

मानव एवं पशुओं के जीवन के लिए खतरनाक पैराक्वेट डाइक्लोराइड नामक कीटनाशक के उपयोग पर राज्य शासन ने पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है। यह कीटनाशक मानव और पशुओं के लिए बेहद हानिकारक है। भारत सरकार की अधिसूचना के सूचना जारी होने के उपरांत यह कार्रवाई की गई है। इसके साथ ही राज्य शासन ने निमार्ता कम्पनियों के पास बचा स्टॉक तत्काल नष्ट करने के निर्देश हैं।

किसान कल्याण और कृषि विकास विभाग के अधिकारिक सूत्रों के अनुसार इस खतरनाक कीटनाशक का निर्माण करने वाली कंपनियों द्वारा विक्रय और भण्डारण पर तत्काल रोक लगाने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। जिन निमार्ताओं के पास पैराक्वेट डायक्लोराइड के पंजीकरण प्रमाण पत्र है उन्हें तत्काल केन्द्रीय कीटनाशी बोर्ड और पंजीकरण समिति को वापस करने के निर्देश दिए हैं। इस कीटनाशक के बचे स्टाक को वापस बुलाकर नियम, प्रक्रिया अनुसार नष्ट करने की कार्रवाई करने के लिए भी निर्देश दिए हैं।भारत सरकार ने कीटनाशक अधिनियम 1968 के तहत पैराक्वेट डाइक्लोराइड के नए रजिस्ट्रेशन और पहले से जारी सभी रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट्स को रद्द कर इस पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। दुनिया के लगभग 70 देशों में इसका उपयोग पहले से प्रतिबंधित है।

पत्तों की तरह फेफड़ों का नुकसान पहुंचाता है

यह पौधों के हरे हिस्सों के संपर्क में आते ही उन्हें तेजी से जलाकर नष्ट कर देता था। इसे 'ग्रामोक्सोन' जैसे ट्रेड नाम से भी जाना जाता है। यह इंसानों और जानवरों के लिए अत्यधिक विषैला है। इसके शरीर में जाने या संपर्क में आने से फेफड़े और गुर्दे (किडनी) गंभीर रूप से खराब हो जाते हैं। इसका कोई विशिष्ट एंटीडोट (विषारोधी इलाज) उपलब्ध नहीं है। किसान मूंग की फसल में पैराक्वेट डाइक्लोराइड का उपयोग फसल की कटाई से ठीक पहले पत्तियों को सुखाने और फसल को जल्दी पकाने के लिए करते हैं। इसका छिड़काव करने से मूंग के हरे पौधे और पत्तियां 24 से 72 घंटों के भीतर पूरी तरह सूख जाती हैं। पत्तियां सूख जाने से फसल को काटना और थ्रेसिंग करना आसान हो जाता है, जिससे मजदूरों का खर्च और समय बचता है। भारत सरकार के नियमों के अनुसार इसका उपयोग मूंग की फसल पर करने की अनुमति नहीं थी, लेकिन इसके बावजूद किसान अवैध रूप से इसका शॉर्टकट के रूप में इस्तेमाल करते रहे हैं।

स्वास्थ्य के लिए खतरनाक

यह एक अत्यंत विषैला केमिकल है। इसके संपर्क में आने या इसके अवशेषों वाली मूंग के सेवन से कैंसर, लिवर, किडनी और मस्तिष्क से जुड़ी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। यदि यह शरीर में चला जाए या गलती से पिया जाए, तो इसका कोई इलाज या एंटीडोट नहीं है, जिससे यह जानलेवा साबित होता है।

विधायक मालिनी लक्ष्मणसिंह गौड़ का तंज–जब छोटे काम ही नहीं होते तो बैठकों में जाने का क्या मतलब?

जल संकट पर बैठक से दूरी क्यों नाराज है विधायक गौड़

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

शहर में भविष्य के जल संकट से निपटने और जलापूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बुलाई गई बैठक अब राजनीतिक चर्चा का विषय बन गई है। कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की पहल पर हुई बैठक में विधायकों की अनुपस्थिति के बीच विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-4 की विधायक मालिनी लक्ष्मण सिंह गौड़ ने मीडिया के सामने अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने बैठकों की उपयोगिता पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब छोटे-छोटे काम ही समय पर नहीं होते, तो ऐसी बैठकों में जाने का क्या मतलब है? उनके इस बयान को शहर की जलापूर्ति व्यवस्था और अधिकारियों की कार्यप्रणाली को लेकर राजनीतिक असंतोष के रूप में देखा जा रहा है। जल संकट को लेकर भविष्य की तैयारी की चर्चा के बीच गोंदवलेधाम में बनी पानी की टंकी का मामला सामने आया है। विधायक मालिनी गौड़ ने इस टंकी का उल्लेख करते हुए कहा कि अभी तक इसके कनेक्शन और पानी की व्यवस्था ही पूरी नहीं हो पाई है। ऐसे में सवाल उठता है कि जब तैयार हो चुकी जल संरचनाओं से ही पानी की आपूर्ति शुरू नहीं हो पा रही है, तो भविष्य की जरूरतों को पूरा करने की योजनाएं कितनी प्रभावी साबित होंगी?

बैठक में ये जनप्रतिनिधि पहुंचे

जलसंकट को लेकर बुलाई गई बैठक में महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक मधु वर्मा, महेंद्र हार्डिया और रमेश मेंदोला शामिल हुए। वहीं, विधायक गोलू शुक्ला, मालिनी गौड़, मनोज पटेल, तुलसी सिलावट और उषा ठाकुर के अलावा सांसद शंकर लालवानी भी बैठक में नहीं पहुंचे। बैठक में जनप्रतिनिधियों की गैरमौजूदगी चर्चा का विषय रही।

शायद उनके क्षेत्र में जलसंकट नहीं होगा : विजयवर्गीय- बैठक समाप्त होने के बाद जब मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से जनप्रतिनिधियों की गैरमौजूदगी को लेकर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि यह सवाल मुझसे क्यों पूछ रहे हैं? जो गैरमौजूद हैं, उनसे पूछना चाहिए। शायद उनके विधानसभा क्षेत्र में जलसंकट नहीं होगा, इसलिए वे बैठक में नहीं आए होंगे।

जल समिति प्रभारी का जवाब... टंकी की दो बार टेस्टिंग हो चुकी

इस मामले में जल समिति प्रभारी अभिषेक बबलू शर्मा ने अलग पक्ष रखते हुए कहा कि संबंधित टंकी को नर्मदा के चतुर्थ चरण से मिलने वाले पानी के साथ भरकर सप्लाई शुरू करने की योजना बनाई गई थी। उन्होंने बताया कि नगर निगम की ओर से टंकी को दो बार भरकर टेस्टिंग भी की जा चुकी है और इसकी शेयरिंग लाइन का काम भी पूरा हो चुका है उन्होंने उम्मीद जताई कि दिसंबर या जनवरी तक कनेक्शन का काम पूरा होते ही टंकी में पानी भरकर आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी।

सियासी सवालः योजना पहले या जनता को पानी पहले?

इस पूरे मामले में एक ओर भविष्य के जल संकट से निपटने के लिए बैठकें और योजनाएं हैं, तो दूसरी ओर बनी हुई टंकी से नियमित जलापूर्ति शुरू होने का इंतजार। विधायक का बयान जहां बैठकों के बजाय जमीनी काम को प्राथमिकता देने की मांग के रूप में सामने आया है, वहीं जल समिति प्रभारी ने तकनीकी प्रक्रिया और निर्धारित समयसीमा का हवाला दिया है। अब निगाहें इस बात पर रहेंगी कि दिसंबर-जनवरी की बताई गई समय सीमा में गोंदवले धाम की टंकी से वास्तव में पानी की सप्लाई शुरू हो पाती है या नहीं।

इंडिगो में खराब मौसम के कारण अटकी 195 यात्रियों की सांसें

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर एयरपोर्ट पर प्रतिकूल मौसम के कारण मुंबई से आए 195 यात्रियों की सांसें अटक गईं। हवा की गति और दिशा अनुकूल नहीं होने से इंडिगो की फ्लाइट को रनवे पर उतारने की तीन कोशिशें नाकाम रहीं। हर बार रनवे के करीब पहुंचने के बाद विमान को दोबारा हवा में उठाना पड़ा। आखिरकार पायलट ने सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए विमान को भोपाल डायवर्ट कर दिया। हालांकि, भोपाल में भी पहली कोशिश में लैंडिंग नहीं हो सकी।

इंडिगो की फ्लाइट 6ई-5181 मुंबई से सुबह 11:50 बजे इंदौर पहुंचती है। यहां से दोपहर 12:20 बजे इसे हैदराबाद के लिए रवाना होना था, लेकिन इंदौर में लैंडिंग के दौरान हवा की प्रतिकूल परिस्थितियों ने पायलट की चुनौती बढ़ा दी। लगातार तीन प्रयासों के बाद भी विमान रनवे पर नहीं उतर सका तो यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उसे भोपाल ले जाने का निर्णय लिया गया। इसके बाद विमान भोपाल ले जाया गया और वहां दो बार की कोशिश के बाद सफलतापूर्वक लैंड किया गया। वहां भी पहली बार में विमान रनवे पर नहीं उतर सका। विमान को रनवे के करीब पहुंचकर फिर ऊपर उठते देख यात्रियों में घबराहट बढ़ने लगी। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि विमान बार-बार उतरने के बजाय वापस क्यों जा रहा है। फ्लाइट स्टाफ ने यात्रियों को मौसम की स्थिति और विमान को भोपाल ले जाने के निर्णय की जानकारी दी।

'ईसी' ने दी विभागों के सभी दस्तावेजों के डिजिटलाइजेशन को मंजूरी

चलेगा नशामुक्ति अभियान, एमए हिन्दू स्टडीज कोर्स शुरू होगा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की कार्य-परिषद ने विवि में नशामुक्ति अभियान को सुचारू रूप से चलाने हेतु नशामुक्ति क्रियान्वयन प्रकोष्ठ की स्थापना के प्रस्ताव को स्वीकृत कर दिया है। ऐसे ही शैक्षणिक एवं प्रशासनिक विभाग के समस्त दस्तावेजों का डिजिटलाइजेशन कराया जाएगा, साथ ही जुलाई 2027 से पाठ्यक्रम 'एम.ए. हिन्दू स्टडीज' प्रारंभ करने (डिपार्टमेंट ऑफ हिन्दू स्टडीज की स्थापना) को मंजूरी दी गई है।

विवि की 'ईसी' की उक्त बैठक शुक्रवार को नालंदा परिसर में हुई। बैठक में नवनियुक्त सदस्य निमेश पाठक, डॉ. आदित्य माहेश्वरी, सुश्री रुचि कपिल मिश्रा आदि का कुलगुरु प्रो. राकेश सिंघई ने स्वागत किया।

सदस्य निमेष पाठक की अनुकरणीय पहल

कार्य-परिषद की उक्त बैठक में नवनियुक्त सदस्य और अधिवक्ता निमेष पाठक द्वारा उपस्थित होने पर विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त मानदेय राशि स्वीकार नहीं करते हुए उक्त मानदेय छात्र कल्याण एवं कर्मचारी कल्याण हेतु उपयोग मे लिए जाने लिखित सहमति व्यक्त की गई। यह अनुकरणीय आदर्श सभी के लिए प्रेरणादायक है। ज्ञात हो कि पूर्व में सदस्य डॉ. के.के. तिवारी (भोपाल) ऐसा कर चुके हैं।

इन पर भी 'हाँ....'- बैठक में वित्त समिति की अनुशंसाओं को स्वीकृत करते हुए परीक्षा संचालन एवं कार्यालयीन उपयोग के लिए आवश्यक स्टेशनरी खरीदने की अनुशंसा मान्य की गई। ईएमआरसी हेतु आधुनिक ऑडियो-विजुअल उपकरणों को खरीदने के प्रस्ताव को भी स्वीकृत किया गया। शारीरिक शिक्षा विभाग में टेनिस कोर्ट के निर्माण हेतु 20 लाख मंजूर किए गए।

जानकारी के अनुसार बैठक में कर्मचारियों की पदोन्नति हेतु अनिवार्य सी.पी.सी.टी. अर्हता से छूट प्रदान करने के शासन के आदेश को स्वीकार किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि वि.वि. के स्थापना दिवस के अवसर पर उत्कृष्ट शोध, शिक्षण, कार्य एवं व्यवहार के आधार पर शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरस्कृत किया जाएगा, साथ ही विशिष्ट पूर्व छात्रों को भी विभिन्न वर्गों में सम्मानित किया जाएगा। इसी तरह निर्णय लिया गया कि विवि की अध्ययनशालाओं में पढ़ रहे विद्यार्थियों का स्वास्थ्य बीमा कराया जाएगा, वहीं 'अग्निवीर' योजना के मुताबिक उनके पुत्र-पुत्रियों के विवि में प्रवेश लेने पर शिक्षण शुल्क नहीं लेने का फैसला भी लिया गया।

जनसुनवाई में प्राप्त शिकायत पर स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

खाचरौद के घिनौदा में संचालित हो रहे बगैर डिग्री चिकित्सा करने वाले चिकित्सक का दवाखाना बंद कराया गया है। इसे लेकर जनसुनवाई में मांगीलाल पिता नानूराम पाटीदार, निवासी घिनोदा डॉ. विश्वास के विरुद्ध शिकायत प्रस्तुत की गई थी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विक्रम रघुवंशी के मार्गदर्शन में इसे बंद करवाया गया है।

जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायत पर स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा मौके पर पहुँचकर कार्रवाई करते हुए संबंधित दवाखाना बंद कराया गया।13 अक्टूबर को इसकी शिकायत थी जिस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से संचालित दवाखाना बंद करवाया गया है। कार्रवाई के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विक्रम रघुवंशी, डॉ. प्रदीप सोमेश, शिशु रोग विशेषज्ञ तथा अनोखीलाल, नागदा सहित संबंधित टीम मौके पर पहुँची। कार्रवाई करते हुए संबंधित दवाखाने को बंद कराया गया। डॉ. विक्रम रघुवंशी ने स्पष्ट किया कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता है। बिना वैध चिकित्सकीय योग्यता के चिकित्सा कार्य करने तथा नियमों के विपरीत संचालित होने वाले दवाखानों के संबंध में प्राप्त शिकायतों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

तेज रफ्तार भारी वाहनों से हादसों का खतरा, फिटनेस और नियमों की जांच पर उठ रहे सवाल

शहर की सड़कों पर मौत बनकर दौड़ रहे डंपर...

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

शहर की सड़कों पर तेज रफ्तार से दौड़ रहे डंपर आम लोगों की जिंदगी के लिए खतरा बनते जा रहे हैं। आए दिन होने वाली दुर्घटनाओं में कई लोग अपनी जान गंवा चुके हैं, जबकि कई गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इसके बावजूद भारी वाहनों के संचालन पर प्रभावी नियंत्रण नजर नहीं आ रहा है। वाहनों की फिटनेस, परमिट, बीमा और चालकों की योग्यता की जांच को लेकर परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

सिंहस्थ महापर्व 2028 की तैयारियों के तहत उज्जैन में सड़क चौड़ीकरण, पुल निर्माण सहित विभिन्न विकास कार्य किए जा रहे हैं। इन कार्यों के लिए निर्माण सामग्री पहुंचाने में बड़ी संख्या में डंपर और रेती से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉलियों का उपयोग हो रहा है। निर्माण सामग्री की बढ़ती आवाजाही के बीच शहर की मुख्य सड़कों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में भी भारी वाहन धड़ल्ले से दौड़ रहे हैं। ऐसे में दुर्घटनाओं की आशंका लगातार बनी हुई है। भारी वाहनों की तेज रफ्तार और उनके संचालन में लापरवाही आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय है। शहर में निर्माण कार्यों के चलते भारी वाहनों की आवाजाही बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन इससे आम लोगों की सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता। डंपरों की गति नियंत्रित करने, चालकों के वैध लाइसेंस की जांच करने तथा फिटनेस, परमिट और बीमा संबंधी दस्तावेजों का सत्यापन करने की आवश्यकता है। साथ ही भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में भारी वाहनों की आवाजाही को व्यवस्थित करने के लिए प्रभावी व्यवस्था जरूरी है।

नौसिखियों के हाथों में भारी वाहनों की कमान

शहर के विभिन्न क्षेत्रों में निर्माण सामग्री ढोने के लिए बड़ी संख्या में डंपर संचालित हो रहे हैं। आरोप हैं कि कुछ वाहन मालिक अनुभवहीन चालकों को भारी वाहनों की जिम्मेदारी सौंप देते हैं। भारी वाहनों को चलाने के लिए विशेष कौशल और सतर्कता की जरूरत होती है। ऐसे में अप्रशिक्षित या अनुभवहीन चालकों के हाथों में इन वाहनों की कमान होने से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ सकता है। चालकों के लाइसेंस और योग्यता की जांच के साथ यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करना जरूरी है।

बिना फिटनेस वाले वाहन भी सडकों पर

परिवहन विभाग के पास जिले में पंजीकृत वाहनों और उन्हें जारी किए गए फिटनेस प्रमाण-पत्रों का रिकॉर्ड उपलब्ध रहता है। इसके बावजूद पुराने और व्यावसायिक वाहनों की फिटनेस जांच तथा प्रमाण-पत्रों के नवीनीकरण को लेकर प्रभावी कार्रवाई की जरूरत महसूस की जा रही है। वाहनों की नियमित जांच नहीं होने की स्थिति में तकनीकी रूप से खराब या निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतरने वाले वाहन भी सड़क पर दुर्घटनाओं का कारण बन सकते हैं। तेज गति से दौड़ रहे यह डंपर आए दिन किसी न किसी को अपना शिकार बना रहे हैं। पुलिस प्रशासन की लचर कार्यशैली के कारण ऐसे डम्पर चालकों पर कोई रोक नहीं लगाई जा सकी है, जिसके कारण सड़कों पर वाहन चलाना अब खतरे से खाली नहीं रहा है।

युवा और अल्पसंख्यक मोर्चा को नगर अध्यक्ष का इंतजार

नगर नियुक्तियों का दौर शुरू, एसटी मोर्चा की टीम घोषित

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

भाजपा में संगठनात्मक नियुक्तियों का सिलसिला शुरू हो गया है। इसी क्रम में भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा इंदौर महानगर की नगर कार्यकारिणी घोषित कर दी गई है। नगर अध्यक्ष थानसिंह सिसोदिया ने प्रदेश नेतृत्व और नगर संगठन की सहमति से 31 पदाधिकारियों की सूची जारी की है। इस नियुक्ति के साथ ही अब संगठन के अन्य मोर्चों में भी नियुक्तियों को लेकर हलचल तेज होने की संभावना है।

अनुसूचित जनजाति मोर्चा की घोषित कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष, महामंत्री, मंत्री, कोषाध्यक्ष, कार्यालय मंत्री, मीडिया प्रभारी सहित विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। सूची के अनुसार राहुल पंवार, करुण भूरिया, रघुसिंह बघेल, नयन सोलंकी और अटल पारगी को उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं सुमित बघेल और सुनीता मौर्य को महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा अन्य पदों पर भी नियुक्तियां की गई हैं।

एसटी मोर्चा की नगर कार्यकारिणी घोषित होने के बाद अब भाजपा के अन्य मोर्चों की नियुक्तियों को लेकर कार्यकताओं की नजरें टिकी हैं। युवा मोर्चा और अल्पसंख्यक मोर्चा में नगर अध्यक्ष की घोषणा का इंतजार है, जबकि महिला मोर्चा और किसान मोर्चा में नगर पदाधिकारियों की नियुक्तियां होना बाकी हैं।

इन नियुक्तियों को लेकर संगठन के भीतर उत्सुकता बनी हुई है। नगर अध्यक्षों और पदाधिकारियों के चयन में संगठनात्मक अनुभव, सक्रियता और कार्यकताओं के बीच स्वीकार्यता जैसे पहलुओं की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जा रही है। हालांकि, अन्य मोर्चों की नियुक्तियों को लेकर अभी कोई आधिकारिक घोषणा सामने नहीं आई है।

आपका शरीर तीर्थस्थल



कर्माशय का अर्थ है, समस्त संस्कारों की समष्टि। हम जो भी कार्य करते हैं, वह हमारे चित्त रूपी सरोवर में एक लहर उठा देता है। हम सोचते हैं कि इस काम के समाप्त होते ही वह लहर भी चली जाएगी; पर वास्तव में वैसा नहीं होता। वह तो बस सूक्ष्म आकार धारण कर लेती है, पर रहती वहीं है। जैसे ही हम उस कार्य को स्मरण में लाने का प्रयत्न करते हैं, वह फिर से उठ जाती है और लहर रूप धारण कर लेती है। इससे यह स्पष्ट है कि वह मन के ही भीतर छिपी हुई थी; यदि ऐसा न होता, तो स्मृति ही संभव न होती।

मनुष्य का हर एक कार्य, हर एक विचार, वह चाहे शुभ हो, चाहे अशुभ, मन के गहरे प्रदेश में जाकर सूक्ष्म भाव धारण कर लेता है और वहीं संचित रहता है। शुभ और अशुभ, दोनों प्रकार के विचार को क्लेश कहते हैं, क्योंकि योगियों के मतानुसार दोनों से ही अंत में दुख उत्पन्न होता है। याद रखिए, इंद्रियों से जो सुख मिलता है, वह अंत में दुख ही लाता है; क्योंकि भोग से और अधिक भोग की तृष्णा होती है और इसका अनिवार्य फल होता है दुख।

मनुष्य की वासना का कोई अंत नहीं है; वह लगातार वासना पर वासना रचता जाता है, और जब ऐसी अवस्था में पहुंचता है, जहां उसकी वासना पूर्ण नहीं होती, तो उसका फल होता है- दुख। इसीलिए योगी शुभ या अशुभ समस्त संस्कारों की समष्टि को क्लेश कहते हैं; ये क्लेश आत्मा की मुक्ति में बाधक होते हैं।

हमारे सारे कार्यों के सूक्ष्म मूल संस्कारों के बारे में भी ऐसा ही समझना चाहिए। वे कारण स्वरूप होकर इहजीवन अथवा परजीवन में फल प्रसव करते हैं। विशेष स्थलों पर ये संस्कार, अधिक प्रबल रहने के कारण बहुत शीघ्र अपना फल दे देते हैं; अत्युत्कट (अत्यधिक) पुण्य या पाप कर्म इहजीवन में ही अपना फल सामने ला देता है। योगी कहते हैं कि जो मनुष्य इहजीवन में ही अत्यंत प्रबल शुभ संस्कार उपार्जित कर सकते हैं, उन्हें मृत्यु तक बाट जोहने की आवश्यकता नहीं होती। वे इसी जीवन में अपने शरीर को देवशरीर में परिणत कर सकते हैं।

शरीरशास्त्र के अनुसार, भोजन का अर्थ है- सूर्य से शक्ति ग्रहण। वह शक्ति पहले वनस्पति में प्रवेश करती है, उस वनस्पति को कोई पशु चर लेता है, फिर उस पशु को मनुष्य। इसे वैज्ञानिक भाषा में व्यक्त करना हो, तो कहना पड़ेगा कि हमने सूर्य से कुछ शक्ति ग्रहण करके उसे अपने अंगीभूत कर लिया। योगियों का कहना है कि वे केवल मन की शक्ति से शक्ति-संग्रह कर सकते हैं। वे कहते हैं कि हम बिना किसी साधारण उपाय का अवलंबन किए यथेष्ट शक्ति भीतर ले सकते हैं। हम मकड़ी की तरह क्यों बद्ध हों?

सम्पादकीय

कार की उड़ान

उड़ने वाली कार का ख्वाब पुराना है और इसे पूरा करने की दिशा में टेस्ला कंपनी की महत्वपूर्ण पहल स्वागत-योग्य है। दुनिया के सबसे बड़े अमीरों में शुमार उद्यमी एलन मस्क ने खुद ऐसी कार या रोडस्टर का अनावरण करते हुए दावा किया है कि अब कार उड़ सकती है। एक इंसान के बैठने की क्षमता वाली इस रोडस्टर में चारों ओर कोल्ड-गैस थ्रस्टर्स लगे हैं, जिनकी ताकत से यह ऊपर उठ सकती है और आगे बढ़ सकती है। हालांकि, यह कहना ज्यादा ठीक होगा कि यह उड़ने वाली कार नहीं, बल्कि सुरक्षित छलांग लगाने वाली कार है। करीब दस साल की मेहनत से बनी यह रोडस्टर कुछ फीट ऊंचाई और कुछ फीट की दूरी उड़कर तय कर सकती है। बेशक, यह एक बेहतरीन प्रयोग है, जिसमें मोटर विज्ञान को रॉकेट विज्ञान के साथ मिला दिया गया है। इस रोडस्टर को हम पूरी तरह से उड़ने वाली कार तो नहीं कह सकते, लेकिन यह उड़ने वाली कारों की पहली पीढ़ी का एक सराहनीय आगाज है। इसमें कोई दोराय नहीं, टेस्ला एक ऐसी आधुनिक कंपनी है, जो वाहन विज्ञान के साथ ही विमानन में भी अपनी महारत साबित करती रही है। अपनी नई कामयाबी के लिए टेस्ला की जरूर तारीफ होनी चाहिए।

कोई संदेह नहीं, एलन मस्क दुनिया में अपनी तकनीकी कुशलता और मार्केटिंग की वजह से ही अमीर हुए हैं और रोडस्टर को पेश करते हुए भी उन्होंने अपनी व्यावसायिक कुशलता का भरपूर परिचय दिया है। ध्यान रहे, टेस्ला ने इस कार के लिए बुकिंग शुरू कर दी है और यह तीन वेरिएंट में उपलब्ध होगी। परफॉर्मेंस और थ्रस्ट वेरिएंट की बिक्री ज्यादा व्यावहारिक मानी जा रही है, क्योंकि ये दोनों वेरिएंट सड़क के लिए ही मुफीद हैं, जबकि रॉकेट वेरिएंट में छलांग लगाने की क्षमता है। हालांकि, अभी भी रॉकेट कारों पर प्रयोग जारी हैं और इन्हें उपयोगिता के हिसाब से सुरक्षित बनाया जा रहा है। साल 2029 में ये रॉकेट जैसी गुणवत्ता रखने वाली कारें सड़कों पर दिखने लगेंगी, पर कार को सचमुच हवा में देखने के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। यह कार सिर्फ आमंत्रण पर ही उपलब्ध हो सकेगी। जहां तक भारत की बात है, तो यहां छलांग लगाने या उड़ने वाली कार को आने में काफी वक्त लग सकता है।

(दिल्ली के प्रदर्शनों से उठते सवाल)

सत्ता से सवाल या व्यवस्था में व्यवधान?

भारत में शांतिपूर्ण सभा का अधिकार लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण आधार है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19(1)(ख) सभी नागरिकों को शांतिपूर्वक और बिना हथियारों के एकत्र होने का मौलिक अधिकार प्रदान करता है।



डॉ सत्यवान सौरभ (दैनिक अवन्तिका)

लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनसभाएँ, धरने, प्रदर्शन और रैलियाँ केवल असहमति व्यक्त करने के माध्यम नहीं हैं, बल्कि नागरिकों को अपनी माँगें रखने, सरकार से जवाबदेही सुनिश्चित करने और सार्वजनिक नीतियों को प्रभावित करने का अवसर भी देती हैं। वर्तमान भारत में विरोध-प्रदर्शनों की अनुमति, सार्वजनिक स्थानों पर प्रतिबंध, सड़क जाम और निवारक कानूनी प्रावधानों को लेकर होने वाली बहस ने इस अधिकार की प्रासंगिकता को और बढ़ा दिया है।

भारत का स्वतंत्रता आंदोलन सामूहिक लामबंदी और शांतिपूर्ण प्रतिरोध की शक्ति का ऐतिहासिक उदाहरण है। महात्मा गांधी के सत्याग्रह ने यह सिद्ध किया कि अहिंसक जनभागीदारी अन्यायपूर्ण व्यवस्था को चुनौती देने का प्रभावी माध्यम बन सकती है। स्वतंत्रता के बाद भी भ्रष्टाचार, सामाजिक न्याय, पर्यावरण संरक्षण, महिला अधिकारों, रोजगार और किसानों से जुड़े मुद्दों पर विभिन्न आंदोलनों ने सार्वजनिक विमर्श को प्रभावित किया है। शांतिपूर्ण प्रदर्शन उन नागरिकों और समुदायों को अपनी बात रखने का अवसर देते हैं, जिनकी समस्याओं को सामान्य परिस्थितियों में पर्याप्त महत्त्व नहीं मिल पाता। शांतिपूर्ण सभा का अधिकार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से भी गहराई से जुड़ा है। अनुच्छेद 19(1)(क) नागरिकों को वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रदान करता है, जबकि अनुच्छेद 19(1)(ख) उन्हें सामूहिक रूप से अपनी बात रखने का अवसर देता है। प्रदर्शन सरकार को अपनी नीतियों पर पुनर्विचार करने, प्रशासनिक कमियों को दूर करने और जनता की समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। इस दृष्टि से शांतिपूर्ण असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी जीवंतता और उत्तरदायित्व का प्रमाण है।

वर्तमान भारत में कृषि नीतियों, नागरिकता, बेरोजगारी, भर्ती परीक्षाओं, आरक्षण, पर्यावरण और अन्य सार्वजनिक मुद्दों पर होने वाले विरोध-प्रदर्शन इस अधिकार के महत्त्व को दशार्ते हैं। दूसरी ओर, सड़कों पर लंबे समय तक धरना देने, सार्वजनिक सभाओं पर प्रतिबंध लगाने, इंटरनेट सेवाएँ बंद करने तथा निवारक आदेशों के प्रयोग को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। मुख्य चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के नाम पर नागरिकों की वैध असहमति को दबाया न जाए। संविधान शांतिपूर्ण सभा के अधिकार को असीमित नहीं मानता। अनुच्छेद 19(3) के अंतर्गत भारत की संप्रभुता एवं अखंडता और लोक व्यवस्था के हित में इस अधिकार पर युक्तियुक्त प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। ऐसे प्रतिबंध इसलिए आवश्यक हैं, क्योंकि प्रदर्शनकारियों के अधिकारों के साथ-साथ अन्य नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना भी राज्य की जिम्मेदारी है। हिंसा, धमकी, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाना और जनसुरक्षा के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करना लोकतांत्रिक विरोध के नाम पर उचित नहीं ठहराया जा सकता। इसी प्रकार, आवश्यक मार्गों पर लंबे समय तक अवरोध उत्पन्न होने से मरीजों, आपातकालीन सेवाओं, दैनिक यात्रियों, व्यापारियों और स्थानीय निवासियों को परेशानी हो सकती है।

शाहीन बाग विरोध-प्रदर्शन से संबंधित अमित साहनी बनाम पुलिस आयुक्त (2020) मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक सड़कों और स्थानों पर अनिश्चितकाल तक ऐसा कब्जा नहीं किया जा सकता, जिससे अन्य लोगों का आवागमन बाधित हो। इस निर्णय ने विरोध-प्रदर्शन के अधिकार और आम जनता के अधिकारों के बीच संतुलन की आवश्यकता को रेखांकित किया। हालाँकि, इसका अर्थ यह नहीं है कि सार्वजनिक स्थानों पर प्रत्येक प्रदर्शन प्रतिबंधित किया जा सकता है। प्रशासन को शांतिपूर्ण प्रदर्शन से होने वाली सामान्य असुविधा और गंभीर या लंबे समय तक चलने वाले अवरोध के बीच अंतर करना चाहिए।

इसी प्रकार, मजदूर किसान शक्ति संगठन बनाम भारत संघ (2018) मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने सार्वजनिक स्थानों पर प्रदर्शन के अधिकार और अन्य नागरिकों के हितों के बीच संतुलन से जुड़े प्रश्नों पर विचार किया। ऐसे न्यायिक निर्णय यह स्पष्ट करते हैं कि न तो विरोध-प्रदर्शन का अधिकार असीमित है और न ही सरकार की नियमन करने की शक्ति। उद्देश्य ऐसा संतुलन स्थापित करना होना चाहिए, जिससे लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति सुरक्षित रहे और सार्वजनिक जीवन भी अनावश्यक रूप से बाधित न हो। निवारक कानूनी शक्तियों का प्रयोग भी सावधानीपूर्वक किया जाना आवश्यक है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 सक्षम अधिकारियों को उपद्रव या संभावित खतरे जैसी कानून में निर्धारित परिस्थितियों में तत्काल निवारक आदेश जारी करने की शक्ति प्रदान करती है। गंभीर सुरक्षा संबंधी परिस्थितियों में ऐसे उपाय आवश्यक हो सकते हैं, लेकिन उनका आधार वास्तविक परिस्थितियाँ होनी चाहिए और उनका दायरा तथा अवधि उचित रूप से सीमित होने चाहिए। शांतिपूर्ण सभाओं के विरुद्ध व्यापक या नियमित रूप से ऐसे आदेशों का प्रयोग संवैधानिक स्वतंत्रताओं को कमजोर कर सकता है। एक अन्य चिंता प्रतिबंधों के असमान और पक्षपातपूर्ण प्रयोग की है। यदि प्रदर्शन की अनुमति देने या रोकने के नियम राजनीतिक विचारधारा अथवा प्रदर्शनकारियों की पहचान के आधार पर अलग-अलग लागू किए जाते हैं, तो लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का विश्वास कमजोर होता है। सरकार की नीतियों की आलोचना को अपने आप राष्ट्र-विरोध या राज्य के प्रति शत्रुता नहीं माना जाना चाहिए। किसी प्रदर्शन की माँगों से असहमत होना नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों को समाप्त करने का आधार नहीं हो सकता।

वर्तमान परिस्थितियों में भारत को सार्वजनिक प्रदर्शनों के प्रति अधिक पारदर्शी और सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। अनुमति देने की प्रक्रिया सरल, निष्पक्ष और समयबद्ध होनी चाहिए। प्रशासन को प्रदर्शनों के लिए उपयुक्त स्थान उपलब्ध कराने चाहिए तथा अस्पतालों, आपातकालीन मार्गों और आवश्यक सार्वजनिक सेवाओं तक पहुँच सुनिश्चित करनी चाहिए। मार्ग, समय और भीड़ प्रबंधन से संबंधित विवादों को सुलझाने के लिए प्रदर्शन आयोजकों, पुलिस और स्थानीय प्रशासन के बीच संवाद को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

शून्य दशमलव शून्य

हमारे मुल्क में अगर किसी दफ्तर की दीवार पर डिजिटल इंडिया का बोर्ड टंगा हो और नीचे बैठे बाबू की मेज पर लाल चाय की प्याली रखी हो तो समझ लीजिए कि क्रांति रास्ते में है। उस रोज भी सुबह पौने नौ बजे बाल विकास मंत्रालय के वातानुकूलित कमांड रूम में क्रांति का सायरन बज उठा। किसी चमचमाते एल्गोरिदम ने पकड़ लिया कि सेक्टर चौदह के एक आंगनवाड़ी केंद्र में किसी बच्चे का वजन पिछले तीन महीनों से पूरे बारह किलो पर फ्रीज कैसे है। साहिबान की पेशानी पर पसीना इसलिए नहीं आया कि बच्चा बीमार था बल्कि इसलिए आया कि जिले के साहब बहादुर को कुपोषण मुक्ति में निन्यानवे दशमलव आठ परसेंट कामयाबी का राष्ट्रीय मोमेंटो मिलने वाला था। अब अगर एक भी बच्चा कुपोषण की लिस्ट में अटक जाता तो पूरे जिले की डिजिटल साख का कचूमर निकल जाता। आनन फानन में जीपीएस वाले टैबलेट और स्मार्ट ब्लूटूथ तराजू लेकर जांच टीम धूल उड़ाती हुई सीधे ईंट भट्ठे की तरफ रवाना कर दी गई।

ईंट भट्ठे की तपती दोपहरी में जब टीम पहुंची तो सुशीला नाम की अदना सी कार्यकर्ता हाथ जोड़े खड़ी मिली। इस व्यवस्था का असली मजा यही है कि योजनाएं दिल्ली की ठंडी हवा में बनती हैं और उनकी बलि भट्ठे की गर्म राख में नीचे वाला कर्मचारी देता है। अफसर ने रौब से पूछा कि वजन का खेल क्या है तो सुशीला ने थरथराते हुए राज खोल दिया। दरअसल ऊपर से सख्त हुक्म था कि जिला हर हाल में हरा दिखना चाहिए और अगर वजन कम दर्ज हुआ तो मानदेय काट लिया जाएगा। सो सुशीला हर महीने तराजू पर दो चार ईंटें रखकर बटन दबा देती थी और मंत्रालय का सर्वर तालियां पीटता हुआ उस पत्थर को सुपोषित बच्चा मान लेता था। अफसर ने माथा पीटा और कहा कि अभी ऑडिट टीम आ रही है फौरन उस असली बच्चे को हाजिर करो ताकि ब्लूटूथ से रीवेरिफिकेशन किया जा सके।

पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 18अक्टूबर 2026 रविवार
सूर्योदय - 06:25सूर्यास्त 17:57
आश्विन मास शुक्ला पक्ष
राहुकाल - 16:30 से 18:00 तक
तिथि- अष्टमी
नक्षत्र-पूवार्षाढा11:20 उपरांत उत्राषाढा
योग - सुकर्मा 23:30 उपरांत धृति
करण - भद्रा
चन्द्रमा - धनु मे 17:58 पर मकर मे प्रवेश करेगा
विषेस अष्टमी पुजन
मुस्लिम मास - जमादुअव्वल 06मास तारिख

मेष- कार्यक्षेत्र में आपकी ऊर्जा और निर्णय क्षमता सराही जाएगी। व्यापार में नए सौदों से लाभ के योग बन रहे हैं।

वृषभ- प्रेम जीवन में सामंजस्य और निकटता बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं।

मिथुन- कार्यक्षेत्र में नए प्रोजेक्ट मिलने की संभावना है। व्यापार में पुराने संपर्कों से बड़ा लाभ मिल सकता है।

कर्क- दांपत्य जीवन में आपसी विश्वास और प्रेम बढ़ेगा। आय के अतिरिक्त स्त्रोत विकसित हो सकते हैं।

सिंह- भाग्य का साथ मिलेगा, रुके हुए कार्य गति पकड़ेंगे। व्यापार में विस्तार की योजनाएं सफल हो सकती हैं।

कन्या- धर्म-कर्म और आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। वित्तीय मामलों में स्थिति पहले से मजबूत होगी।

तुला- साझेदारी के कामों में सफलता और लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा, मन में प्रसन्नता रहेगी।

वृश्चिक- व्यापार में ग्राहकों की आवाजाही बढ़ने से मुनाफा होगा। स्थिति सुदृढ़ होगी।

धनु- रचनात्मक और बौद्धिक कार्यों में बड़ी सफलता मिलेगी।

मकर- व्यापारिक निर्णयों में आपकी दूरदर्शिता काम आएगी। संतान पक्ष से कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

कुंभ- आर्थिक लाभ के नए अवसर सामने आएंगे। मानसिक शांति और शारीरिक ऊर्जा बनी रहेगी।

मीन- आपकी मीठी वाणी से कार्यस्थल पर काम आसान होंगे। व्यापार में रुका हुआ धन वापस मिलने के योग हैं।

समसामयिक

नवरात्रि धरती और अम्बर के मिलन गर्भ उत्पत्ती माँ शक्ति का प्रतीक

विचारों के शब्द सागर की धाराओं से मंथन करते हद्रय तट पर एक अनमोल तथ्य सामने है कि नवरात्रि तो धरती अंबर के मिलन के साथ गर्भ नवधारण नवजीवन उत्पत्ति का प्रतीक भी है।इसी माह यज्ञ दान तप कर्म त्याग और पवित्र धार्मिक अनुष्ठान किए जाने को ही क्यों प्रासंगिक



सचिन नागर गुरु (दैनिक अवन्तिका)

किया हुआ है।उसमें भी ऋषि-मुनियों ने वैज्ञानिक सार तथ्य को छोड़कर कहीं ना कहीं मानव जाति के लिए सहायक विधान बनाए हुए हैं। लेकिन फिर भी कहीं ना कहीं समझने में तो कमी रही जाती है। यही जान लीजिए इन दिनों बरसात के मौसम में अंबर से बरसती अमृत जल धाराओं की बूंदों से बंजर जमीन धरती भी अंकुरित फल फूल हरियाली से शोभित होने लगती है। इसमे धरती के सोलह श्रृंगार आंखों में मनोहारी प्रफुल्लित वातावरण निर्मित कर वन नए दुल्हन सा सजकर धरती पर जीवन और सभी प्राणियों के उत्सव की वजह बन जाते हैं। नवरात्रि के पावन दिन यज्ञ तप त्याग धर्म-कर्म परिवार सुरक्षा बहु बेटी माता बहन पत्नी कन्या नारी सुरक्षा के धर्म तपस्या कर विधान करने योग्य और वन धरती गगन शक्ति के आभार मे गरबा विधान हैं। प्रमाण हमें संस्कृत के लिखे मंत्रों में भी मिल जाया करते हैं।

यज्ञदानतपः कर्म न त्याज्यं कार्यमेव तत।

यज्ञ दान तपश्र्वैव पावनानि मनीषिणाम।

तात्पर्य धर्म ग्रंथों के प्रमाणों को पढ़कर ही समझा जा सकता है। अर्थात यज्ञ दान और तपस्या कर्म त्याग करने योग्य नहीं है।वह तो कर्तव्य है।क्योंकि यज्ञ दान और तप यह तीनों ही कर्म बुद्धिमान पुरुषों को ही पवित्र करने वाले होते हैं। भगवान राम नौ दिन के युद्ध के बाद विजयदशमी को माता सीता से एक साल विरह के बाद मिले थे। ऐसे में यह पावन पर्व नारी शक्ति के आभार कन्या के पूजन और पवित्रता के बंधनों का दर्पण भी कहा गया है।

गरबा : माँ की आराधना का पावन माध्यम है, मर्यादा के प्रति रहे सतर्क

नवरात्रि माँ दुर्गा की आराधना, शक्ति की उपासना और आत्मशुद्धि का पावन पर्व है। यह



पं.रामगोपाल शर्मा (दैनिक अवन्तिका)

पर्व हमें शक्ति अर्जित करने, आत्मबल बढ़ाने तथा अपनी श्रद्धा और भक्ति को सार्थक बनाने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर प्रत्येक भक्त अपनी श्रद्धा और सामर्थ्य के अनुसार माँ की उपासना करता है। कोई पूजा-अनुष्ठान करता है, कोई तप एवं साधना में लीन रहता है, तो कोई गरबा और डांडिया के माध्यम से माँ की आराधना करता है।



गरबा केवल नृत्य नहीं, बल्कि माँ आदिशक्ति के प्रति श्रद्धा, समर्पण और सामूहिक भक्ति की अभिव्यक्ति है। इसकी परंपरा में हमारी संस्कृति, आस्था और आध्यात्मिक चेतना का सुंदर समन्वय दिखाई देता है।

लेकिन वर्तमान समय में कुछ स्थानों पर गरबा आयोजनों के दौरान अशोभनीय गीतों, फूहड़ संगीत और अनावश्यक अंग-प्रदर्शन जैसी प्रवृत्तियाँ देखने को मिलती हैं। जब माँ की आराधना के इस पावन अवसर पर भक्ति की जगह प्रदर्शन और मनोरंजन को प्राथमिकता दी जाने लगती है, तब पर्व की मूल भावना और सांस्कृतिक गरिमा पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है।

यह विचारणीय है कि जिस पर्व पर हम माँ दुर्गा की शक्ति, मयार्दा और पवित्रता का स्मरण करते हैं, उसी पर्व के आयोजनों में हमारी प्रस्तुतियाँ भी श्रद्धा, शालीनता और सांस्कृतिक मूल्यों के अनुरूप होनी चाहिए।

हमारा उद्देश्य किसी की व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर प्रश्न उठाना नहीं, बल्कि गरबा की मूल भावना, धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं का सम्मान बनाए रखना है। आधुनिकता और उत्साह का स्वागत अवश्य होना चाहिए, लेकिन अपनी सांस्कृतिक पहचान और धार्मिक मयार्दाओं की कीमत पर नहीं।

आयोजकों से विशेष आग्रह

गरबा एवं डांडिया आयोजनों के आयोजकों को इस दिशा में विशेष ध्यान देना चाहिए। वे ऐसे गीतों, संगीत और प्रस्तुतियों को प्रोत्साहित करें, जिनमें माँ की भक्ति, शक्ति की महिमा और भारतीय संस्कृति की गरिमा प्रतिबिंबित हो। साथ ही, प्रतिभागियों को भी यह समझना चाहिए कि गरबा केवल उत्सव नहीं, बल्कि माँ के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का माध्यम है।

आइए, हम सब मिलकर संकल्प लें कि नवरात्रि के इस पावन पर्व को भक्ति, साधना, शालीनता और सांस्कृतिक चेतना का उत्सव बनाएँ। गरबा की परंपरा को उसकी आध्यात्मिक गरिमा के साथ आगे बढ़ाएँ, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ियाँ भी इस पर्व के वास्तविक महत्त्व को समझ सकें।

माँ की आराधना में उत्साह हो, नृत्य में उल्लास हो, संगीत में भक्ति हो और प्रत्येक प्रस्तुति में भारतीय संस्कृति का सम्मान हो। यही गरबा की वास्तविक सुंदरता और नवरात्रि की सच्ची भावना है ।

इन्दौर मंडी भाव

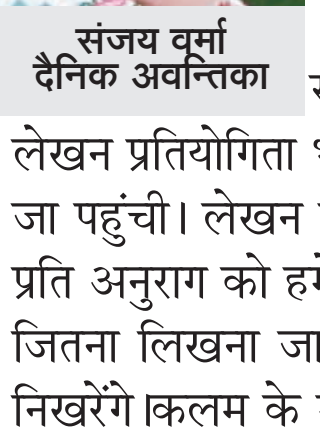
चना कांटा 7000 से क्वालिटी 2750 से 2800 लोकवन 7050 विशाल 6950 से 6950 3100 से 3150 पूर्णा 2950 से डंकी चना 6200 से 6500 मसूर 3000 मालवराज 2850 से 2900 6000 महाराष्ट्र सफेद 8700 मक्का 2500 से 2525 चना से 8900 महाराष्ट्र लाल 1000 दाल 8500 से 8600 मीडियम से 9200 कर्नाटक 9100 से 8800 से 8900 बेस्ट 9400 9300 निमाड़ी तुअर 7000 से से 9600 तुअर दाल 8700 से '8200 मूंग बेस्ट गर्मी 7900 से 8800 मीडियम 9700 से 9800 8000 मूंग बेस्ट बोल्ड 8100 से बेस्ट 11100 से 11400 एक्स्ट्रा 8200 मोगर 5500 से 7200 बेस्ट 12200 से 12400 ब्रांडेड उड़द बोल्ड 9400 से 9700 उड़द 13800 मूंग दाल 9500 से 9600 गर्मी 9000 से 9400 ग्रेविटी क्लीन बेस्ट 9700 से 9800 मूंग मोगर 9500 से 10000 हल्का उड़द 11500 से 11600 बेस्ट 11700 4000 से 6000 काबुली डॉलर से 11800 उड़द दाल 11200 से 8300 से 10000 काबुली रशियन 11300 बेस्ट 11400 से 11500- 6800 से 7100 बिटकी 6500 से उड़द मोगर 12200 से 12400 6700 सरसों निमाड़ी 8300 रायडा बेस्ट 12600 से 12900 मसूर 7100 से 7300 सोयाबीन 5600 दाल 7650 से 7750 बेस्ट 7850 टोली 5700 से 5900 गेहूं मिल से 76,50 रुपए प्रति क्विंटल।

आलू, प्याज, लहसून भाव

ज्योति नया 700 से 800 ज्योति राशन आलू 500 से 600 गुल्ला 300 से 400 रुपए प्रति क्विंटल बिका। प्याज नया 1200 से 1300 पुराना 800 से 1000 एवरेज 500 से 700 गोल्टा 300 से 400 प्रति क्विंटल रहे। लहसुन एक्स्ट्रा सुपर 15000 से 18000 देशी 13000 से 14000 एवरेज 12000 से 15000 बारीक 9000 से 10000 रुपए क्विंटल।

सुंदर अक्षर विलुप्ति की ओर

इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के जरिए लेखन भले ही सरल प्रक्रिया हो गई हो` कलम के माध्यम से जो विचार और अक्षर निखरते है उसकी बात ही कुछ और होती है। इस और ध्यान ना देने से हैंडराइटिंग खराब होने



संजय वर्मा दैनिक अवन्तिका

की वजह भी यही रही है। व्याकरण त्रुटि ना के बराबर रहती है। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का इस्तेमाल के साथ -साथ हैंडराइटिंग को भी जारी रखें क्योकि कलम से कागज पर लिखी जाने वाले लेखन विधा कम्प्यूटर युग में खो सी जाने लगी`सुन्दर अक्षरों की लिखावट के पहले अंक मिलते थे।साथ ही सुन्दर लेखन की तारीफे होती थी जो जीवन पर्यन्त तक साथ रहती थी ,स्कूलों ,विभिन्न संस्थाओं द्वारा सुन्दर लेखन प्रतियोगिता भी होती थीअब ये विधा शायद विलुप्ति की कगार पर जा पहुंची। लेखन विधा को विलुप्त होने से बचाने हेतु लेखन विधा के प्रति अनुराग को हमें जारी रखना होगा।ये लेखन एक सागर के सामान है जितना लिखना जारी रखेंगे उतने ही बेहतर विचार ,सुन्दर अक्षर और निखरेंगे।कलम के माध्यम से लेखन से नए विचारों का उदय होता। वही लेखन कला को बढ़ावा मिलता है। यदि कच्चा कार्य यानि कलम द्वारा पहले ड्राफ्ट तैयार कर टाइपिंग के लिए दिया जाता हैटाइपिंग करने वाले को सुन्दर अक्षरों के कारण अक्षर पढ़ने और टाइप करने में आसानी होकर त्रुटि रहित कार्य होता है` कहने का सार ये है कि स्पष्ट ,सुन्दर, सही व्याकरण लिखे जाने की आदत होना चाहिए।

धर्म-आस्था

जिसे संसार में आने नहीं दिया, ढूंढेंगे पूजन को घर घर जाकर

आ गई अष्टमी, आ गई नवमी। घरों में तैयारियाँ हैं, मंदिरों में घंटियों की गूँज है, माँ के दरबार सजे हैं और



वीरेंद्र हीरालाल पथरिया (दैनिक अवन्तिका)

रसोई में कन्या भोज की सुगंध फैल रही है। कहीं हलवा बन रहा है, कहीं पूड़ियाँ छन रही हैं, कहीं छोटी-छोटी बच्चियों के लिए उपहार सजाए जा रहे हैं। हर घर में एक उत्साह है, एक श्रद्धा है। लोग सुबह से ही कन्याओं को आमंत्रित करने निकल पड़ते हैं। किसी को नौ कन्याएँ चाहिए, किसी को ग्यारह, तो किसी को जितनी मिल जाएँ, उतनी ही देवी का प्रसाद मानकर पूजने की इच्छा है।

छोटी-छोटी बच्चियाँ घरों में प्रवेश करती हैं। उनके नन्हे पैरों को थाली में रखकर धोया जाता है, माथे पर तिलक लगाया जाता है, हाथ जोड़कर प्रणाम किया जाता है और प्रेमपूर्वक भोजन कराया जाता है। कुछ बच्चियाँ इस सम्मान को देखकर मुस्कराती हैं, कुछ उपहार पाकर खिलखिलाती हैं। उन्हें शायद यह भी पता नहीं होता कि आज उन्हें देवी कहा जा रहा है। वे तो बस बच्चियाँ हैं, मासूम, निश्छल और प्रेम की भूखी।

लेकिन इसी पवित्र दृश्य के बीच मन के किसी कोने में एक प्रश्न उठता है, जो उत्सव के शोर में दब जाना चाहता है। क्या आज कन्या के चरणों में झुकने वाला प्रत्येक सिर, जीवन में भी कन्या के सम्मान के सामने झुकता है?

क्या हर वह हाथ, जो आज छोटी बच्ची के पैरों को श्रद्धापूर्वक धो रहा है, कल किसी बेटी के जन्म की खबर सुनकर भी उतना ही प्रसन्न होगा? क्या हर वह परिवार, जो आज कन्या को देवी मानकर भोजन करा रहा है, अपनी बहू के गर्भ में पल रही बेटी का भी उसी उत्साह से स्वागत करेगा?

ये प्रश्न किसी एक व्यक्ति के लिए नहीं, पूरे समाज के लिए हैं। शायद हमारे लिए भी, आपके लिए भी। एक दिन देवी, बाकी दिन बोझ क्यों? हमारा समाज कितना विचित्र है! एक ओर हम माँ दुर्गा के नौ रूपों की आराधना करते हैं, कन्याओं के चरणों में सिर झुकाते हैं, उनसे आशीर्वाद माँगते हैं और दूसरी ओर आज भी कहीं-कहीं बेटी के जन्म पर घरों में उदासी छा जाती है। बेटा पैदा हो तो मिठाइयाँ बँटती हैं, ढोल बजते हैं, बधाइयाँ दी जाती हैं। बेटी जन्म ले तो कुछ चेहरों पर मुस्कान आने से पहले चिंता की रेखाएँ खिंच जाती हैं। कोई दहेज की चिंता करता है, कोई वंश का नाम आगे बढ़ाने की बात करता है, तो कोई मन ही मन यह हिसाब लगाने लगता है कि इस बच्ची के पालन-पोषण और विवाह में कितना खर्च होगा।

और इससे भी अधिक पीड़ादायक वह मानसिकता है, जो गर्भ में पल रही बच्ची को संसार देखने का अधिकार तक नहीं देना चाहती। लिंग के आधार पर भ्रूण का गर्भपात, जहाँ भी होता है, वहाँ केवल एक जीवन की संभावना समाप्त नहीं होती, बल्कि मनुष्यता के विवेक पर भी प्रश्नचिह्न लग जाता है।

अष्टमी नवमी आती आते ही वही समाज कन्या खोजने निकल पड़ता है। वही हाथ, जो बेटी के जन्म पर कभी निराशा से झुक गए थे, आज देवी के चरणों में फूल चढ़ाते हैं। वही मन, जो कभी बेटी को जिम्मेदारी समझता था, आज उसके सामने सुख-समृद्धि की प्रार्थना करता है। यह कैसी विडंबना है कि जिस बेटी के जन्म से कभी घर का आँगन उदास हो जाता है, उसी बेटी के चरणों में सुख-समृद्धि की कामना लेकर पूरा घर सिर झुकाता है! क्या हमारी आस्था इतनी कमजोर है कि वह नौ दिनों में जागती है और बाकी दिनों में सो जाती है? या हमने धर्म के बाहरी स्वरूप को इतना महत्त्व दे दिया है कि उसके भीतर छिपे जीवन-मूल्यों को ही भूल बैठे हैं?

कल्पना कीजिए, अष्टमी की सुबह है। एक व्यक्ति कन्या पूजन की तैयारी कर रहा है। उसने पूजा की थाली सजाई है, हलवा-पूड़ी बनवाई है और घर के आँगन में आसन बिछाए हैं। बच्चियाँ आती हैं। वह उनके चरण धोता है, तिलक लगाता है और श्रद्धापूर्वक भोजन कराता है। सब कुछ विधिपूर्वक हो रहा है। लेकिन अचानक उसकी दृष्टि दीवार पर लगे आईने पर पड़ती है। उस आईने में उसे अपना चेहरा दिखाई देता है। वही चेहरा, जो आज देवी के सामने विनम्र है। वही चेहरा, जिसने कभी बेटी के जन्म की संभावना पर चिंता व्यक्त की थी। वही चेहरा, जिसने किसी परिवार में बेटी पैदा होने पर अनजाने में सहानुभूति के नाम पर दुख जताया था।

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 2071-3150, चना देशी- 5901 काबली- 3350-7951, बटला- 3201, रायड़ा- 6850, मूंग- 7600, सोयाबीन- 2700-6085, मैथीदाना- 5240, सरसो- 7050-7601, तुवर- 4300, तिल्ली- 10491-11001, मावा- 300 प्रतिकिलो। मावा- 300 प्रतिकिलो। **सोना-चाँदी-** सोना-स्टेण्र्ड- 1,48,400 रवा- 1,48,800 चांदी-टंच- 2,14,500 पाट- 2,14,000।

उज्जैन किराना

अशोक कुमार भगवानदास

152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती 75 से 200, तिबार 68 से 130, पोनिया 55 से 85, टुकडी 32 से 65, शेला 36 से 38, परमल 35 से 44, तुवर दाल निमाडी 135 महाराष्ट्र 105 से 120, तुवर दाल 80 से 120, मूंगदाल 85 से 110, मोगर 95 से 120, उड़द मोगर 110 से 120, उडद दाल 95 से 100, मसूरदाल 75 से 78, चना दाल 72 से 80 ।

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।

editor.awantika@gmail.com

शाजापुर के दुपाड़ा रोड पर कार पर फेंके पत्थर

शाजापुर। शाजापुर के लालघाटी थाना क्षेत्र में दुपाड़ा रोड पर शुक्रवार रात को सतगांव से पहले मऊड़ी जोड़ के पास एक अज्ञात व्यक्ति ने दो वाहनों पर पत्थर फेंके। इस घटना में एक बोलेरो का आगे का शीशा और एक कार का पीछे का शीशा टूट गया। कार में बैठी एक महिला को हल्की चोट भी आई। घटना के बाद वाहन चालकों और यात्रियों में डर फैल गया। जानकारी के मुताबिक, दोनों वाहन शाजापुर की ओर आ रहे थे, तभी अचानक उन पर पत्थर फेंके गए। बताया जा रहा है कि दुपाड़ा रोड पर ऐसी घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं, लेकिन अब तक आरोपियों का पता नहीं चल पाया है। सूचना मिलने पर लालघाटी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने टॉर्च की मदद से आसपास के इलाके में अज्ञात व्यक्ति की तलाश की, लेकिन कोई नहीं मिला। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एनएसयूआई ने पुलिस पर लगाया दुर्व्यवहार का आरोप



शुजालपुर। शुजालपुर में एनएसयूआई ने एसडीओपी को ज्ञापन सौंपा है। यह ज्ञापन शाजापुर जिले के सरकारी कॉलेज में एनएसयूआई जिलाध्यक्ष जय सिंह कराड़ा के साथ पुलिस के कथित दुर्व्यवहार के विरोध में दिया गया। शनिवार को एसडीओपी शुजालपुर के कार्यकर्ताओं ने एनएसयूआई निमिष देशमुख को उनके ऑफिस में ज्ञापन सौंपा और विरोध जताया। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई की मांग की। संगठन ने कहा कि शिक्षण संस्थानों में छात्रों के साथ सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित होना चाहिए। एनएसयूआई ने मांग की कि भविष्य में शुजालपुर के किसी भी शिक्षण संस्थान में ऐसी घटना दोबारा न हो। एनएसयूआई ने साफ किया कि वह हमेशा छात्रों के सम्मान, अधिकारों और न्याय के लिए आवाज उठाता रहा है। संगठन छात्र हितों के लिए संघर्ष करेगा और उनके साथ खड़ा रहेगा।

पुलिस ने मोटरसाइकिल चोर को पकड़ा, बाइक जब्त



मक्सी। वाहन चोरी रोकने के अभियान में मक्सी पुलिस ने एक 21 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 90 हजार रुपए की चोरी की हीरो स्प्लेंडर प्लस बाइक जब्त। 16 अक्टूबर 2026 को मक्सी पुलिस सिरोलिया रोड पर वाहन चेकिंग कर रही थी। एक संदिग्ध व्यक्ति मोटरसाइकिल लेकर आया और पुलिस को देखकर भागने लगा। शक होने पर पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम अंकित गुर्जर (21), रेहली, शाजापुर का बताया। जांच में पता चला कि यह मोटरसाइकिल मक्सी थाने में दर्ज चोरी के मामले से संबंधित थी। आरोपी अंकित के खिलाफ केस दर्ज है। पुलिस उससे अन्य चोरियों की पूछताछ कर रही है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक प्रियंका शुक्ला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेंद्र तारणेकर और एसडीओपी डॉ. नागेंद्र प्रताप सिंह के निर्देश पर की गई।

जिला कलेक्टर से पूर्व पार्षद दिनेश सोलंकी ने की माँग



उन्हेल। कलेक्टर रोशन सिंह, उपस्थित एस.पी. प्रदीप शर्मा एवं प्रशासनिक अमले के उन्हेल दौरे के दौरान बृजेश मार्केट, उन्हेल में नगर की समस्या को लेकर पूर्व पार्षद दिनेश सोलंकी ने चर्चा की। उन्होंने उन्हेल बस स्टैंड 26 दुकानों एवं 30 आवासीय प्रकरणों से संबंधित तथ्यों से प्रशासन को अवगत कराते हुए मांग की कि कोई भी बेरोजगार न रहे और न ही कोई बेघर हो।

छात्रों ने कलेक्टर से की सड़क बनाने की मांग

छात्र बोले- 17 साल से इंतजार कर रहे, बारिश में कीचड़ से होती है परेशानी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ अकोदिया



अकोदिया में हायर सेकेंडरी स्कूल केवड़ाखेड़ी में पढ़ने वाले अमलावती गांव के स्टूडेंट्स ने 2 किलोमीटर लंबी कच्ची सड़क को पक्का कराने की मांग की है। शुक्रवार को अमलावती में आयोजित 'मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर' के दौरान छात्रों ने कलेक्टर डॉ. परीक्षित संजय राव झाड़े को आवेदन सौंपा। पिछले 17 सालों से गांव के लोग और बच्चे इस पक्की सड़क के बनने का इंतजार कर रहे हैं।

हर दिन अमलावती से करीब 60 से 65 बच्चे इसी कच्चे रास्ते से पैदल स्कूल का सफर तय करते हैं। बारिश के दिनों में यह सड़क पूरी तरह कीचड़ में तब्दील हो जाती है, जिससे महज दो किलोमीटर की दूरी तय करने में बच्चों को दो से ढाई घंटे का समय लग जाता है। रास्ते में जहरीले जीव-जंतुओं और दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है।

छात्रों का कहना है कि वे सरपंच से लेकर जनपद और जिला स्तर के अधिकारियों तक कई बार ज्ञापन दे चुके हैं। दो-तीन महीने पहले भी अधिकारियों को लिखित में अर्जी दी गई थी, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। थक-हारकर बच्चों ने कलेक्टर से खुद मौके पर आकर सड़क का हाल देखने और निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की है।

शिविर के दौरान उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार भी मौजूद रहे। एक किसान की पुरानी समस्या का समाधान न होने पर मंत्री ने मंच से ही एसडीएम को सख्त लहजे में फटकार लगाई। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशीलता दिखाने और तुरंत निराकरण करने के निर्देश दिए।

मौके पर बांटे आयुष्मान कार्ड और लाड़ली लक्ष्मी योजना के चेक

शिविर की शुरूआत कन्या पूजन और दीप प्रज्वलन से हुई। इसके बाद कलेक्टर ने आए हुए आवेदनों की जांच कर कई मामलों का मौके पर ही निपटारा किया। पात्र लोगों को प्रधानमंत्री आयुष्मान कार्ड, लाड़ली लक्ष्मी योजना के चेक और किसान कल्याण योजना के स्वीकृति पत्र बांटे गए। मंत्री परमार ने कहा कि सरकार की मंशा के तहत हर शुक्रवार को ये शिविर लगाए जा रहे हैं ताकि ग्रामीणों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें।

नातरा और झगड़ा प्रथा जैसी कुरीतियों के कानूनी पहलुओं पर मंथन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शाजापुर

जिले में नातरा और झगड़ा प्रथा जैसी पुरानी सामाजिक कुरीतियों को खत्म करने तथा इनसे उपजे विवादों के कानूनी पहलुओं को समझने के लिए पुलिस कंट्रोल रूम में शोध कार्यक्रम आयोजित किया गया।

पुलिस मुख्यालय भोपाल और नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी दिल्ली से आई विशेष टीम ने स्थानीय पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर इन विषयों पर गहराई से अध्ययन किया। शोध कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में गहराई तक पैठ बना चुकी नातरा और झगड़ा प्रथा से जुड़े कानूनी पक्षों को समझना और इनसे संबंधित आंकड़े व जानकारी एकत्रित करना था।

टीम ने इन कुरीतियों के कारण होने वाले विवादों और उनके कानूनी समाधान को लेकर पुलिस के अनुभवों को भी साझा किया। इस महत्वपूर्ण शोध कार्य के लिए दिल्ली और भोपाल से विशेष टीम शाजापुर पहुंची थी। टीम में परिमल के रिसर्च एसोसिएट मोहित सोने, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (दिल्ली) की रिसर्चर हिमांशी यादव, समृद्धि सक्सेना व विनीत त्यागी के साथ-साथ पीएचक्यू भोपाल के आरक्षक ऋषि शुक्ला शामिल रहे।

5 थानों के पुलिस अधिकारी रहे मौजूद

जमीनी स्तर पर इन प्रथाओं से जुड़े मामलों की स्थिति समझने के लिए कार्यक्रम में जिले के थाना कोतवाली, महिला थाना, बेरछा, मक्सी और सुनेरा थाने के अधिकारी व कर्मचारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने शोध टीम के साथ अपने थानों में आने वाले ऐसे मामलों की व्यावहारिक जानकारी साझा की। इस पूरे शोध कार्यक्रम का सफल समन्वय नोडल अधिकारी एवं उप निरीक्षक (एसआई) जया सुनेरी के मार्गदर्शन में किया गया। इस शोध के निष्कर्ष भविष्य में इन सामाजिक कुरीतियों से निपटने के लिए कानूनी रणनीति बनाने में मददगार साबित होंगे।

लापरवाही बरतने वाले तीन पंचायत सचिव निलंबित

सारंगपुर। राजगढ के जिला पंचायत सीईओ इच्छित गडपाले ने स्पष्ट शब्दों में ताकीद की है कि जिन ग्राम पंचायतों में निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप करों की वसूली नहीं की जाएगी। इसी कड़ी में प्रशासनिक निदेशों की अवहेलना और वसूली में घोर लापरवाही बरतने पर जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सारंगपुर जनपद की तीन ग्राम पंचायतों के सचिवों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई 14 अक्टूबर को आयोजित जनपद स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान ली गई।



अस्पताल के वेस्ट रूम में लगी आग से पुराने टायर और अन्य सामान जले

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शाजापुर

शाजापुर के जिला अस्पताल परिसर स्थित मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केंद्र बिल्डिंग के पीछे बने वेस्ट रूम में आग लग गई। कमरे में रखे पुराने टायर और अन्य बेकार सामान जल गए। अस्पताल कर्मचारियों ने समय रहते आग पर काबू पा लिया, जिससे बड़ा नुकसान होने से बच गया।

जानकारी के अनुसार, एमसीएच बिल्डिंग के पीछे वेस्ट रूम में अचानक आग लगने से वहां हलचल मच गई। कमरे में पुराने वाहनों के टायर सहित कई अनुपयोगी चीजें रखी थीं, जिनमें आग लग गई थी। घटना की जानकारी मिलते ही स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और अस्पताल के फायर फाइटिंग सिस्टम की मदद से आग बुझाने में जुट गए।

कर्मचारियों ने कुछ ही देर में आग पर नियंत्रण कर लिया। बताया गया कि वेस्ट रूम के पास ही जैविक कचरा प्रबंधन (बायोमेडिकल वेस्ट) का इलाका भी है। अगर आग समय पर नहीं बुझाई जाती, तो लपटें वहां तक पहुंच सकती थीं और हालात बिगड़ सकते थे। कर्मचारियों की सतर्कता से आग फैलने से रुक गई।

शुजालपुर के टीटवास में 2 दिन में 158 कृष्णमृग का रेस्क्यू

अब तक 537 कूनो भेजे, किसी वन्यजीव को चोट नहीं

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शुजालपुर



शाजापुर जिले में कृष्णमृग रेस्क्यू अभियान 17 अक्टूबर को भी जारी रहा। फसलों को नुकसान और मानव-वन्यजीव टकराव रोकने के लिए यह चलाया जा रहा है। शुजालपुर के टीटवास गांव में शनिवार को 49 कृष्णमृग रेस्क्यू किए गए।

शुक्रवार को इसी जगह से 109 कृष्णमृग बचाए गए थे। इस तरह टीटवास में दो दिन में कुल 158 कृष्णमृग रेस्क्यू हुए। 9 अक्टूबर से शुरू हुए अभियान में अब तक 537 कृष्णमृगों को सुरक्षित कूनो भेजा जा चुका है।

अभियान की खासियत है कि रेस्क्यू के दौरान किसी वन्यजीव को चोट नहीं लगी। वन विभाग और विशेषज्ञ बिना छुए या इंजेक्शन लगाए 'बोमा पद्धति' से इन्हें बचा रहे हैं। इसमें 'वी' आकार का घेरा बनाकर वन्यजीवों को धीरे-धीरे उसमें लाया जाता है। बचाए गए कृष्णमृगों को कूनो अभयारण्य भेजा जा रहा है। वन विभाग का लक्ष्य दूसरे चरण में 2,000 कृष्णमृगों को स्थानांतरित करना है।

शाजापुर जिले के शुजालपुर और कालापीपल क्षेत्र में कृष्णमृगों की बड़ी संख्या के कारण किसानों की फसलों को नुकसान होने की समस्या सामने आती रही है। इसे कम करने और मानवजन्यवन्यप्राणी द्वंद्व रोकने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश में लगातार दूसरे वर्ष यह अभियान चलाया जा रहा है।

विशेषज्ञों की देखरेख में अभियान

अभियान में दक्षिण अफ्रीका की विशेषज्ञ संस्था कंजर्वेशन सॉल्यूशंस का तकनीकी सहयोग मिल रहा है। प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए वन्यप्राणी चिकित्सक, वन अधिकारी और प्रशिक्षित मैदानी कर्मचारी रेस्क्यू, देखभाल और सुरक्षित परिवहन की प्रक्रिया में जुटे हैं। वन्यजीवों को सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने के साथ किसानों की फसलों को होने वाले नुकसान में कमी लाना इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य है।

पतोली के शामावि को मिले दो नए कंप्यूटर सेट

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शाजापुर

शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समीपस्थ ग्राम पतोली स्थित शासकीय माध्यमिक विद्यालय में एक प्रेरणादायी पहल देखने को मिली है। विद्यालय के संस्था प्रधान एवं शिक्षक लोकेश राठौर ने शाला संवर्धन अभियान के तहत अपने निजी सहयोग से विद्यालय को दो कंप्यूटर सेट सहर्ष भेंट किए हैं। यह आयोजन बीआरसीसी योगेश भावसार के मार्गदर्शन और सरपंच दिलीपसिंह चावड़ा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। शिक्षक लोकेश राठौर के इस पुण्यार्थ एवं उदार कार्य से विद्यालय के विद्यार्थियों और ग्रामीणों में अभूतपूर्व उत्साह का वातावरण है। विद्यालय को कंप्यूटर मिलने से अब प्राथमिक स्तर के नन्हें-मुन्ने बच्चे बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान शिक्षण को ऑडियो-विजुअल माध्यमों के जरिए खेल-खेल में अधिक प्रभावी ढंग से सीख सकेंगे। वहीं दूसरी ओर, माध्यमिक स्तर के छात्र-छात्राओं को व्यावहारिक कंप्यूटर ज्ञान और आधुनिक तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने का सीधा अवसर मिलेगा, जो उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव को मजबूत करेगा। इस दौरान जनशिक्षक मयंक चौरसिया, शिक्षक अजरा खान, रमेश चंद्र मालवीय मौजूद रहे।

ग्राम पंचायत पतोली के सरपंच दिलीप सिंह चावड़ा और शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष बजेसिंह चावड़ा की अगुवाई में शुरू किए गए शाला संवर्धन कार्यक्रम के तहत समुदाय को सीधे तौर पर शाला विकास से जोड़ा जा रहा है, ताकि विद्यालय में आवश्यक सुविधाओं और संसाधनों की कोई कमी न रहे।

जाहिर सूचना

मेरे पक्षकार एच.डी.एफ.सी.बैंक लिमिटेड बी-13/3 प्रथम मंजिल महाकाल वाणिज्य कैन्द्र नानाखेड़ा उज्जैन म.प्र. की ओर से सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि भूखण्ड/भवन नवीन क्रमांक 112, (पुराना क्रमांक 128) स्थित मनीपार्क वे कॉलोनी आगर रोड़ उज्जैन म.प्र में स्थित है। जिसका कुल क्षेत्रफल 139.53 वर्गमीटर है। जिसके पूर्व मे - कॉलोनी का रोड़, पश्चिम मे - भूखण्ड क्रमांक 129, उत्तर मे- भूखण्ड क्रमांक 113 एवं दक्षिण मे- भूखण्ड क्रमांक 111 स्थित है। उक्त सम्पत्ति मनीला गुप्ता पति श्री कुलदीप गुप्ता एवं नेहा देशमुख पति श्री गौरव देशमुख ने इसके पूर्वस्वामी नितिन पिता राजमल से रजिस्टर्ड विक्रय पत्र क्रमांक एमपी432022025ए1251836 दिनांक 30/03/2025 के माध्यम से क्रय कि। एवं उक्त संपत्ति को मनीला गुप्ता एवं नेहा देशमुख ने विक्रय करने का अनुबंध शीला जैन पति अनिल कुमार जैन एवं महक जैन पिता अनिल कुमार जैन से किया है एवं शीला जैन तथा महक जैन द्वारा उक्त संपत्ति पर ऋण प्राप्त करने हेतु एच.डी.एफ.सी.बैंक लिमिटेड उज्जैन में आवेदन किया है तथा मेरे पक्षकार उक्त सम्पत्ति को बंधक कर ऋण प्रदान करने जा रहे हैं। तथा पक्षकार की जानकारी के अनुसार पूर्व का संशोधन पत्र क्रमांक एमपी432022016ए1511804 दिनांक 02/09/2016 का कही गुम हो गया है, अतः सूचित किया जाता हैं कि उक्त सम्पत्ति में अन्य किसी का कोई हक, हित, हिस्सा, अधिकार आदि हो या उक्त सम्पत्ति पर किसी बैंक, व्यक्ति, प्राइवेट संस्था, पैढी आदि का कोई ऋणभार हो या लेना-देना बकाया हो या उक्त सम्पत्ति के स्वामित्व या कब्जे के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति हो या कोई विवाद हो या परिवार के किसी सदस्य को आपत्ति हो तो वह इस जाहिर सूचना के प्रकाशन के दिनांक से सात दिवस की अवधि के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति मय लेखी प्रमाण के विधिवत रूप से मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करें। ताकि उसका उचित निराकरण करवाया जा सकें। उक्त अवधि में कोई आपत्ति नहीं आने पर एच.डी.एफ.सी.बैंक लिमिटेड उज्जैन द्वारा उक्त सम्पत्ति पर ऋण स्वीकृत करने हेतु आगामी कार्यवाही की जावेगी। तथा ऋण स्वीकृत किया जाने की दशा में उक्त सम्पत्ति पर प्रथम ऋण भार एच.डी.एफ.सी.बैंक लिमिटेड उज्जैन का रहेगा। बाद में किसी भी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी। सूचित हो।

तेजपाल परिहार एडवोकेट
ऑफिस क्रमांक 11, भवन क्रमांक
87/3 तुलसी कॉम्प्लेक्स विक्रम मार्ग टॉवर चौराहा
फ्रीगंज, उज्जैन मोबाइल न. 9301860352

जाहिर सूचना

मेरे पक्षकार Truhome (श्रीराम हाउसिंग) फायनेंस लिमिटेड कार्यालय दुसरी मंजिल ए 6/3 महांकाल वाणिज्य केन्द्र नानाखेडा उज्जैन म.प्र. की ओर से सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि भूखण्ड जो भूमि सर्वे क्रमांक 1506/2 का भाग होकर शहीद नगर मकोड़िया आम आगर रोड़ उज्जैन तहसील व जिला उज्जैन म.प्र. में स्थित है। जिसका कुल क्षेत्रफल 55.77 वर्गमीटर है। जिसके पूर्व में- भूमि कैलाशचंद्र भैरासी जो वर्तमान भवन दुर्गा जाटवा का, पश्चिम मे- भूमि भेरूलाल जो वर्तमान भवन खेमचंद्र पिता रामप्रसाद, उत्तर मे- रोड़, दक्षिण में- गली स्थित है। उक्त संपत्ति दिलीपसिंह पिता गोपाल सिंह ने इसके पूर्वस्वामी कल्याणसिंह पिता गोपालसिंह से रजिस्टर्ड विक्रय पत्र क्रमांक एमपी432022018ए1389352 दिनांक 05/06/2018 के माध्यम से प्राप्त कि। एवं दिलीपसिंह का स्वर्गवास दिनांक 01/01/2026 को हो जाने के पश्चात उक्त संपत्ति के स्वामी सीमाबाई पति दिलीपसिंह एवं पुत्रगण अमन दिक्षित व विशाल दिक्षित हुए। तथा सीमाबाई आदि ने उक्त संपत्ति को विक्रय करने का अनुबंध बरखा पति मनोज मारू से किया है एवं बरखा मारू ने उक्त संपत्ति पर ऋण प्राप्त करने हेतु Truhome (श्रीराम हाउसिंग) फायनेंस लिमिटेड उज्जैन में आवेदन किया हैं तथा मेरे पक्षकार उक्त सम्पत्ति बंधक करने जा रहे हैं, अतः सूचित किया जाता हैं कि यदि उक्त सम्पत्ति में अन्य किसी का कोई हक, हित, हिस्सा, अधिकार आदि हो या उक्त सम्पत्ति पर किसी बैंक, व्यक्ति, प्राइवेट संस्था, पैढी आदि का कोई लेना-देना बकाया हो या उक्त सम्पत्ति के स्वामित्व या कब्जे के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह इस जाहिर सूचना के प्रकाशन के दिनांक से सात दिवस की अवधि के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति मय लेखी प्रमाण के विधिवत रूप से मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करें। ताकि उसका उचित निराकरण करवाया जा सकें। उक्त अवधि में कोई आपत्ति नहीं आने पर Truhome (श्रीराम हाउसिंग) फायनेंस लिमिटेड उज्जैन द्वारा उक्त सम्पत्ति पर ऋण स्वीकृत करने हेतु आगामी कार्यवाही की जावेगी। तथा ऋण स्वीकृत किया जाने की दशा में उक्त सम्पत्ति पर प्रथम ऋण भार Truhome (श्रीराम हाउसिंग) फायनेंस लिमिटेड उज्जैन का रहेगा। बाद में किसी भी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी । सूचित हो ।

तेजपाल परिहार एडवोकेट
ऑफिस क्रमांक 11, भवन क्रमांक
87/3 तुलसी कॉम्प्लेक्स विक्रम मार्ग टॉवर चौराहा
फ्रीगंज, उज्जैन मोबाइल न. 9301860352



माता टेकरी पर 24 घंटे में 3 लाख भक्त पहुंचे, एबी रोड के कट बंद कर आगे बढ़ाया

देवास। देवास की माता टेकरी पर शुक्रवार रात से शनिवार सुबह तक भक्तों का भारी जमावड़ा रहा। अनुमान के मुताबिक, 24 घंटे में 3 लाख से ज्यादा भक्तों ने मां के दर्शन किए। शुक्रवार रात 8 बजे के बाद भीड़ तेजी से बढ़ी। दबाव बढ़ने पर एबी रोड के कई कट पॉइंट बंद कर दिए गए। टेकरी पर शंख द्वार पर बैरिकेडिंग लगाकर भक्तों को रोक-रोककर आगे बढ़ाया गया, ताकि भीड़ नियंत्रित रहे। एसपी पुनीत गेहलोद ने रात करीब 3 बजे माता टेकरी के रास्तों और एबी रोड पर ट्रैफिक व्यवस्था का जायजा लिया। नायब तहसीलदार कपिल गुर्जर और हरिओम ठाकुर सहित प्रशासन की टीमें लगातार निगरानी करती रहीं और जरूरत के हिसाब से व्यवस्थाओं में बदलाव किए।

मोदी ने एशियन गेम्स में कांस्य जीतने वाले जय की पीठ थपथपाई, कहा-मेहनत करते रहिए



देवास। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एशियन गेम्स में सॉफ्ट टेनिस का कांस्य पदक जीतने वाले देवास के खिलाड़ी जय मीणा से मुलाकात की। नई दिल्ली के मेजर ध्यानचंद नेशनल हॉकी स्टेडियम में हुई इस मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री ने जय की पीठ थपथपाकर उनका उत्साह बढ़ाया। प्रधानमंत्री ने जय मीणा से कहा, ह्लऐसे ही मेहनत करते रहिए और देश का नाम रोशन करिए।ह्व पीएम के इन शब्दों से जय का हौसला बढ़ा। जय ने प्रधानमंत्री को सॉफ्ट टेनिस का रैकेट और बॉल भेंट की। उन्होंने खिलाड़ियों को सम्मान देने और उनका उत्साह बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताया। कार्यक्रम में खेल मंत्री, भारतीय ओलिंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। एशियन गेम्स में कांस्य पदक जीतकर जय मीणा ने देश और देवास का नाम रोशन किया है।

कन्नौद गरबा प्रतियोगिता में खंडवा मंडल बना विजेता, 40 हजार रुपये का इनाम मिला



खातेगांव। कन्नौद के मां गिरिजेश्वरी धाम पर बेहड़ा बाबा नवदुर्गा उत्सव समिति ने गरबा प्रतियोगिता कराई। संस्था भगवन और राधे ने सहयोग किया। 12 टीमों ने पारंपरिक वेशभूषा में गरबा प्रस्तुतियां दीं। यह आयोजन सुबह 4 बजे तक चला, जिसमें बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद थे। प्रतियोगिता में खंडवा की आरजेएस गरबा मंडल पहले स्थान पर रही, जिसे 40 हजार रुपए का इनाम मिला। नवरंग गरबा मंडल ने दूसरा स्थान हासिल किया और 21 हजार रुपए जीते। कन्नौद की मां नर्मदा गरबा मंडल तीसरे नंबर पर रही, उसे 13 हजार रुपए दिए गए। इटारसी की नृत्य गरबा मंडल को चौथा स्थान मिला और 11 हजार रुपए दिए गए। पुनासा गरबा मंडल पांचवें नंबर पर रही, उसे 10 हजार रुपए मिले। दलजीतसिंह कांटाफोड़, अवधेश राठौर कांटाफोड़, शुभम वर्मा खातेगांव और सीमा शर्मा कन्नौद ने निर्णायक की भूमिका निभाई। निर्णायकों ने टीमों के नृत्य कौशल, तालमेल और वेशभूषा को देखकर नंबर दिए। कार्यक्रम में मप्र पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वित्त विकास निगम के अध्यक्ष रवि मालवीया मुख्य अतिथि थे। विधायक आशीष शर्मा विशेष अतिथि शामिल हुए।

प्रतिनिधि मंडल ने की केंद्रीय मंत्री सिंधिया से मुलाकात



सारंगपुर। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से भाजपा जिला उपाध्यक्ष अक्षय सक्सेना सारंगपुर के नेतृत्व में सारंगपुर के प्रतिनिधि मंडल ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं एवं नगर विकास के मुद्दो को लेकर मुलाकात की और समस्याओं के समाधान की मांग की। इस दौरान क्षेत्र की दूरसंचार व्यवस्था औ सड़क मार्ग के दुरूस्तीकरण की मांग की गई। इस पर श्रीसिंधिया ने समस्याओं को सुनकर समाधान कराने का आश्वासन दिया। इस दौरान अन्य भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार ने श्रीमती मनीषा मोर्य पति स्वर्गीय श्री विजय मोर्य, श्री अंशुल मोर्य पिता स्वर्गीय श्री विजय मोर्य, अवनी मोर्य पिता स्वर्गीय श्री विजय मोर्य निवासीगण-डीएच-20/ ए, स्कीम न. 74 इंदौर (म.प्र.) से उनके संयुक्त स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य का लीज-होल्ड राइट्स का भूखण्ड क्रमांक C-34/12 (कोर्नर) सीनियर एम आई जी जिसका कुल क्षेत्रफल 257.40 वर्गमीटर स्थित त्रिवेणी विहार आवासीय योजना, उज्जैन (म.प्र.) जिसके उत्तर/पूर्व में-45.00 मीटर सड़क, पूर्व/दक्षिण में-18.00 मीटर सड़क, दक्षिण/पश्चिम में-भूखण्ड क्रमांक C-34/13 एवं पश्चिम/ उत्तर में-भूखण्ड क्रमांक उ-34/11 पूर्ण एवं उ-34/10 का भाग है, को क्रय करने का सौदा किया होकर बयाना राशि का भुगतान कर अनुबंध पत्र का निष्पादन करवा लिया गया है यदि उक्त सम्पूर्ण भूखण्ड को विक्रय या अंतरित किए जाने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तथा उक्त संपत्ति पर किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, निकाय, शासकीय अर्धशासकीय संस्था का या स्थानीय शासन का कोई ऋण भार, बोझ, हित, अधिकार, आधिपत्य, डिक्री या वारिसान आदि का कोई हक, हित या भार हो या इस विक्रय संव्यवहार में कोई आपत्ति हो तो वह मय प्रमाण के मुझसे इस जाहिर सूचना प्रकाशन के 15 (दिवस) दिवस के भीतर सप्रमाण मुझे कार्यालयीन समय में लिखित में आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा बाद मियाद अवधि उक्त संपत्ति का विक्रय पत्र पंजीकृत करवा लिया जावेगा। तत्पश्चात कोई आपत्ति मेरे पक्षकार के हितों पर बंधनकारक नही होगी। सो सूचित हो।

दिनांक 16.10.2026

विवेक गुप्ता, एडवोकेट
11/1, घटकर्पर मार्ग, फ्रीगंज, उज्जैन म.प्र.
मोबाईल नंबर- 9827228461



कजलास के माता मंदिर परिसर में चलाया स्वच्छता अभियान

सुसनेर। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में सेवा पखवाड़े के अंतर्गत समीपस्थ ग्राम कजलास स्थित माता मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया. अभियान के दौरान मंदिर परिसर की साफ-सफाई की गई और ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए अपने आसपास स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की परामर्शदाता ज्योति बैरागी, बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू के विद्यार्थी, प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष, सचिव, सदस्यगण एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। अभियान के माध्यम से धार्मिक स्थलों एवं सार्वजनिक स्थानों पर साफ-सफाई बनाए रखने और स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया गया।

खेत पर काम करते समय झूलते बिजली के तार की चपेट में आया किसान, मौत

सुसनेर। देर शाम खेत पर काम कर रहे खोयरिया निवासी प्रेमसिंह की करंट लगने से मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रेमसिंह खेत पर काम कर रहे थे, तभी वे झूलते हुए बिजली के तार की चपेट में आ गए। करंट लगने से उनकी हालत गंभीर हो गई। परिजन उन्हें तत्काल सिविल अस्पताल सुसनेर लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। शुक्रवार सुबह सिविल अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम किया गया। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है।

बाइक हादसे में दो युवक घायल, जिला अस्पताल रेफर

सुसनेर। जीरापुर रोड स्थित गेलाना के समीप बाइक हादसे में दो युवक घायल हो गए। जानकारी के अनुसार अमन पिता गोपाल सोनी (25) निवासी सुसनेर और मोहित पिता महेश चौहान निवासी सुसनेर हादसे में घायल हुए। दोनों को उपचार के लिए सिविल अस्पताल सुसनेर लाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हादसा किन परिस्थितियों में हुआ, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है।

कृषि उपज मंडी में चार दिन नीलामी कार्य बंद रहेगा

महिदपुर। त्योहारों के चलते कृषि उपज मंडी महिदपुर में 18 से 21 अक्टूबर 2026 तक चार दिन नीलामी कार्य बंद रहेगा। मंडी सचिव प्रीतमसिंह चौधरी ने बताया कि 18 अक्टूबर को साप्ताहिक अवकाश, 19 अक्टूबर को महानवमी, 20 अक्टूबर को दशहरा पर्व का शासकीय अवकाश तथा 21 अक्टूबर को व्यापारी संघ के आवेदन पर नीलामी कार्य बंद रहेगा। मंडी सचिव ने किसान भाइयों से अपील की है कि वे अवकाश के दिनों में अपनी कृषि उपज मंडी प्रांगण में लेकर न आएं।

ट्रस्ट के राजेश जैन अध्यक्ष एवं हेमंत वेदमुथा बने महामंत्री

मक्सी। मालवा के प्रसिद्ध तीर्थ श्री मक्सी पार्श्वनाथ स्थित श्री



राज राजेंद्रसूरी गुरु ज्ञान मंदिर ट्रस्ट मंडल की बैठक इंदौर में संपन्न हुई। बैठक में तीर्थ के विकास, व्यवस्थाओं एवं आगामी कार्ययोजनाओं से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। द्विशताब्दी गुरुराज स्पर्श चातुर्मास के अंतर्गत विराजित गच्छाधिपति परम पूज्य आचार्य श्रीमद् विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी महाराज साहेब एवं वरिष्ठ मुनिराज श्री विद्वदरत्न विजयजी महाराज साहेब ने अपने श्रीमुख से नवीन ट्रस्ट मंडल की घोषणा की। घोषणा के अनुसार, इंदौर के सुप्रसिद्ध समाजसेवी राजेश जैन युवा को ट्रस्ट मंडल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। वहीं, मक्सी निवासी हेमंत वेदमुथा को महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई।

शक्ति की साधना, श्रद्धा की आराधना और आध्यात्मिक चेतना के जागरण का महापर्व

शारदीय नवरात्र में अष्टमी-नवमी का विशेष संयोग, 20 को विजयादशमी का महापर्व

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सारंगपुर।

शक्ति की साधना, श्रद्धा की आराधना और आध्यात्मिक चेतना के जागरण का महापर्व शारदीय नवरात्र इस वर्ष अपने विशिष्ट तिथि-क्रम के कारण विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। आश्विन शुक्ल पक्ष की अष्टमी और नवमी तिथियों के एक ही दिन पड़ने से महाष्टमी एवं महानवमी के पूजन-अनुष्ठानों को लेकर श्रद्धालुओं में उत्सुकता है। 19 अक्टूबर को अष्टमी-नवमी के तिथि-संयोग के बीच विभिन्ना धार्मिक अनुष्ठान संपन्ना होंगे, जबकि मंगलवार, 20 अक्टूबर को विजयादशमी अर्थात दशहरे का महापर्व मनाया जाएगा। देवी आराधना के इस विशेष क्रम में तिथि-विधान, कुलाचार और शास्त्रीय मान्यताओं का समुचित समन्वय विशेष महत्त्व रखेगा।

खेड़ापति हनुमान मंदिर के पुजारी पं पवन ब्रज जगदीश पारीक ने बताया कि पंचांग गणना के अनुसार, आश्विन शुक्ल अष्टमी तिथि 18 अक्टूबर को प्रातः लगभग 8:27 बजे प्रारंभ होकर 19 अक्टूबर को प्रातः लगभग 10:51 बजे तक रहने का विवरण दिया जा रहा है। इसके पश्चात नवमी तिथि प्रारंभ होकर 20 अक्टूबर को दोपहर लगभग 12:50 बजे तक रहेगी। इस तिथि-क्रम के कारण 19 अक्टूबर



को अष्टमी के समापन और नवमी के प्रारंभ का विशेष संयोग बनेगा। ऐसी परिस्थितियों में देवी पूजन, व्रत, हवन, कन्या पूजन और पारण का निर्णय केवल सामान्य प्रचलन के आधार पर नहीं, बल्कि संबंधित धार्मिक कृत्य के शास्त्रीय विधान तथा प्रमाणित पंचांग के अनुसार किया जाना चाहिए। तिथि की वृद्धि, क्षय अथवा एक ही दिन में दो तिथियों के संयोग की स्थिति में अलग-अलग पूजन-विधानों के लिए तिथि-निर्णय भिन्न हो सकता है। अतः श्रद्धालुओं को अपने क्षेत्र के प्रामाणिक पंचांग और धर्मशास्त्र के ज्ञाता आचार्य के मार्गदर्शन का अनुसरण करना चाहिए।

नवरात्र के अंतिम चरण में कन्या पूजन, दुर्गा सप्तशती पाठ, हवन, महाआरती और प्रसादी वितरण जैसे अनुष्ठानों का विशेष महत्त्व रहता है। माँ महागौरी और माँ सिद्धिदात्री की आराधना के साथ श्रद्धालु परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य और मंगलमय जीवन की कामना करेंगे।कन्या पूजन नारी-शक्ति के सम्मान, वात्सल्य और पवित्रता का प्रतीक है। कन्याओं को देवीस्वरूप मानकर उनका पूजन, भोजन और सत्कार करना भारतीय संस्कृति में निहित मातृशक्ति के प्रति श्रद्धा को अभिव्यक्त करता है।

कुलदेवी पूजन कुल परंपरा के अनुसार करें

नवरात्र के पावन अवसर पर कुलदेवी की आराधना का विशेष महत्त्व है। प्रत्येक परिवार और कुल में पीढियों से चली आ रही अपनी विशिष्ट पूजा-पद्धति, व्रत-विधान तथा धार्मिक मान्यताएँ होती हैं। इसलिए श्रद्धालु अपनी कुलदेवी का पूजन अपने कुलाचार, पारिवारिक परंपरा और प्रचलित रीति-रिवाजों के अनुसार ही संपन्ना करें। देवी पूजन में कुल परंपरा का सम्मान और तिथि-निर्णय में शास्त्रीय प्रमाणों का अनुसरण दोनों आवश्यक हैं।



महाविद्यालय की पुरुष कबड्डी टीम जिला स्तरीय प्रतियोगिता हेतु किट वितरण के बाद रवाना

बड़नगर । शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बड़नगर में जिला स्तरीय पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेने जा रही महाविद्यालयीन टीम को किट वितरण कर प्रतियोगिता हेतु शुभकामनाओं के साथ रवाना किया गया। महाविद्यालय में आयोजित एक संक्षिप्त कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ क्रीड़ा अधिकारी डॉ. आर. के. कौरव एवं दल प्रभारी प्रो. मनोहर सिंह निंगवाल द्वारा खिलाड़ियों को किट प्रदान की गई। इस अवसर पर साहित्यकार नितेश जोशी जय ने उपस्थित होकर सभी खिलाड़ियों को अपना आशीर्वचन दिया और प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उनका उत्साहवर्धन किया। महाविद्यालय की पुरुष कबड्डी टीम 17 अक्टूबर को उज्जैन स्थित 'प्रशांती कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज' में आयोजित होने वाली जिला स्तरीय प्रतियोगिता में सहभागिता करेगी। यह दल वाणिज्य विभाग के प्रो. मनोहर सिंह निंगवाल के मार्गदर्शन एवं कुशल नेतृत्व में बड़नगर का प्रतिनिधित्व करने के लिए रवाना हो रहा है।

नर्मदा मालवा गंभीर लिंक सिंचाई परियोजना शीघ्र चालू करने की मांग का ज्ञापन सौंपा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंगोरिया



नर्मदा मालवा गंभीर लिंक परियोजना से सिंचाई हेतु किसानों को सिंचाई हेतु समय पर पानी दिए जाने की मांग किसानों ने की है। प्रति वर्ष रबी सीजन में बड़वाह पंप हाउस से अधिकारी पाईप लाईन से जल सप्लाई देर से चालू करते हैं। जिससे किसान रबी फसल की बोवनी से वंचित रह जाते हैं। शासन की इस सिंचाई परियोजना का लाभ किसानों को समय पर मिल सके इसलिए किसानों ने, जन सुनवाई से लेकर प्रशासनिक अधिकारियों को भी शिकायत की है ।

पिछले वर्ष भी 3 नवंबर को सिर्फ एक दिन पानी सप्लाई किया गया था। दिसंबर में पाईप लाईन चालू की गई। जिससे किसान गेहूं, चना आदि फसल की बोवनी करने से वंचित रह गए थे। किसानों के एक प्रतिनिधि मंडल ने एस डी एम बड़नगर को ज्ञापन देकर और क्षेत्र के विधायक जितेंद्र सिंह पंड्या से मिलकर मांग की है कि नर्मदा पाईप लाईन नहर को सिंचाई हेतु 20 अक्टूबर तक चालू की जाए।

गत वर्ष अधिकारियों की उदासीनता से बड़ी कलमेर से नर्मदा लाईन चालु करने के बाद रास्ते में जगह पाईप लाईन फूट गई थी जिसे रिपेयर करने में एक माह लगा था। जिससे किसानों को इस परियोजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। परियोजना से बड़वाह से बड़नगर तहसील के ग्राम सुरा खेड़ी कुलावदा तक 80 गांवों के 20 हजार हेक्टेयर रकबा में सिंचाई हो सकती है । 57 किलोमीटर लंबी एल बी सी पाईप लाईन को शीघ्र चालू कराने हेतु अंबालिया, गिरोता छड़ोदा के किसानों ने जिला कलेक्टर इंदौर को भी इस आशय का ज्ञापन देकर 20 अक्टूबर तक नर्मदा लाईन सिंचाई हेतु चालू कराने की मांग की है।

20 को निकलेगा संघ का संगम पथ संचलन, घर-घर दे रहे आमंत्रण



दैनिक अवन्तिका ▸▸ जीरापुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, नगर जीरापुर की ओर से विजयादशमी उत्सव के अवसर पर 20 अक्टूबर मंगलवार को संगम पथ संचलन निकाला जाएगा। आयोजन को लेकर स्वयंसेवक घर-घर पहुंचकर आमंत्रण पत्र दे रहे हैं और लोगों से कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह कर रहे हैं।

संघ के शताब्दी वर्ष के समापन के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले इस पथ संचलन को लेकर स्वयंसेवकों में उत्साह है। संघ का यह आयोजन समाज में शक्ति, साहस, अनुशासन और राष्ट्रभावना के जागरण का संदेश देगा।

पथ संचलन मंगलवार सुबह 8 बजे आवास कॉलोनी स्थित स्टेडियम ग्राउंड से निकलेगा। इसमें स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश और दंड के साथ शामिल होंगे। आयोजकों ने सभी स्वयंसेवकों से निर्धारित समय से 10 मिनट पहले पहुंचने का आग्रह किया है। घर-घर पहुंच रहे आमंत्रण पत्रों के माध्यम से नगरवासियों को भी कार्यक्रम की जानकारी दी जा रही है।

करांटे में संभाग स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में जीते 2 स्वर्ण , 6सिल्वर, 6 ब्रॉंज मेडल



ब्यावरा। 70वी संभाग स्तरीय करांटे शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता भोपाल के बॉनी फॉय कोएड सीनियर सेकेंडरी स्कूल भोपाल में 13 से 14 अक्टूबर को आयोजित हुई ,करांटे डेवलपमेंट एसोसिएशन राजगढ़ के सचिव अक्षय शर्मा ने बताया की राजगढ़ सहित भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर टीमो ने हिस्सा लिया जिसमे ब्यावरा राजगढ़ के 2खिलाड़ी कृतिका गोड़ पिता पवन गोड़ और वरुण पिता गोविंद साहू ने गोल्ड मेडल तथा नवीन गुर्जर, अवनी शर्मा,शौर्य महावर, अनिरुद्ध सोनी, राजवीर मकवाना, दिशा महावर ने सिल्वर मेडल वही अभय लववंशी, गणेश जाटव, गहना जाटव, पार्थ पवैया, मोहित मकवाना, कृष्णा यादव, ऋतिक शिवहरे ने अपने अपने उम्र एवं वेट कैटेगरी में कास्य पदक हासिल किया अब ये 2 गोल्ड मेडल प्राप्त खिलाड़ी छिंदवाड़ा में आयोजित राज्य स्तरीय करांटे शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में भोपाल संभाग का प्रतिनिधित्व करेंगे इन खिलाड़ियो को राज्य स्तर पर पहुचाने के इस गौरान्वित पल पर जिला क्रीड़ा अधिकारी महेंद्र सिंह परमार, ब्लॉक खेल अधिकारी देवेन्द्र सक्सेना , योगेश तिवारी क्रीड़ा भारती राजगढ़ और करांटे संघ के पदाधिकारी, कंचन सोनी,शरद मंडलोई, नगर और जिले के विभिन्न खिलाड़ियों और इनके इष्ट मित्रो ने उज्जवल भविष्य की कामना की !

मास्टरमाइंड इंटरनेशनल स्कूल, तराना में गरबा और रावण दहन का भव्य आयोजन



तराना। विजयादशमी के उत्सव पर मास्टरमाइंड इंटरनेशनल स्कूल, तराना में गरबा नृत्य और रावण दहन का भव्य आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर को आकर्षक रूप से सजाया गया था और पूरे परिसर में उत्सव जैसा माहौल था।इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों द्वारा लगभग 20 फीट ऊंचे रावण के पुतले का निर्माण किया गया, जो आकर्षण का मुख्य केंद्र रहा। कार्यक्रम की शुरूआत माँ दुर्गा की आराधना और गरबा नृत्य से हुई, जिसमें छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने पारंपरिक परिधानों में बढ़-चढ़कर भाग लिया और जमकर गरबा किया।इसके बाद बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के रूप में रावण दहन किया गया। जैसे ही रावण के पुतले ने आग पकड़ी, पूरा परिसर ₹जय श्री राम₹ के जयकारों से गूंज उठा। छात्रों और शिक्षकों ने इस कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया। कक्षा 9 की छात्रा ने कहा, ₹हमने खुद अपने हाथों से रावण बनाया और आज उसका दहन देखकर बहुत अच्छा लगा। इस आयोजन से हमें पता चला कि हमेशा सत्य और अच्छाई की ही जीत होती है। विद्यालय के प्राचार्य आशीष पाटीदार ने कहा, ₹हमारा उद्देश्य बच्चों को केवल पुस्तकों तक सीमित न रखकर भारतीय संस्कृति और त्योहारों के महत्व से जोड़ना है।

पांच वर्ष तीन माह का कार्यकाल पूरा कर

गृह नगर लौटे डॉ. थावरचंद गेहलोत के स्वागत के लिए उमड़ा जनसैलाब

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नागदा

कर्नाटक के राज्यपाल के रूप में पांच वर्ष तीन माह का कार्यकाल पूरा करने के बाद डॉ. थावरचंद गेहलोत शुक्रवार को अपने गृह नगर नागदा पहुंचे। उनके आगमन पर नागदा सहित आसपास के क्षेत्रों में उत्साह का माहौल रहा।

उज्जैन से नागदा तक विभिन्न स्थानों पर समर्थकों और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। पुराने बस स्टैंड पर विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों की ओर से पुष्पवर्षा और आतिशबाजी के साथ अभिनंदन किया गया। नगर पालिका परिषद नागदा, बड़ावदा नगर परिषद, विधायक डॉ. तेज बहादुर सिंह चौहान, भाजपा पदाधिकारियों, व्यापारी संघ एवं सामाजिक संगठनों ने भी उनका स्वागत किया। पुराने बस स्टैंड पर स्वागत के बाद डॉ. गेहलोत ने डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

इन्होंने किया स्वागत

स्वागत समारोह में विधायक डॉ. तेज बहादुर सिंह चौहान, भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश धाकड़, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती संतोष गेहलोत, राकेश यादव, ओमप्रकाश गेहलोत, नागदा नगर मंडल अध्यक्ष विजय पटेल, प्रकाश जैन, गोपाल यादव, अनिल अवस्थी, सांसद प्रतिनिधि राजेंद्र कुमावत, सीएमओ अनिल कुमार सक्सेना, रामसिंह शेखावत, नरेंद्र कैथवास मौजूद रहे।

100 साल से पुरानी रामलीला की परंपरा, तीन-चार पीढ़ियों से निभा रहे किरदार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सुसनेर

नगर के समीप ग्राम पिपलिया नानकर में रामलीला के आयोजन की परंपरा 100 वर्ष से भी अधिक पुरानी है। गांव में वर्षों से चली आ रही इस धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा को आज भी ग्रामीण पूरे उत्साह के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। खास बात यह है कि रामलीला में गांव के 50 से अधिक लोग अलग-अलग पात्रों की भूमिका निभाते हैं, वहीं कुछ परिवारों की तीन से चार पीढ़ियां भी इस परंपरा से जुड़ी हुई हैं।

ग्राम पिपलिया नानकर में आयोजित रामलीला में सुजान सिंह बगड़ावत, कमल सिंह, कृपाल सिंह, पिरु सिंह, कालू सिंह, तेजू सिंह, रामेश्वर राठौर,



मनोहर राजपूत, लखन सिंह, विक्रम सिंह, गोपाल सिंह, शिव सिंह, किशन सिंह और बापूलाल ओसारा सहित करीब 50 लोग विभिन्न पात्रों का अभिनय करते हैं। रामलीला में कमल सिंह भगवान श्रीराम और कृपाल सिंह लक्ष्मण की भूमिका निभाते हैं, जबकि किशन सिंह रावण का किरदार निभाते हैं। अन्य ग्रामीण भी रामायण के विभिन्न पात्रों को मंच पर जीवंत प्रोत्साहित कर रही है। प्राचार्य रामकृष्ण शर्मा चेतन पाटीदार एवं समस्त शिक्षकगण ने उज्जवल भविष्य की कामना की।

तीन-चार पीढ़ियों से निभा रहे किरदार

रामलीला से जुड़े परिवारों में स्वर्गीय रतनलाल विश्वकर्मा का परिवार भी शामिल है। उनके बाद उनके पुत्र उदयराम और फिर अगली पीढ़ी के प्रेम सहित परिवार के सदस्य रामलीला में अपनी भूमिका निभाते आ रहे हैं। एक ही परिवार की तीन से चार पीढ़ियों का इस आयोजन से जुड़ाव गांव की सांस्कृतिक विरासत के प्रति लोगों की आस्था और समर्पण को दर्शाता है।

राष्ट्रीय रग्बी में दम दिखाएंगे यूनिवर्सल एकेडमी के विनायक

तराना। यूनिवर्सल एकेडमी के प्रतिभाशाली खिलाड़ी विनायक चावड़ा का स्कूल गेम फेडरेशन की राष्ट्रीय स्तरीय रग्बी प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि से विद्यालय परिवार में उत्साह और खुशी की लहर है।विनायक ने दृढ़ संकल्प, अनुशासित अभ्यास और उत्कृष्ट खेल कौशल के बल पर राष्ट्रीय मंच तक पहुंचने का सपना साकार किया। खेल शिक्षक रंजीत चौहान के कुशल मार्गदर्शन ने उनकी प्रतिभा को



निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

यूनिवर्सल एकेडमी विद्यार्थियों को बेहतर खेल सुविधाएं, आवश्यक उपकरण और प्रतियोगिताओं के अवसर प्रदान कर उनकी प्रतिभा को

इन्होंने ने ये कहा

इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन अशोक चावड़ा व डायरेक्टर अमित चावड़ा ने विनायक की उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि खेल और शिक्षा के संतुलन को सर्वांगीण विकास का आधार बताया तथा ऊंचे लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

30 बिस्तरीय नवीन अस्पताल बिल्डिंग स्वीकृत पार्षदों की मंशा अस्पताल बने

बडौद। नगर में शासन ने 30 बिस्तस्तरीय नवीन अस्पताल बिल्डिंग स्वीकृत हुई है और अब सबसे बड़ी चुनौती है कि आखिरी बिल्डिंग नगर में बने या नगर से दूर इसको लेकर नगरवासियों ने बडौद नगर को बंद कर ज्ञापन सौंपा गया था कि नवीन अस्पताल भवन नगर में ही बने इसको लेकर नगर परिषद के पार्षदों ने नगर परिषद में संकल्प क्रमांक 214 पर चर्चा कर नगरवासियों की मांग के समर्थन में नवीन अस्पताल भवन नगर में ही बने इसको लेकर निदा प्रस्ताव पास किया गया और नवीन अस्पताल भवन नगर में ही बने इस पर पार्षदों ने अपने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी शोभाराम परमार, नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि सचिन लववंशी सहित 12 पार्षद और 4 एल्डरमैन उपस्थित रहे।

गायन प्रतियोगिता में नन्हें बच्चों ने मधुर भजन सुनाकर किया अंचभित

दैनिक अवन्तिका ▸▸ ब्यावरा

श्री अंजनीलाल मंदिर ट्रस्ट द्वारा नवरात्रि महोत्सव के अवसर पर आयोजित बच्चो की गीत-गायन प्रतियोगिता में नन्हें बच्चो की प्रतिभा देख सभी हतप्रभ रह गये. मंच से जब महज पांच, छः वर्षीय बालक-बालिकाओं ने सुमधुर भजन सुनाया तो बड़े भी अचंभित हुए बिना नहीं रहे।

श्री अंजनीलाल धाम पर ट्रस्ट परिवार द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में नगर के विभिन्न शासकीय-अशासकीय विद्यालयों के करीब 50 से अधिक बच्चों ने तक अपनी प्रस्तुति दी. कई बच्चों ने गायन के साथ खुद वाद्य यंत्र बजाकर दोहरी प्रतिभा का परिचय दिया. नन्हें बच्चों का स्टेज पर आकर पूरे आत्मविश्वास के साथ मधुर आवाज और लय-ताल का सामंजस्य स्थापित करते हुए अपनी प्रस्तुति देना अद्भुत था। प्रतियोगिता में शामिल सभी बच्चों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से सभी आकर्षित हुए



बिना नहीं रह सके। प्रारंभ में गीत संगीत के जानकार पं. सुदर्शन, गायक कलाकार सपना शिवहरे और राजेन्द्र सिंह राठौड़ ने अतिथि एवं जज के रूप में मंचासीन होकर मां सरस्वती की पूजा-अर्चना कर दीप प्रज्जवलित किया। सभी अतिथियों ने अपने अनुभव बताते हुए कहा कि आज के दौर में बच्चों का गीत-गायन और संगीत में जो प्रतिभा देखने को मिल रही है वह अद्भुत है. उन्होंने सभी बच्चों और उनके पालकों से आग्रह किया कि अगर बच्चों में संगीत, गायन की रूचि है तो उन्हें आगे बढ़ने का अवसर जरूर दे। सभी ने बच्चों को गायन के टिप्स भी दिये।

बच्चों को मंच देने के प्रयासों की सराहना

अतिथियों ने पालकों से कहा कि अगर समय पर बच्चों को माहौल देंगे तो बच्चें आगे बढ़ सकते है। अतिथियों ने मंदिर ट्रस्ट परिवार द्वारा बच्चों को मंच देने के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में संगीत शिक्षक विवेक सिंह खींची, आदित्य उपाध्याय सहित सभी अतिथियों का एवं नन्हें छात्र आर्यन शर्मा को मंदिर ट्रस्ट परिवार ने स्वागत किया।

नगर में निकलीं दो भव्य चुनर यात्राएं, जगह-जगह हुआ स्वागत



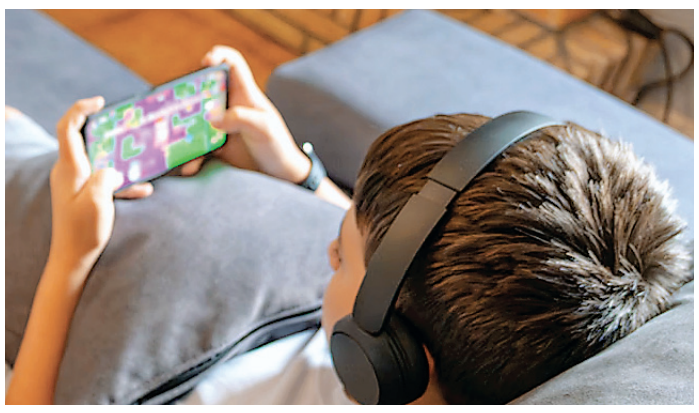
जीरापुर। नगर में धार्मिक आस्था और उत्साह के साथ दो चुनर यात्राएं निकाली गईं। दोनों यात्राओं में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। नगर के विभिन्न मार्गों पर यात्राओं का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। महाकाल ग्रुप के तत्वावधान में मां चामुंडेश्वरी माता मंदिर से चुनर यात्रा प्रारंभ हुई, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए मां बिजासन माता मंदिर पहुंची। यहां श्रद्धालुओं ने माता रानी को चुनर अर्पित कर सुख-समृद्धि की कामना की। इसी क्रम में शीतला माता मंदिर समिति एवं महिला मंडल के तत्वावधान में हिंगलाज माता मंदिर से 151 मीटर लंबी चुनर यात्रा निकाली गई। यात्रा नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए शीतला माता मंदिर पहुंची, जहां विधि-विधान से माता रानी को चुनर चढ़ाई गई। दोनों यात्राओं में श्रद्धालु भक्ति और उत्साह के साथ शामिल हुए। जगह-जगह पुष्पवर्षा कर यात्राओं का स्वागत किया गया। धार्मिक आयोजन से नगर का माहौल भक्तिमय बना रहा।

बच्चे का स्क्रीन टाइम करना है कम?

सबसे पहले माता-पिता बदलें अपनी ये आदतें...

कई बार बच्चे घंटों स्क्रीन पर वीडियो देखते हैं या गेम खेलते रहते हैं, जिससे उनकी पढ़ाई, खेलकूद और नींद का रूटीन प्रभावित हो सकता है। ऐसे में बच्चे का स्क्रीन टाइम कम करना माता-पिता के लिए एक चुनौती बन जाता है।





आजकल बच्चों में मोबाइल, टीवी और टैबलेट इस्तेमाल करने का चलन तेजी से बढ़ रहा है। कई बार बच्चे घंटों स्क्रीन पर वीडियो देखते हैं या गेम खेलते रहते हैं, जिससे उनकी पढ़ाई, खेलकूद और नींद का रूटीन प्रभावित हो सकता है। ऐसे में बच्चे का स्क्रीन टाइम कम करना माता-पिता के लिए एक चुनौती बन जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि बच्चों की इस आदत को सुधारने के लिए सबसे पहले माता-पिता को अपनी कुछ आदतों में बदलाव करना जरूरी है?

दरअसल, बच्चे अक्सर अपने माता-पिता को देखकर चीजें सीखते हैं। अगर घर में बड़े लोग भी बार-बार मोबाइल इस्तेमाल करते हैं, तो बच्चों का स्क्रीन की ओर आकर्षित होना स्वाभाविक है। ऐसे में बच्चों का स्क्रीन टाइम कम करने के लिए माता-पिता को खुद मोबाइल का इस्तेमाल सीमित करना चाहिए और बच्चों के साथ खेलने, बातचीत करने व दूसरी गतिविधियों में समय बिताना चाहिए। आइए जानते हैं कि माता-पिता अपनी किन आदतों को बदलकर बच्चों की स्क्रीन टाइम की आदत सुधार सकते हैं।

खाना खाते समय फोन दूर रखें

माता-पिता खाने की मेज पर मोबाइल इस्तेमाल करने से बचें। परिवार के सभी सदस्य साथ बैठकर खाना खाएं और बातचीत करें। इससे बच्चे को भी भोजन के समय स्क्रीन से दूर रहने की आदत पड़ेगी। अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकालकर माता-पिता बच्चे के साथ खेलें, कहानियां पढ़ें या उसकी पसंद की गतिविधियों में हिस्सा लें। इससे बच्चा मोबाइल के बजाय दूसरी गतिविधियों में रुचि लेने लगेगा।

मोबाइल की जगह बच्चे को दें दूसरे विकल्प

जब बच्चा जिद करे या बोर हो, तो माता-पिता को उसे तुरंत मोबाइल देने के बजाय उससे बात करें या किसी दूसरी गतिविधि में व्यस्त करें। इससे वह हर बार मनोरंजन या मन बहलाने के लिए स्क्रीन पर निर्भर नहीं होगा। उसे ड्राइंग, पेंटिंग, किताबें पढ़ने, पजल सुलझाने और आउटडोर गेम्स खेलने के लिए प्रोत्साहित करें। जब बच्चे के पास मनोरंजन के दूसरे विकल्प होंगे, तो वह स्क्रीन पर कम समय बिता सकता है।

बच्चे को कब सिखाएं तैरना?



तैराकी बच्चों के लिए मनोरंजन के साथ एक जरूरी जीवन रक्षक कौशल भी है। सही उम्र में स्विमिंग सीखने से शारीरिक विकास और पानी के प्रति आत्मविश्वास में मदद मिल सकती है, लेकिन सुरक्षा नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है।

तैराकी बच्चों के लिए एक मजेदार गतिविधि है और जीवन रक्षक कौशल भी। आज के समय में कई बच्चे कम उम्र से ही तरह-तरह की स्किल्स सीख रहे हैं, जिनमें स्विमिंग भी शामिल है। अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के अनुसार, सही उम्र और सुरक्षा नियमों का ध्यान रखते हुए बच्चों को स्विमिंग सिखाना फायदेमंद हो सकता है। हालांकि इससे पहले बच्चे की शारीरिक और मानसिक स्थिति को समझना जरूरी है। विशेषज्ञों के अनुसार, एक साल से कम उम्र के शिशुओं के लिए वाटर प्ले या पैरेंट-चाइल्ड सेशन यानी पानी से परिचय अच्छा रहता है। वहीं, एक से चार साल की उम्र में स्विमिंग की बुनियादी बातें सिखाई जा सकती हैं। तैराकी से बच्चों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं, सहनशक्ति बढ़ती है और ब्रेन-बॉडी कोऑर्डिनेशन बेहतर होता है। कम उम्र में तैरना सीखने से उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें पानी से डर नहीं लगता।



सबसे महत्वपूर्ण है पानी में सुरक्षा



बच्चों को स्विमिंग सिखाते समय सबसे जरूरी है, टच सुपरविजन यानी माता-पिता या ट्रेनर बच्चे के इतना करीब रहें कि जरूरत पड़ने पर तुरंत सहायता दे सकें। फ्लोटर्स या वाटर विंग्स पर पूरी तरह निर्भर रहना सुरक्षित नहीं है। डब्लूएचओ के अनुसार, कम उम्र में तैरना, पानी पर फ्लोट करना और किनारे तक पहुंचना सीखने से डूबने का खतरा 88 प्रतिशत तक कम हो सकता है। बच्चों के लिए स्विमिंग पूल चुनते समय सुरक्षा का विशेष ध्यान रखना चाहिए। पूल के पानी का तापमान 30 से 32 डिग्री सेंटीग्रेड होना चाहिए। पानी में क्लोरीन का स्तर भी जांचना जरूरी है, ताकि संक्रमण न हो। साथ ही बच्चों को हमेशा सर्टिफाइड और अनुभवी ट्रेनर की निगरानी में तैरना सिखाएं।

स्विमिंग सिखाने से पहले ये बातें जरूर देखें

अगर बच्चे को सर्दी-जुकाम, कान में संक्रमण या त्वचा संबंधी कोई समस्या है, तो उसे स्विमिंग न कराएं। स्विमिंग के बाद बच्चे के कान अच्छी तरह सुखाएं और त्वचा को साफ पानी से धोकर मॉइश्चराइजर लगाएं। पानी में जाने से पहले और बाद में बच्चे की स्वच्छता का ध्यान रखें। बच्चे की सुरक्षा और आराम को हमेशा प्राथमिकता दें। बाल विकास सलाहकार रोहिणी सेठी बताती हैं कि छोटे बच्चों को स्विमिंग सिखाते समय सबसे पहले सुरक्षा को प्राथमिकता दें। हमेशा प्रशिक्षित इंस्ट्रक्टर की निगरानी में ही अभ्यास कराएं और बच्चे को पानी के पास अकेला न छोड़ें।

Sport

बॉलर्स के खिलाफ नियम सख्त करने की जरूरत, ताकि हर मैच में 300 रन बने

मांजरेकर बोले- पिच फ्लैट बनाएं, बाउंड्री छोटी करें

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

मुझे लगता है कि पिचों को और फ्लैट बनाने, बाउंड्री छोटी करने और गेंदबाजों के खिलाफ नियम और सख्त करने की गुंजाइश है, ताकि टी-20 में नियमित रूप से 20 ओवर में 300 रन बन सकें।

यह कहना है पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कमेंटेटर संजय मांजरेकर का। उन्होंने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म पोस्ट के जरिए कही। मांजरेकर की पोस्ट ऐसे समय आई है, जब फ्लैट भारतीय पिचों पर सवाल उठ रहे हैं। गौतम गंभीर, युजवेंद्र चहल जैसे कई दिग्गज क्रिकेटर्स पिचों को बॉलिंग फ्रेंडली बनाने की मांग कर रहे हैं। एक दिन पहले भारतीय टीम के पूर्व चीफ सिलेक्टर चेतन शर्मा ने कहा- टी-20 क्रिकेट में बैटिंग पिचों से बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बिगड़ रहा है। नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में चेतन ने कहा- मैं मानता हूं कि गेंदबाज रन देने के लिए मैदान पर आते हैं। लेकिन उन्हें इतना मत मारिए कि वे दोबारा मैदान पर आना ही न चाहें।



भारत-वेस्टइंडीज टी-20 सीरीज में 98 छक्के और 104 चौके लगे- भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेली जा रही टी-20 सीरीज में 98 छक्के और 104 चौके लग चुके हैं। सीरीज में अब तक 4 मैच खेले गए हैं। इन 8 पारियों में 6 बार दोनों टीमों ने 200+ रन का आंकड़ा पार किया। दूसरे टी-20 में तो भारत ने 249 रन बनाए थे और यह टारगेट भी वेस्टइंडीज ने 9 गेंद रहते हासिल कर लिया। तीसरे टी-20 में भारत ने 223 रन बनाए और वेस्टइंडीज को 209 रन पर रोका। चौथे मैच में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 247 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम ने 223 रन बनाए। पहले मुकाबले में भी 172 रन का टारगेट भारत ने 14.4 ओवर में ही हासिल कर लिया था।

गंभीर ने हफ्ते में 2 बार पिच पर सवाल उठाए थे

9 अक्टूबर की रात को रांची में दूसरे टी-20 के बाद गंभीर ने कहा था- 'फ्लैट पिचों पर गेंदबाजों के करियर दांव पर लगे हैं। सरफेस में बैट और बॉल के बीच बराबरी का मुकाबला होना जरूरी है।' 3 अक्टूबर को गुवाहाटी में दूसरे वनडे के बाद गंभीर ने कहा था कि 'यह क्रिकेट नहीं था, सिर्फ बल्लेबाजी थी।' उस मुकाबले में भारत ने 406 रन का लक्ष्य हासिल किया था। इस मुकाबले में 811 रन बने थे। संजय मांजरेकर भारतीय कमेंटेटर हैं, जोकि अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। उन्हें तकनीकी रूप से मजबूत बैटिंग स्किल के लिए भी जाना जाता है। वे क्रिकेटर्स को स्पेशलाइज ट्रेनिंग देते हैं। मांजरेकर 37 मैचों के टेस्ट करियर में 2043 रन बनाए। इसमें 4 शतक और 9 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने 74 वनडे मैचों में 1994 रन बनाए। इस फॉर्मेट में संजय के नाम एक शतक है।

दूसरे टेस्ट से पहले टीम बदली

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए टीम में एक बदलाव किया है। मैथ्यू ब्रीट्जके को ट्रिस्टन स्टब्स की जगह टीम में शामिल किया गया है। दूसरा टेस्ट 18 अक्टूबर से गकेबरहा में शुरू होगा। रयान रिकेल्टन इस मैच में विकेटकीपिंग करेंगे। पहले टेस्ट में मेजबान टीम 214 रन से हार गई थी। तीन मैचों की सीरीज में ऑस्ट्रेलिया ने बढ़त बना रखी है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने गुरुवार को जारी बयान में कहा, मैथ्यू ब्रीट्जके ने ट्रिस्टन स्टब्स की जगह ली है। रयान रिकेल्टन दूसरे टेस्ट में विकेटकीपिंग करेंगे। बाएं हाथ के बल्लेबाज टोनी डी जॉर्जी को टीम में नहीं चुना गया। वे बाईं हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रहे हैं। इस टीम में 17 नाम शामिल हैं। दूसरे मैच की प्लेइंग-11 में कगिसो रबाडा को मौका मिल सकता है।

बिंद्रा ने एथलीट्स के खुलकर न बोलपाने पर चिंता जताई:

नई दिल्ली। ओलिंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट शूटर अभिनव बिंद्रा ने एथलीट्स के खुलकर न बोल पाने पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा- समय के साथ खिलाड़ी अपने मन में भी सवाल करना बंद कर देते हैं। बिंद्रा ने एथलीट्स को सवाल पूछते रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी अपने काम, कोच, तरीकों और सिस्टम पर सवाल उठाएं। बिंद्रा ने कहा कि खिलाड़ियों का खुलकर बोलना जरूरी है। कुछ लोग इसे अनुशासनहीनता मान सकते हैं, लेकिन यह बेहतर प्रदर्शन के लिए जरूरी हो सकता है। बिंद्रा ने शुक्रवार को सोशल प्लेटफॉर्म पोस्ट में अपनी बात रखी।

आवश्यकता है
होटल में सफाई व रूम सर्विस दिन और रात के लिए।
हिमालया गेस्ट हाउस
बैंक ऑफ इंडिया के पास, उज्जैन
9669890245

वधु चाहिए (सिन्धी)
विधुर सिंधी 42 वर्ष हेतु सिन्धी वधु चाहिए, मकान, दुकान अपना। उज्जैन मप्र.
संपर्क करें
8253063625

आवश्यकता है
प्रतिष्ठित आइल कम्पनी के लिए योग्य एवं अनुभवी सेल्समेन (लड़कों) की तुरंत आवश्यकता है। अच्छा संवाद कौशल, वेतन योग्यतानुसार
संपर्क करें
8225022548
(चिमनगंज मंडी उज्जैन)

दुकान बेचना है
प्राईम लोकेशन कंठाल चौराहा की दुकान बेचनी है।
साईज - 10x11
हाईट- 15 फीट
मोबाइल
8518800456
9981310034

जमीन बेचना है
ग्राम सुमराखेड़ा (तहसील तराना) में मेन रोड से एक खेत छोड़कर रेल पटरी से दक्षिण दिशा में भूमि खेत साढ़े तीन बीघा एवं बिड़ ढाई बीघा बेचना है।
संपर्क करें
940 6801069

आवश्यकता
रेस्टोरेंट में कार्य करने हेतु हेल्पर की जो सभी कार्य कर सके आवश्यकता है।
संपर्क करे
9827820470

रद्दी बेचना है
अखबारी फ्रेश रद्दी, थोक रेट में टनों से 10-10 किलो के बंडल में बेचना है
संपर्क
7773077762

आवश्यकता
अशासकीय विद्यालय श्री संस्कृति कॉ. मि. स्कूल भैरवगढ़ में अध्यापन हेतु शिक्षक-शिक्षिकाओं की आवश्यकता है- अनुभवी एवं प्रशिक्षित को प्राथमिकता-
योग्यता- B.ED/D.ED/Deled
वेतन- 7000 से 8000 प्रतिमाह
राजेश राव हाण्डे- 9977588698
Head Master
Shri Sanskriti Convent
Middle School, Bhairavgar

आवश्यकता
छुरी वाली कटिंग मशीन एवं सर्कलकटिंग मशीन ऑपरेटर की जो दोनों मशीन चलाना जानता हो, चौकीदार की जो रात दिन फैक्ट्री पर रह सके।
संपर्क करे
श्री हरि पेपर इंडस्ट्री
8 मक्सी रोड इंडस्ट्रियल एरिया
प्रवाह पेट्रोल पंप के पीछे, उज्जैन
मोबाइल 9425358095

नैनो न्यूज

- **भुवनेश्वर कुमार की टीम इंडिया में वापसी-** वेस्टइंडीज के खिलाफ निर्णायक टी-20 मुकाबले से पहले तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को भारतीय टीम में शामिल किया गया। अर्शदीप सिंह के चोटिल होने के बाद चयनकर्ताओं ने यह फैसला लिया।
- **जूनियर बैडमिंटन में भारत का पदक पक्का-** भारतीय शटलर जैंगशेर सिंह खंगुरा ने विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में जगह बनाकर पदक सुनिश्चित किया। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में ताइवान के खिलाड़ी को हराया।
- **विश्व कुश्ती में विश्वजीत ने रचा इतिहास-** भारतीय पहलवान विश्वजीत मोरे ने अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में रजत पदक जीता। ग्रीको-रोमन के 55 किलोग्राम वर्ग में वह फाइनल तक पहुंचने वाले पहले भारतीय बने।
- **भारतीय महिला क्रिकेट में पूनम राउत का संन्यास-** भारतीय महिला क्रिकेटर पूनम राउत ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा की। उन्होंने भारत के लिए टेस्ट, वनडे और टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले।
- **डेनमार्क ओपन से श्रीकांत बाहर-** भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत डेनमार्क ओपन के दूसरे दौर में हारकर बाहर हो गए। अब भारतीय प्रशंसकों की नजर आगामी अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिताओं पर रहेगी।

सहवाग के बेटे आर्यवीर ने 173 रन बनाए

वीनू मांकड़ ट्रॉफी में दिल्ली के लिए खेली कप्तानी पारी, 19 चौके-8 छक्के लगाए

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

पूर्व भारतीय ओपनर वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर ने शुक्रवार को वीनू मांकड़ ट्रॉफी में दिल्ली यू-19 की ओर से 173 रन की पारी खेली। वे दिल्ली यू-19 के कप्तान भी हैं।

आंध्र प्रदेश के विजयनगरम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चंडीगढ़ व-19 के खिलाफ हुए मैच में आर्यवीर ने 143 गेंदों पर 19 चौके और 8 छक्के लगाए। दिल्ली ने 50 ओवर में 289 रन बनाए, हालांकि चंडीगढ़ ने 41.3 ओवर में 5 विकेट खोकर यह टारगेट चेज कर लिया। 18 साल के आर्यवीर ने पिछले महीने भारतीय अंडर-19 टीम के लिए डेब्यू किया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ सीरीज की तीन पारियों में 109 रन बनाए।

उनका स्ट्राइक रेट करीब 104 रहा। सीरीज में उनका सबसे बड़ा स्कोर 47 रन था। आर्यवीर राजकोट में ऑस्ट्रेलिया अ के खिलाफ सीरीज के लिए भारत अ कैंप का हिस्सा भी रहे। आर्यवीर सहवाग ने दिल्ली प्रीमियर लीग के 2026 सीजन में वेस्ट दिल्ली लायंस के लिए खेला। उन्होंने 2 मैचों में 24 रन बनाए। वे इससे पहले 2024 में कूच बिहार ट्रॉफी में मेघालय के खिलाफ 297 रन की पारी खेलकर चर्चा में आए थे। वीनू मांकड़ ट्रॉफी बीसीसीआई की ओर से कराई जाने वाली अंडर-19 वनडे क्रिकेट टूर्नामेंट है। इसमें देश के अलग-अलग राज्यों और क्रिकेट संघों की अंडर-19 टीमें हिस्सा लेती हैं।



द्रविड़ के दोनों बेटे भी क्रिकेट में करियर बना रहे

राहुल द्रविड़ के दोनों बेटे समित और अन्वय द्रविड़ क्रिकेट में अपना करियर बना रहे हैं। दोनों कर्नाटक के अलग-अलग एज कैटेगरी में खेलते हैं। समित मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज और मीडियम पेस गेंदबाज हैं। समित ने कर्नाटक की अंडर-19 टीम के लिए खेला है। 2023-24 के कूच बिहार ट्रॉफी सीजन में समित ने 8 मैचों में 362 रन बनाने के साथ 16 विकेट भी लिए थे। समित को सितंबर 2024 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की अंडर-19 टीम में चुना गया, लेकिन घुटने की चोट के कारण नहीं खेल सके।

न्यूज कॉलम

बिजली के तार काटने पर दोनों पक्षों में लाठी-डंडों से मारपीट

धार। जिले के नौगांव थाना क्षेत्र के जेतपुरा गांव में बिजली के तार काटने की बात को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। शुक्रवार रात शुरू हुआ विवाद मारपीट में बदल गया। दोनों पक्षों के बीच गाली-गलौज के साथ लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से मारपीट हुई। घटना में दोनों पक्षों के कई लोग घायल हुए हैं। विवाद बिजली के तार काटने की बात को लेकर शुरू हुआ था। इसके बाद दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और मारपीट हुई।

मायापुरी में 21वीं बार निकलेगी मां दुर्गा की शोभायात्रा

धार। शहर की मायापुरी कॉलोनी में सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति द्वारा इस वर्ष भी मां दुर्गा की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। आयोजन का यह 21वां वर्ष है। मंगलवार, 20 अक्टूबर को सुबह 11.30 बजे मायापुरी गरबा चौक से शोभायात्रा प्रारंभ होगी। इसमें हजारों की संख्या में मातृशक्ति शामिल होंगी। शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होकर निकलेगी। शोभायात्रा में इस बार विशेष आकर्षण के रूप में मुंबई से रोबोट बुलाया जाएगा। यह रोबोट अपनी अनूठी प्रस्तुति के साथ लोगों से संवाद करेगा।

पाटीदार चौराहे के पास बुजुर्ग का शव मिला

धार। शहर के पाटीदार चौराहे के पास शुक्रवार को एक अज्ञात बुजुर्ग का शव मिलने से लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर कोतवाली पुलिस और डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेने के बाद शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसे पोस्टमार्टम रूम में रखवाया गया है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बुजुर्ग क्षेत्र में इधर-उधर घूमता रहता था। लोगों ने उसे मानसिक रूप से विक्षिप्त बताया है, हालांकि पुलिस ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

300 बेटियों ने गरबे से दिया श्रीअन्न का संदेश



झाबुआ में 3 हजार युवाओं को मोटे अनाज से स्वस्थ रहने के लिए किया जागरूक

झाबुआ। जिले के फुटतालाब नवरात्रि महोत्सव में एक खास नजारा दिखा। शुक्रवार रात 18 दलों की 300 ग्रामीण बेटियों ने गरबे के जरिए मोटे अनाज (श्री अन्न) को रोज के खाने में शामिल करने का संदेश दिया। इस आयोजन में बेटियों ने नारों वाली तख्तियां लेकर 3 हजार से ज्यादा युवाओं को बेहतर स्वास्थ्य के लिए जागरूक किया। यह अभियान डब्लू एच एच और डेवलपमेंट सपोर्ट सेंटर (डीएससी) की मिरेकल मिलेट परियोजना का हिस्सा है। परियोजना का मकसद मोटे अनाज को बचाना है। बेटियों ने लोगों से हफ्ते में कम से कम एक बार ज्वार, बाजरे की रोटी और उनसे बने व्यंजन खाने की अपील की। विशेषज्ञों के मुताबिक, मोटा अनाज रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और ब्लड शुगर भी कंट्रोल करता है।

नैनो न्यूज

- **बाजारों में त्योहारी खरीदारी की तैयारी-** इंदौर के कपड़ा, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक्स और सजावटी सामान कारोबारियों ने आगामी त्योहारों को देखते हुए स्टॉक बढ़ाने तथा ग्राहकों के लिए नई वैरायटी जुटाने की तैयारी शुरू की।
- **थोक बाजार में माल की आवक बढ़ी-** इंदौर के थोक कारोबार में त्योहारी मांग को ध्यान में रखते हुए व्यापारियों ने माल की उपलब्धता और आपूर्ति व्यवस्था पर ध्यान देना शुरू किया है।
- **होटल कारोबारियों को बुकिंग बढ़ने की उम्मीद-** त्योहारी सीजन और पारिवारिक आयोजनों के चलते इंदौर के होटल एवं बैंक्वेट संचालक आगामी दिनों में कमरों की बुकिंग और समारोह संबंधी कारोबार बढ़ने की उम्मीद कर रहे हैं।
- **ऑटोमोबाइल बाजार में नए मॉडल की मांग-** इंदौर के वाहन डीलर ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए नए मॉडल, फाइनेंस विकल्प और एक्सचेंज सुविधाओं पर जोर दे रहे हैं। त्योहारी सीजन में बिक्री बढ़ाने की तैयारी है।
- **प्रॉपर्टी बाजार में व्यावसायिक जगहों पर जोर-** इंदौर में दुकान, ऑफिस और व्यावसायिक परिसर खरीदने वाले निवेशक लोकेशन, पार्किंग और मुख्य मार्गों से कनेक्टिविटी को प्राथमिकता दे रहे हैं।
- **पैकेजिंग उद्योग में मशीनों की मांग-** खाद्य पदार्थों और उपभोक्ता उत्पादों की पैकिंग करने वाली इकाइयों में बेहतर पैकेजिंग तकनीक की जरूरत बढ़ रही है। इससे मशीनरी सप्लायर और पैकेजिंग सामग्री कारोबारियों के लिए अवसर बन रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर लगाए आरोप

2 करोड़ रुपए की जमीन राम जन्मभूमि ट्रस्ट को 18 करोड़ रुपए में बेची

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर



पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े होने और अब वोट चोरी में शामिल होने का आरोप लगाया है। उन्होंने राम मंदिर निर्माण में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए दावा किया कि 2 करोड़ रुपए की जमीन अगले ही दिन राम जन्मभूमि ट्रस्ट को 18 करोड़ रुपए में बेची गई।

शनिवार को इंदौर प्रेस क्लब में प्रेस वार्ता के दौरान सिंह ने ट्रस्ट के जमीन सौदों, चंदे और निर्माण कार्यों की जांच की मांग की। उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर भी सवाल उठाए और ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। दिग्विजय सिंह ने आरोप लगाया कि ज्ञानेश कुमार राम मंदिर निर्माण से जुड़े ट्रस्ट के ट्रस्टी भी रहे हैं। उन्होंने कहा कि मंदिर निर्माण और जमीन की खरीद में कथित अनियमितताओं की शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार लोगों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई। सिंह ने ट्रस्ट की भूमिका और कामकाज की स्वतंत्र जांच कराने की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि मंदिर प्रबंधन में धार्मिक परंपराओं से जुड़े प्रतिनिधियों को उचित स्थान दिया जाना चाहिए। दिग्विजय सिंह ने कहा कि मंदिर निर्माण पूरा होने से पहले ही चुनावी लाभ के उद्देश्य से प्राण-प्रतिष्ठा कराई गई। उन्होंने धार्मिक कर्मकांडों और यजमान की परंपरा का हवाला देते हुए आयोजन पर आपत्ति जताई। सिंह ने मांग की कि राम मंदिर सहित प्रमुख मंदिरों और मठों की आय-व्यय व्यवस्था का नियमित स्वतंत्र ऑडिट हो, चंदे और चढ़ावे का हिसाब सार्वजनिक किया जाए और जमीन की खरीद तथा निर्माण कार्यों में पारदर्शिता रखी जाए। सिंह ने आरोप लगाया कि एसआईआर के दौरान कुछ राज्यों में मतदाता सूची से नाम काटने में गड़बड़ी हुई और राजनीतिक आधार पर मतदाताओं के नाम हटाने की कोशिश की गई। मध्यप्रदेश के 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले भोपाल की नरेला विधानसभा के एक मतदान केंद्र का उदाहरण देते हुए उन्होंने दावा किया कि एक ही पते पर कई मतदाताओं के नाम दर्ज थे, जबकि जांच में उनमें से कुछ ही लोग वहां रहते मिले। उन्होंने मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया में राजनीतिक हस्तक्षेप की आशंका जताई और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की।

18 करोड़ में खरीदने का आरोप

सिंह ने राम जन्मभूमि ट्रस्ट से जुड़े जमीन के सौदों पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि भाजपा से जुड़े लोगों ने एक जमीन करीब 2 करोड़ रुपए में खरीदी और अगले ही दिन राम जन्मभूमि ट्रस्ट ने उसे 18 करोड़ रुपए में खरीद लिया। उन्होंने जमीन के सौदों, निर्माण कार्यों और ठेकों की जांच की मांग की। उन्होंने मंदिर निर्माण से जुड़े कुछ कर्मचारियों और अधिकारियों के कामकाज का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि खर्चों और ठेकों पर सवाल उठाने वाले लोगों को जिम्मेदारियों से हटा दिया गया। सिंह ने कहा कि संबंधित लोगों के बयानों और दस्तावेजों की जांच होनी चाहिए। उन्होंने कोरोना काल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर कथित तौर पर 7 करोड़ रुपए खर्च किए जाने संबंधी जानकारी का भी उल्लेख किया। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि संबंधित संगठन के पास घोषित बैंक खाता नहीं था, तो यह राशि किस खाते से आई। उन्होंने इस मामले में वित्तीय जांच और प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई की मांग की। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और संबंधित पक्षों का जवाब सामने आना बाकी है।

एक गुट बोला-हड़ताल नहीं करेंगे, ओपीडी चालू रहेगी, एमटीए ने कहा- हड़ताल का फैसला

एमजीएम में 22 अक्टूबर से आंदोलन पर डॉक्टरों में मतभेद

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर



एमजीएम मेडिकल कॉलेज में 22 अक्टूबर से प्रस्तावित आंदोलन को लेकर डॉक्टरों के बीच मतभेद सामने आ गए हैं। मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने आंदोलन को जनरल बॉडी की बैठक में लिया गया सामूहिक निर्णय बताया है।

वहीं, एसोसिएशन से जुड़े दूसरे गुट के डॉक्टरों ने हड़ताल से इनकार करते हुए कहा है कि मरीजों का इलाज उनकी प्राथमिकता है और ओपीडी में कामकाज सामान्य रूप से जारी रहेगा। इस विवाद के बीच एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि कुछ डॉक्टरों की ओर से मीडिया में जारी बयान भ्रामक हैं और ऐसा लगता है कि वे प्रशासन के प्रभाव में दिए गए हैं।

दूसरी ओर, हड़ताल का विरोध कर रहे डॉक्टरों का कहना है कि मांगों के लिए शासन और कॉलेज प्रबंधन के सामने संवैधानिक तरीके से बात रखनी चाहिए, न कि काम बंद करके मरीजों को परेशानी में डालना चाहिए। मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. राहुल रोकडे, उपाध्यक्ष डॉ. साधना सोडानी और डॉ. बजरंग कुमार सिंह और सचिव डॉ. अशोक ठाकुर की ओर से जारी बयान में कहा गया कि एमटीए एमजीएम मेडिकल कॉलेज और डेंटल कॉलेज के चिकित्सा शिक्षकों की रजिस्टर्ड संस्था है।

इसके बायलॉज के तहत चुनाव के जरिए पदाधिकारी चुने गए हैं और कार्यकारिणी का गठन किया गया है। एसोसिएशन के अनुसार, चिकित्सा शिक्षकों की कई मांगें लंबे समय से पेंडिंग हैं। इनके निराकरण के लिए लगातार प्रयास किए गए, लेकिन समाधान नहीं होने पर कार्यकारिणी और जनरल बॉडी की बैठक में आंदोलन का निर्णय लिया गया। एसोसिएशन ने कहा कि 22 अक्टूबर से आंदोलन के चरण जल्द तय कर अधिकारियों और मीडिया को इसकी जानकारी दी जाएगी। एमटीए ने यह भी स्पष्ट किया कि आंदोलन के तहत आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं बंद करने का आह्वान नहीं किया गया है। बयान में कहा गया कि चिकित्सा शिक्षकों के हितों को देखते हुए दूसरे डॉक्टरों को भी आंदोलन में शामिल होना चाहिए।

दूसरे गुट का जवाब मरीजों का इलाज सर्वोपरि, ओपीडी रहेगी चालू

दूसरी ओर, डॉ. डीके शर्मा और अन्य डॉक्टरों की ओर से जारी बयान में कहा गया कि एसोसिएशन के अधिकांश सदस्य और डॉक्टर प्रस्तावित आंदोलन से सहमत नहीं हैं। उनका कहना है कि चिकित्सा शिक्षकों की जायज मांगों को शासन और एमजीएम प्रबंधन के सामने संवैधानिक तरीके से रखा जाना चाहिए। इस गुट ने स्पष्ट किया कि डॉक्टर हड़ताल पर नहीं जाएंगे और ओपीडी में सामान्य दिनों की तरह मरीजों का इलाज जारी रहेगा। बयान में कहा गया कि किसी पदाधिकारी के खिलाफ शिकायतों की जांच चल रही है तो उसे आंदोलन का रूप देकर मरीजों को परेशानी में नहीं डालना चाहिए।

भूमिगत मेट्रो रूट के विरोध में रीगल चौराहे पर प्रदर्शन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

भूमिगत मेट्रो के प्रस्तावित रूट को लेकर रहवासियों का विरोध जारी है। शनिवार को बड़ी संख्या में लोग रीगल चौराहे पर जुटे और मुंह पर काली पट्टी बांधकर मौन प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों ने हमारा घर, हमारा अधिकार-विकास चाहिए, विनाश नहीं का संदेश देते हुए शासन-प्रशासन से जवाब मांगा। उनका कहना है कि पिछले करीब चार महीने से इस मुद्दे पर विरोध किया जा रहा है, लेकिन अब तक जिम्मेदारों की ओर से कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला है। प्रदर्शन में शामिल रहवासियों ने कनाड़िया रोड/बंगाली से कनाड़िया होते हुए पलासिया तक प्रस्तावित मेट्रो रूट में बदलाव पर सवाल उठाए। उनका कहना है कि बंगाली से पलासिया तक एलिवेटेड मेट्रो रूट भारत सरकार के आधिकारिक गजट में अधिसूचित हो चुका था। इसके बावजूद बाद में रहवासी क्षेत्र में भूमिगत मेट्रो का प्रस्ताव सामने आया। रहवासियों ने सवाल किया कि पहले से अधिसूचित रूट में बदलाव क्यों किया गया और इसका तकनीकी आधार क्या है। उन्होंने शासन-प्रशासन से निर्णय की प्रक्रिया और बदलाव के पीछे की वजह सार्वजनिक करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उनका विरोध किसी राजनीतिक दल या व्यक्ति के खिलाफ नहीं है। वे शहर के विकास के विरोधी भी नहीं हैं, लेकिन विकास योजनाओं में रहवासी क्षेत्रों, घरों और परिवारों के हितों की अनदेखी नहीं होनी चाहिए।

इंदौर में 175 डॉक्टर-नर्सों एवं कर्मचारियों के अटैचमेंट समाप्त

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

स्वास्थ्य विभाग में मूल पदस्थापना के बजाय दूसरी जगह काम कर रहे 175 डॉक्टर, नर्स और अन्य कर्मचारियों के अटैचमेंट समाप्त कर दिए गए हैं। सीएमएचओ डॉ. माधव प्रसाद हसानी ने 16 अक्टूबर को आदेश जारी कर सभी अटैचमेंट तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिए। अब संबंधित कर्मचारियों को अपने मूल पदस्थापना स्थल पर जॉइनिंग देनी होगी। ऐसा करने के बाद ही उन्हें अक्टूबर का वेतन मिलेगा। आदेश के अनुसार संबंधित अधिकारियों को अटैच कर्मचारियों को उसी दिन कार्यमुक्त कर उनकी मूल पदस्थापना पर भेजना होगा। इसकी जानकारी सीएमएचओ कार्यालय को भी देनी होगी। वेतन आहरण केंद्रों को निर्देश दिए गए हैं कि कर्मचारियों के मूल पदस्थापना स्थल पर उपस्थित होने के बाद ही अक्टूबर का वेतन आहरित किया जाए। सीएमएचओ ने स्पष्ट किया है कि आदेश के बाद भी कोई अधिकारी या कर्मचारी अटैचमेंट पर कार्यरत पाया गया, तो संबंधित जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसकी जिम्मेदारी संबंधित संस्था प्रभारी की होगी। यह आदेश सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, देपालपुर, मानपुर, सांवेर और हातोद के खंड चिकित्सा अधिकारियों, महू सहित विभिन्न अस्पतालों के प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों, शहरी स्वास्थ्य संस्थाओं और मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक के प्रभारियों को भेजा गया है।

धोखाधड़ी मामले में 8 साल से जांच अधूरी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

हाई कोर्ट ने धोखाधड़ी के मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए कहा, 8 साल पहले दर्ज हुई एफआईआर पर पुलिस आज तक चार्जशीट पेश नहीं कर पाई है। कोर्ट ने इसे प्रशासन के लिए शर्मनाक बताया और उच्च स्तर पर जांच के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने मौखिक रूप से भी कहा कि आखिर यह चल क्या रहा है? फर्जी आदेश बनाकर उनका एग्जीक्यूशन भी कराया जा रहा है और कोई देखने वाला नहीं है। जस्टिस संदीप एन भट्ट की खंडपीठ ने ये आदेश जारी किए हैं। याचिका में आरोप है कि रियल नायक नामक सोसायटी ने कोर्ट के सामने फर्जी आदेश, अवॉर्ड एवं डिग्रियां पेश की। इनके आधार पर मामलों का निष्पादन भी शुरू करवा दिया गया। कुछ जगहों पर तो कोर्ट ने यह मान लिया कि ये आदेश असली हैं और इन्हें लागू किया जा सकता है।

सीएम से मिलने पहुंचीं ताई, कहा-कला संकुल का अधूरा काम पूरा कराएं

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन ने शनिवार सुबह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने इंदौर में निर्माणाधीन कला संकुल का अधूरा काम पूरा कराने और अहिल्याबाई होलकर स्मारक से जुड़े कुछ मुद्दों पर चर्चा की।

मीडिया से बातचीत में उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, मैं नौकरी मांगने आई। इसके बाद उन्होंने बताया कि कला संकुल का निर्माण स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत किया जा रहा था, लेकिन स्मार्ट सिटी का फंड समाप्त होने के कारण काम अधूरा रह गया है। उन्होंने सरकार से इसके लिए राशि उपलब्ध कराकर निर्माण कार्य पूरा कराने की मांग की।



महाजन ने बताया कि कला संकुल का काम पूरा कराने के लिए मैंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है। स्मार्ट सिटी के तहत इस प्रोजेक्ट पर काम चल रहा था, लेकिन फंड खत्म होने से निर्माण अधूरा रह गया। उन्होंने कहा कि सरकार को इस काम को पूरा कराना चाहिए, ताकि प्रोजेक्ट का लाभ मिल सके।

महाजन ने बताया कि अहिल्याबाई होलकर स्मारक के निर्माण में भी कुछ अड़चनें आ रही हैं। स्मारक के नक्शे और अन्य छोटी-मोटी समस्याओं को मैंने मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित किया। उनका कहना था कि इन मुद्दों को समय रहते सुलझा लिया जाए, ताकि स्मारक का काम आगे बढ़ सके।

एनएचएआई कहा- इंदौर में बायपास के गड्ढे भर दिए

हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा- मौके पर जाकर देखें

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर



इंदौर-देवास बायपास की बदहाली को लेकर हाईकोर्ट में चल रही जनहित याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने कोर्ट में फोटोग्राफ पेश कर दावा किया कि बायपास के गड्ढे भर दिए गए हैं और अब वहां कोई समस्या नहीं है।

इस पर हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता से मौके पर जाकर सड़क की स्थिति देखने और वास्तविकता से कोर्ट को अवगत कराने को कहा है। मामले में अगली सुनवाई 27 अक्टूबर को होगी। मामले की सुनवाई जस्टिस सुबोध अभ्यंकर और जस्टिस जय कुमार पिल्लई की डबल बेंच में हुई। पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट ने एनएचएआई से पूछा था कि वर्ष 2023 में हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश और सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के बाद बायपास की स्थिति सुधारने के लिए क्या काम किए गए हैं। मातृ फाउंडेशन की ओर से एडवोकेट अमेय बजाज ने वर्ष 2021 में यह जनहित याचिका दायर की थी। इसमें इंदौर-देवास बायपास की खराब हालत और सड़क सुरक्षा से जुड़े मुद्दे उठाए गए हैं। याचिका के अनुसार, बायपास पर बड़े-बड़े गड्ढे, बदहाल सर्विस रोड, खुले ड्रेनेज, जलभराव और खराब या बंद स्ट्रीट लाइट के कारण वाहन चालकों को परेशानी होती है। दुर्घटना संभावित स्थानों और अव्यवस्थित ट्रैफिक का मुद्दा भी उठाया गया है।

अब मौके पर जाकर स्थिति देखेंगे याचिकाकर्ता

शुक्रवार की सुनवाई में एनएचएआई ने तस्वीरें पेश कर गड्ढे भरने और समस्या दूर होने का दावा किया। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को मौके पर जाकर मौजूदा स्थिति देखने और अगली सुनवाई में वास्तविकता बताने को कहा है। अब 27 अक्टूबर को होने वाली सुनवाई में बायपास की स्थिति और सुधार कार्यों को लेकर आगे की जानकारी सामने आएगी।

तीन दिन पहले हुई सुनवाई में याचिकाकर्ता ने कोर्ट को बताया था कि बायपास की हालत अब भी खराब है। याचिकाकर्ता के अनुसार, गड्ढे में गिरने से एक महिला की मौत भी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया था कि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन नहीं होने से हादसों का खतरा बना हुआ है।

25 साल से आपकी सेवा में
भास्कर आयुर्वेद
हमारे यहां सभी कंपनी की आयुर्वेदिक दवाईयां विशेष डिस्काउंट पर मिलती है।
शक्तिवर्धक दवाईयों के लिए
संपर्क करें- 98263-71718

तुरंत आवश्यकता
आवश्यकता है सेल्स बॉय और सेल्स गर्ल की वेतन 8000 से 20000 तक
अंकुर जैन, जैन गाउन हाउस, 8 शंकु मार्ग अपोजिट एल एम कॉम्प्लेक्स फ्रीगंज उज्जैन मो. 9820871749

श्री गणेश बैंड उज्जैन
हमारे यहां घोड़ी, बग्गी, हाथी, ऊंट, लाइट, जनरेटर, लाजमा, ताश पार्टी, ढोल पार्टी, फूल की तोप, दूल्हन की ढोली, गाड़ी वाली लाइट, नाचने वाली घोड़ी आदि उपलब्ध है।
मास्तर : विजय सिंह सरगरा
Mob. 9981908694, 7828525454, 7067237220
अंकपात मार्ग, मीणा धर्मशाला, अंकपात मार्ग गायत्री शक्तिपीठ के पास जीवाजीगंज थाना ढोली गली, उज्जैन

जय श्री महाकाल
ऑल कंस्ट्रक्शन वर्क के लिए एजेक्स फ्लोरी 2300 के.जी. किराये से 24 घंटे उपलब्ध है।
ए.के. सिंह मो. 7748813792
सिविल इंजीनियर की आवश्यकता है।
देवास रोड, आरके क्लब कॉलोनी, अभिलाषा के पीछे, उज्जैन

सीमेन्ट आर्टिकल के थोक एवं खेरची विक्रेता
ए.के. ट्रेडर्स
फ्रन्ट एलीवेशन, फैन फ्लावर, फ्लावर बार्डर, कालम कुम्भी, कवेलु ब्लाक, बिल्सी, राजधानी पैटर्न मेहराब खम्बे डिजाईन वाले, लालटेन, तोड़ी पे. आर.सी.सी. चेम्बर, ड्रेनेज लाईन एवं समस्त
ऑफिस : 220/5, नामदार, रवीदास धर्मशाला के सामने, उज्जैन (म.प्र.)
अखलाक हुसैन, मुस्तकिम हुसैन
मोबाइल 9827253852, 83192 9962, 7869555897

बिना ऑपरेशन कान के मवाद से मुक्ति
कटे कान जुड़वाएं
किडनी की पथरी का अंत तुरंत
निःशुल्क दवा प्राप्त करें
डॉ. पी.पी. ओझा
कर्ण रोग विशेषज्ञ
9425360006,9425107617
प्रति शनिवार को मिले
निकास चौराहा बुधवारिया, उज्जैन

हस्तरेखाएं बोलती है कब? क्यों? कैसे?
जीवन की कठिन परेशानियों व्यापार नहीं चलना, विवाह या प्रेम विवाह में बाधा, कर्ज का बोझ, गृह कलेश, मानसिक अशांति व आर्थिक समस्याओं का सटीक हल प्राप्त करें। शुद्ध जन्म पत्रिका बनवाने व पत्रिका मिलान हेतु सम्पर्क करें।
पं. रुपेश रमेशचंद्र नाहर
(M.A. Astrologer)
प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य, भारतीय ज्योतिष विज्ञान संस्थान
नानाखेड़ा बस स्टेण्ड के पीछे, ए-5/8, महाकाल वाणिज्य केन्द्र, सांई पैलेस होटल के सामने, उज्जैन
नोट- फोन पर समय लेकर मिले। समय दोपहर 1 से 5 बजे तक
मोबाइल- 9827007312, 98277-33384
(web.www.jyotishdham.in)

स्वत्वाधिकारी अवंतिका प्रकाशन (भागीदारी फर्म) के लिए प्रकाशक, मुद्रक संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-5 द्वितीय तल विजयनगर मेन रोड इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : संदीप मेहता, फोन : 0731-4085777, मोबा. 9827771777 e-mail: awantikapress@gmail.com